कमाण्ड का शब्द

सड़क के दोनों ओर पीछे से – कदम खुलकर लाइन बना, 'तेज चल'।

धारा—1

68—सड़क के दोनों ओर से सुरक्षा करने के लिए

कार्यवाही यह कमाण्ड मिलने पर प्लाटून या कम्पनी जो दो लाइनों में है सड़क की उस दिशा में चली जायेगी जिसकी सुरक्षा करनी है।

कमाण्ड 'तेज चल' मिलने पर पिछली फाइल के दोनों सैनिक सामने वाले सैनिकों को छू लेंगे और साथ ही बाहर की ओर घूम जायेंगे और सड़क के किनारे पर पहुंच कर थम जायेंगे और पीछे मुड़ेंगे। यदि शस्त्रों सहित हों तो दोनों बाजू शस्त्र की हालत में आ जायेंगे और एक साथ विश्राम की हालत में आयेंगे। इसी प्रकार प्रत्येक फाइल वही हरकत करेगी जैसे कि पीछे की फाइल ने की थी।

नोट—यदि स्क्वाड चल रहा हो तो कमाण्ड 'तेज चल' नहीं दिया जायेगा। फासले के बारे में कोई निश्चित कदम नहीं बताये जा सकते है। इसलिये हर सूरत में सैनिक सड़क के किनारे थम जायेंगे।

धारा—2

69—सिमटना

1.कमाण्ड का शब्द 'दाहिने /बांये सिमट'।

2.कार्यवाही—बांये/दाहिने बाजू वाली फाइल सावधान बनायेगी, एक कदम आगे बढ़ेगी और कन्धे शस्त्र की हालत में अन्दर की ओर मुड़ेगी व अपनी लाइनों के सामने की ओर चलेंगी। जब सब फाइल चल लें तो निम्नलिखित आदेश दिया जायेगा।

'अन्दर से पीछे घूम—इस प्रकार आगे की फाइलें अन्दर की ओर घूम जायेंगे और साथ ही सिमट कर दो कदम के फासले पर आ जायेंगे।

नोट—स्क्वाड के दांये और बांये बाजू उसी तरह रहेंगे जैसे स्क्वाड के बनते समय थे।

धारा—3

70—सड़क के दोनों ओर बारी–बारी से सुरक्षा करने के लिए

प्लाटून या कम्पनी को बारी–बारी से खोलने के लिए उसे अपेक्षित दिशा की ओर मोड़ लिया जायेगा और निम्नलिखित कमाण्ड दिया जायेगा।

'एक फाइल बन—तेज चल' जब एक फाइल बन जाये तो निम्नलिखित आदेश दिये जायेंगे।

कमाण्ड का शब्द

'सड़क के दोनों ओर पीछे से --- कदम बारी-बारी खुलकर लाइन बना।

1. कार्यवाही 'कमाण्ड बना' मिलने पर पिछली लाइन का सैनिक अपने सामने के सैनिक को छू लेगा और साथ ही दांये को घूमेगा उसी प्रकार सामने की लाइन का सैनिक बांये को घूमेगा और अन्तर को पूरा करने के बाद वे सड़क के किनारे थम जायेंगे और पीछे मुड़ेंगे। यही कार्यवाही पीछे और सामने की लाइनों के बाकी सैनिकों द्वारा की जायेगी।

यदि शस्त्र सहित हों तो प्रत्येक सैनिक बाजू शस्त्र की हालत में आ जायेगा और एक साथ विश्राम की हालत में खड़े हो जायेंगे।

नोट—थम की हालत में भी एक फाइल बनाई जा सकती है। यदि थम की हालत में बनाया जाना हो तो 'बना' के बाद कमाण्ड 'तेज चल' जोड़ दिया जायेगा।

धारा—4

71—सिमटना

(क)कमाण्ड का शब्द 'दाहिने/बांये सिमट'

(ख)कार्यवाही वही जो धारा 69 में बताई गयी है। आखिरी बाजू का सबसे आखिरी सैनिक, जिसे सिमटने का आदेश दिया गया हो, पहले और जब वह अपने पहले वाले जोड़े की लाइन में आ जाये तो दोनों एक साथ चलेंगे।

धारा—5

72—प्लाटून या कम्पनी को मध्य से खोलना

1. प्लाटून या कम्पनी को मध्य से खोलने के लिए पहले मध्य व्यक्ति को परख लिया जायेगा। उसके बाद निम्नलिखित कमाण्ड दिया जायेगा।

2. कमाण्ड का शब्द (1) 'सड़क के दोनों ओर मध्य से लाइनें बना। लाइनें बाहर को मुड़।

वह कमाण्ड मिलने पर मध्य के व्यक्ति के दांये और बांये की लाइनें बाहर की ओर मुड़ जायेंगी। पिछली लाइन का मध्य व्यक्ति पीछे मुड़ेगा।

कमाण्ड का शब्द (2) पीछे से-कदम खुलकर 'तेज चल'।

3. कार्यवाही कमाण्ड 'तेज चल' मिलने पर मध्य व्यक्ति सामने और पीछे की ओर आगे बढ़ेंगे और सड़क के किनारे पर पोजीशन ले लेंगे, थमेंगे, पीछे मुड़ेंगे और बाजू शस्त्र बनायेंगे। (यदि सशस्त्र हों)

शेष लाइनें (यानि मध्य व्यक्तियों के दांये ओर की लाइनें) धारा 1 में बताये के अनुसार कार्यवाही करेंगी और अपेक्षित अन्तर प्राप्त कर लेने

पर, अपनी लाइन के मध्य व्यक्ति से सजेंगी।

4.सिमटना—यदि मध्य पर सिमटना वांछनीय हो तो यह कमाण्ड दिये जायेंगे।

5.कमाण्ड का शब्द—'मध्य पर सिमट'।

6.कार्यवाही

1. मध्य के व्यक्ति आगे बढ़ेंगे और सड़क के मध्य में दो कदम के फासले पर उसी हालत में आ जायेंगे और अपेक्षित दिशा की ओर मुड़ेंगे जिधर उनके चेहरे पहले की हालत में थे।
2. लाइनें धारा 68 में बताये हुए तरीके से भी सिमटाई जा सकती है।

धारा—6

73—गाड़ियों और पैदल यातायात को गुजरने के लिए सड़क को दो भागों में बांटना—

धारा-3 में बताये हुए के अनुसार एक फाइल बनाने के बाद निम्नलिखित कमाण्ड दिया जायेगा।

1.कमाण्ड के शब्द—सड़क के मध्य बाहर मुँह करते हुए पीछे से कदम खुलकर लाइनबन दिया जायेगा।

2.कार्यवाही—कमाण्ड 'बना' मिलने पर पिछली लाइन का सैनिक अपने सामने के आदमी और साथ ही थम कर पीछे को मुड़ेगा। बाकी सैनिक उसी प्रकार अपेक्षित कदम लेकर और थम कर अपने सामने के सैनिक को छू लेंगे और थमेंगे। सामने की लाइन के सैनिक बांई और पिछली लाइन के सैनिक दांये को मुड़ जायेंगे। अन्तिम आदमी थम जायेगा और उस दिशा की ओर चेहरे को करेगा जिधर लाइन चल रही है। जब प्रत्येक सैनिक अपनी पोजीशन ले ले तो वह बाजू शस्त्र बनाकर विश्राम की हालत में आ जायेगा।

धारा—7

74—सिमटना

1.कमाण्ड का शब्द—'दाहिने सिमट'।

2.कार्यवाही—कमाण्ड 'सिमट' मिलने पर सामने की और पिछली लाइनों के बांये के दो सैनिक सावधान की हालत में आकर कन्धे शस्त्र हो जायेंगे। पिछली लाइन का सैनिक जो सबसे आखिरी सिरे पर हो अपने दांये मुड़ेगा और बांये को घूमता हुआ आगे बढ़ेगा। जबकि पीछे के सिरे का सैनिक आगे की लाइन के दूसरे सैनिक की सीध में आ जाये तो दूसरा सैनिक दांये उसके साथ आगे बढ़ेगा। लाइनों के बाकी सैनिक जबकि

उनके नजदीक वे दो सैनिक पहुँच रहे हों। सावधान की हालत में आयेंगे और कन्धे शस्त्र की हालत में आकर उनके पीछे चल देंगे। जब सब सैनिक इस प्रकार अपनी–अपनी लाइनों में मिल जायें और दो लाइनें बना लें तो निम्नलिखित कमाण्ड का शब्द दिया जायेगा।

'बाहर से पीछे घूम'–यह कमाण्ड मिलने पर दोनों प्रदर्शक बाहर की ओर से पीछे घूमेंगे और साथ ही निकट आयेंगे और लाइनों के मध्य अपना सामान्य दो–दो कदम का दरम्यानी फासला बनाये रखेंगे।

❑❑❑

कम्पनी ड्रिल
(COMPANY DRILL)

आवश्यकता

यह प्लाटून ड्रिल का ही एक बड़ा रूप है। इससे जवानों में एकता की भावना, अनुशासन, एक साथ कार्य की क्षमता अधिकारियों एवं कर्मचारियों में एक साथ मिलकर अनुशासन में रहने की क्षमता तथा अनुशासन में रहते हुये खूबसूरती के साथ ड्रिल करने एवं एक काफी बड़े समूह में चलने की आदत बनाती है।

नोट : कम्पनी ड्रिल आरम्भ में, पदाधिकारी, सेक्शन कमाण्डरों और सैनिकों को लैक्चर देकर सिखलाना चाहिये ताकि वे तमाम हरकतों व बनावटों को भली-भाँति समझ सकें जो काम में आने वाली है। जब कम्पनी ड्रिल का अभ्यास कराया जाता है तो पदाधिकारियों और ओहदेदारों के स्थान भी बदलते रहना चाहिये ताकि प्रत्येक अपने-अपने कर्त्तव्य से परिचित हो जाये।

75—कम्पनी की जनशक्ति

1. कम्पनी कमाण्डर = 1
2. प्लाटून कमाण्डर = 3
3. कम्पनी हवलदार मेजर = 1
4. कम्पनी क्वार्टर मास्टर = 1
5. प्लाटून हवलदार = 3
6. प्लाटूने = 3

साधारणतया एक प्लाटून में 6 हवलदार तथा 30 आरक्षी होते हैं।

76— बनावट व पदाधिकारियों एवं ओहदेदारों के स्थान

बनावट

1. लाइन फारमेशन
2. तीनों-तीन कालम
3. प्लाटूनों का कालम
4. प्लाटूनों का निकट कालम
5. प्लाटूनों की तीनों-तीन की लाइन
6. कूँच कालम

अधिकारियों के स्थान लाइन की दशा में

1. नम्बर एक प्लाटून दाहिने, नम्बर दो मध्य में तथा नम्बर तीन प्लाटून बांये खड़ा होता है।
2. कम्पनी कमाण्डर मध्य प्लाटून के मध्य सैनिक तथा प्लाटून कमाण्डर को कवर करते हुये सामने 6 कदम की दूरी पर।
3. प्लाटून कमाण्डर अपने-अपने प्लाटून के मध्य फाइल के सामने 3 कदम दूरी पर।
4. प्लाटून हवलदार अपने-अपने प्लाटून के पीछे मध्य फाइल को कवर करते हुए तीन कदम दूरी पर।

5. कम्पनी हवलदार मेजर मध्य प्लाटून के हवलदार के दाहिने एक फाइल छोड़कर खड़ा होगा।

6. कम्पनी क्वार्टर मास्टर हवलदार मध्य प्लाटून के प्लाटून हवलदार के बांये एक फाइल छोड़कर दूसरी फाइल पर होगा।

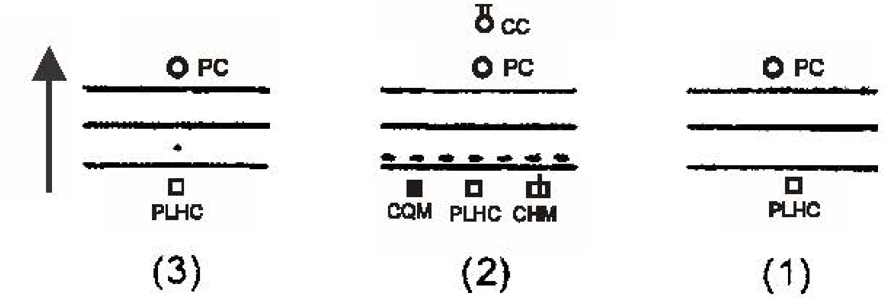

निकट कालम तथा कालम में अधिकारियों के स्थान

इस बनावट में एक प्लाटून दूसरे प्लाटून के पीछे रहती है तथा उनके बीच का

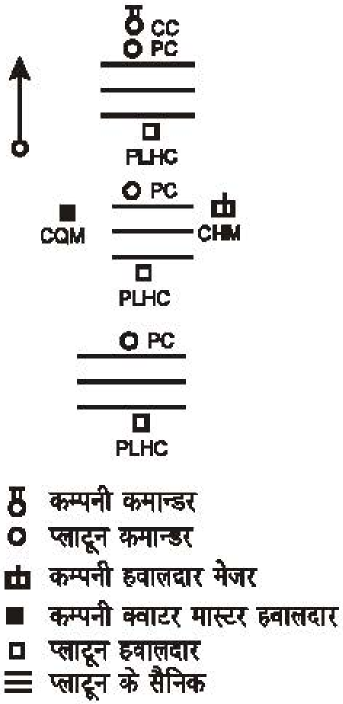

फासला प्लाटून का फ्रन्टेज 3 कदम रहता है। निकट कालम में यह फासला ड्रिल के लिये 7 कदम तथा निरीक्षण के समय 12 कदम रखा जाता है। यह फासला अगले प्लाटून की पिछली लाइन की एड़ी तक नापा जाता है। इसमें अधिकारियों एवं ओहदेदारों के स्थान निम्न प्रकार होते हैं—

इस फारमेशन में कम्पनी कमाण्डर सामने नम्बर एक प्लाटून के मध्य 6 कदम की दूरी पर, प्लाटून कमाण्डर तीन कदम तथा प्लाटून हवलदार अपने–अपने प्लाटून के पीछे मध्य फाइल को कवर करते हुये तीन कदम की दूरी पर। कम्पनी हवलदार मेजर मध्य प्लाटून के मध्य फाइल के दाहिने तीन कदम की दूरी पर तथा कम्पनी क्वार्टर मास्टर हवलदार मध्य लाइन के बांये तीन कदम की दूरी पर होगा।

प्लाटूनों की तीनों–तीन की लाइन में अधिकारियों के स्थान

इस बनावट में प्लाटूनें तीनों–तीन से एक–दूसरे के बांये खड़ी होती है। कम्पनी कमाण्डर मध्य प्लाटून के मध्य लाइन के 6 कदम सामने तथा प्लाटून कमाण्डर अपने–अपने प्लाटून के मध्य लाइन के तीन–तीन कदम सामने तथा प्लाटून हवलदार अपने–अपने प्लाटून के तीन–तीन कदम पीछे मध्य लाइन को कवर करते हुये। कम्पनी हवलदार मेजर मध्य प्लाटून हवलदार के दाहिने को कवर करते हुये तथा कम्पनी क्वार्टर मास्टर हवलदार मध्य प्लाटून के हवलदार के बांये लाइन को कवर करते हुये।

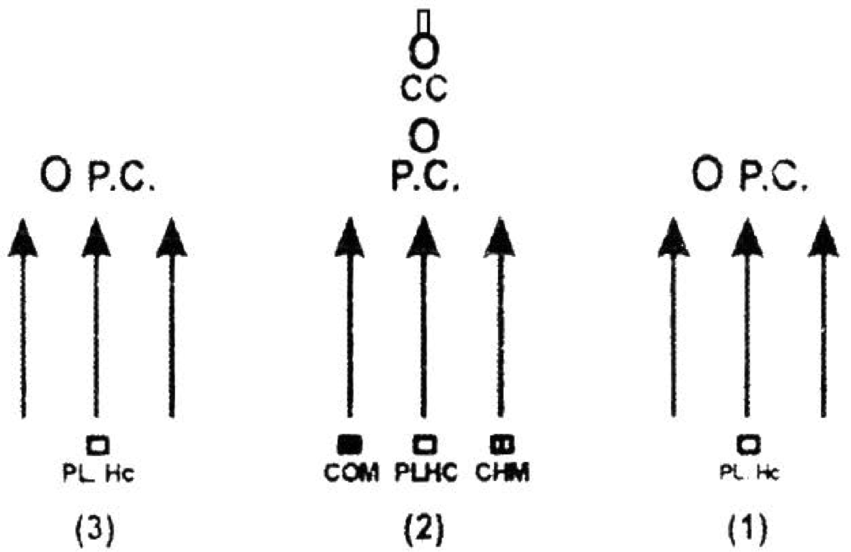

तीनों-तीन कालम में अधिकारियों के स्थान

इस बनावट में कम्पनी के सभी अधिकारियों एवं पदाधिकारियों के स्थान लाइन फारमेशन की तरह रहते हैं, केवल कम्पनी का रुख एक बाजू या (फ्लैंक) की तरफ कर दिया जाता है।

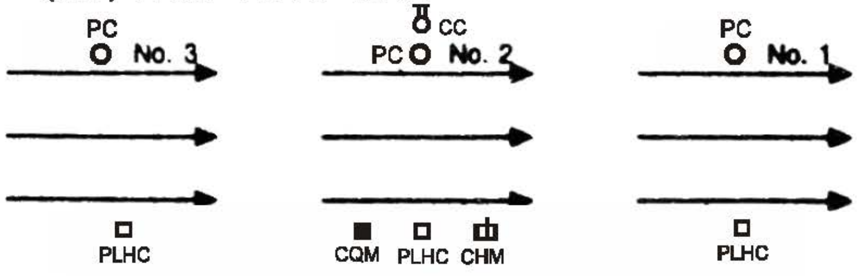

कूँच कालम में अधिकारियों के स्थान

इस बनावट में कम्पनी में अधिकारियों के स्थान परिवर्तन हो जाते हैं। कम्पनी तीनों कालम की दशा में एक बाजू की तरफ होती है। यह दशा एक कम्पनी के मार्च करते समय की है। इसमें कम्पनी कमाण्डर नम्बर एक प्लाटून कमाण्डर के तीन कदम सामने मध्य लाइन को कवर करते हुये, प्लाटून कमाण्डर अपने-अपने प्लाटून के सामने मध्य फाइल के सामने एक कदम की दूरी पर। कम्पनी हवलदार मेजर नम्बर एक प्लाटून के प्लाटून कमाण्डर के बांये लाइन की सीध में तथा कम्पनी क्वार्टर मास्टर हवलदार नं0 तीन प्लाटून के प्लाटून हवलदार के दाहिने लाइन को कवर करते हुये।

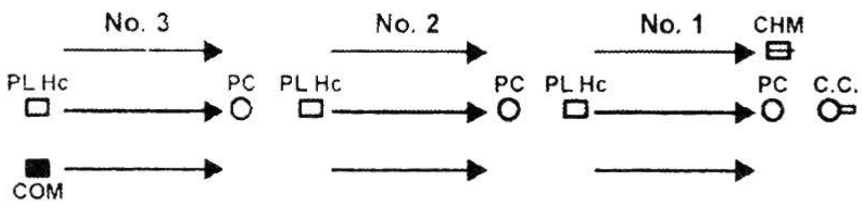

77—कम्पनी का लाइन की दशा में सजना

जब कम्पनी लाइन की दशा में खड़ी हो तो कम्पनी कमाण्डर आदेश देगा "कम्पनी दाहिने सज" जैसे ही सैनिक 15 इंच का कदम आगे लेकर दाहिने सज की हरकत करते हैं, तुरन्त हवलदार मेजर दाहिने मुड़कर नम्बर एक प्लाटून के दाहिने 5 कदम की दूरी पर पहुँच कर बांये मुड़कर कार्यवाही करेगा तथा सामने की लाइन के दाहिने 5 कदम की दूरी से बांये मुड़कर सामने की लाइन की सिधाई करायेगा। "सामने की लाइन हिलो मत" फिर

इसके बाद तीन कदम चलकर मध्य लाइन की सिधाई कराके कहेगा " मध्य की लाइन हिलो मत" तथा फिर पिछली लाइन के दाहिने पहुँचकर कहेगा "पिछली लाइन हिलो मत" तथा पुनः 6 कदम पहुँचकर आदेश देगा "कम्पनी सामने देख" तथा पुनः अपने यथा स्थान मार्च करके पहुँच जायेगा।

कम्पनी का कालम या निकट कालम की दशा में सजना

जब कम्पनी कालम अथवा निकट कालम की दशा में खड़ी हो तो कम्पनी द्वारा आदेश दिया जाता है "दाहिने सज" के आदेश पर सभी कमाण्डर पीछे मुड़ जायेंगे। प्लाटून हवलदार अपने प्लाटून के दाहिने, सामने की लाइन के 5 कदम दाहिने जाकर थमें, बांये मुड़कर सामने की तरफ रुख करके खड़े हो जायेंगे। कम्पनी हवलदार मेजर नम्बर एक प्लाटून के दर्शक के 6 कदम सामने जाकर दर्शकों की सिधाई करायेगा। इसके बाद बांये मुड़कर 5 कदम जाकर प्लाटून हवलदारों की सिधाई करायेगा तथा हवलदार मेजर आदेश देगा। "प्लाटून हवलदार हिलो मत" इस आदेश पर प्लाटून हवलदार अपना कार्य शुरू कर देंगे। सिधाई ठीक हो जाने पर नम्बर एक प्लाटून का प्लाटून हवलदार कहेगा नम्बर एक प्लाटून "सामने देख" नम्बर दो का प्लाटून हवलदार कहेगा नम्बर दो "सामने देख" तथा नम्बर तीन का प्लाटून हवलदार कहेगा नम्बर तीन प्लाटून "सामने देख" इस पर सभी अधिकारी/कमाण्डर पीछे मुड़ेंगे तथा तीनों प्लाटून हवलदार और हवलदार मेजर अपने सामने से पीछे घूमते हुये अपनी-अपनी जगह पहुँच जायेंगे।

नोट :

1. यदि प्लाटून में प्लाटून हवलदार उपलब्ध नहीं है तो इस कार्य को प्लाटून के दाहिने प्रदर्शक करेंगे।
2. कम्पनी ड्रिल में सैनिकों को हर एक हरकत के बाद स्वयं ही सज जाना चाहिये। सिरमोनियल के लिये सिधाई आदेश से कमाण्ड दे कर कराई जाये।
3. जब तक कोई दूसरा आदेश न दिया जाये तो कम्पनी हमेशा प्लाटूनों के निकट कालम में खड़ी होगी, फिर उसका निरीक्षण किया जायेगा यदि जगह की कमी हो तो कम्पनी लाइन में खड़ी की जा सकती है।

78—निकट कालम की हरकतें

1. समस्या

कम्पनी निकट कालम में खड़ी हो उसकी दिशा बदलना।

कमाण्ड : कम्पनी दाहिने दिशा बदल, दाहिने घूम "तेज चल"।

कार्यवाही : (1) कमाण्ड घूम मिलने पर अगले प्लाटून के अलावा शेष प्लाटूनें थोड़ा बांये (22 डिग्री) मुड़ेगी। अगला प्लाटून नहीं मुड़ेगा बल्कि दाहिने देखेगा। "तेज चल" के आदेश पर प्रत्येक सैनिक एक ऐसे वृत्त की परिधि पर जिसका केन्द्र बिन्दु अगले प्लाटून का दाहिना दर्शक हो घूमेगा। घूम के ही आदेश पर कम्पनी हवलदार मेजर पिछले प्लाटून के पिछली लाइन के बांये दर्शक के बांये पहुँचकर तथा कम्पनी क्वार्टरमास्टर हवलदार नम्बर एक प्लाटून के दाहिने दर्शक के दाहिने पहुँचकर सिधाई देखते हैं। इसके बाद वांछित दिशा परिवर्तन हो जाने के बाद कम्पनी कमाण्डर आगे बढ़ने का आदेश या थमने का आदेश स्वयं देंगे।

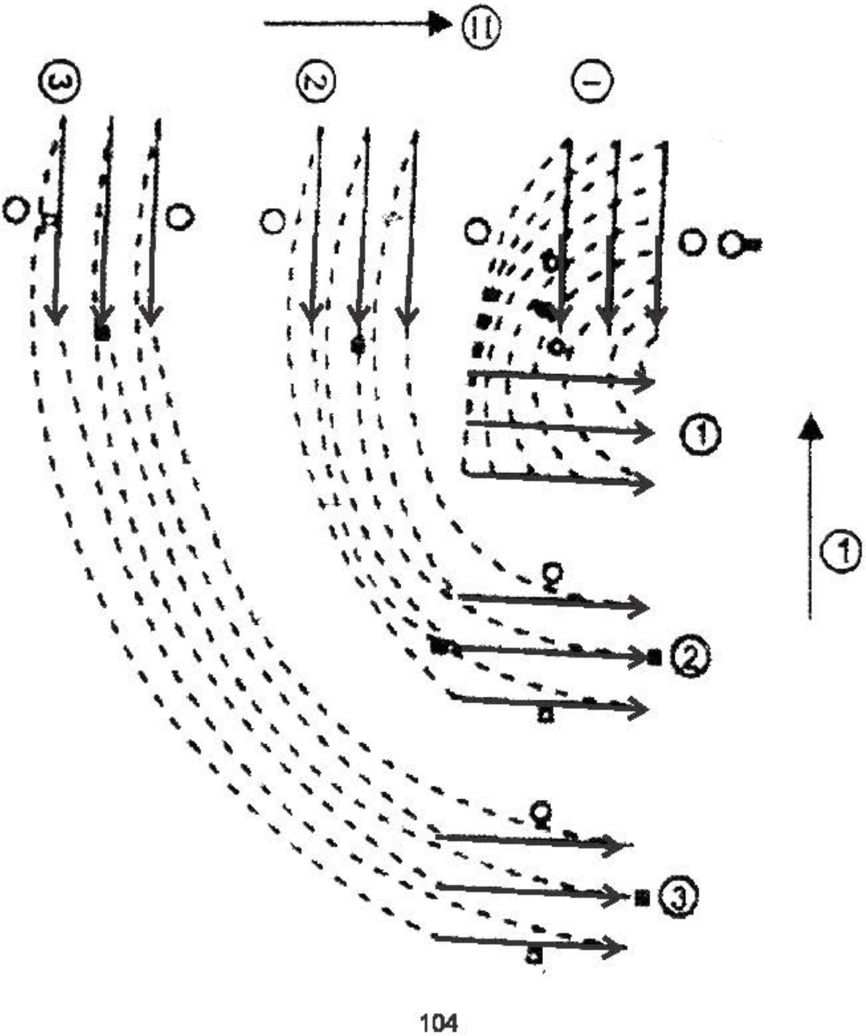

2. समस्या

कम्पनी प्लाटूनों के निकट कालम में खड़ी है उसी दिशा की तरफ तीनों–तीन कालम में चलाना।

कमाण्ड : कम्पनी कमाण्डर द्वारा, कम्पनी दाहिने से तीनों–तीन कालम में आगे बढ़, कम्पनी दाहिने मुड़।

कार्यवाही : कमाण्ड मिलने पर तीनों प्लाटून दाहिने मुड़ेंगे, नम्बर एक पी॰ सी॰ कहेगा नम्बर एक प्लाटून बांये घूम बांये से तेज चल, क्रमशः नम्बर

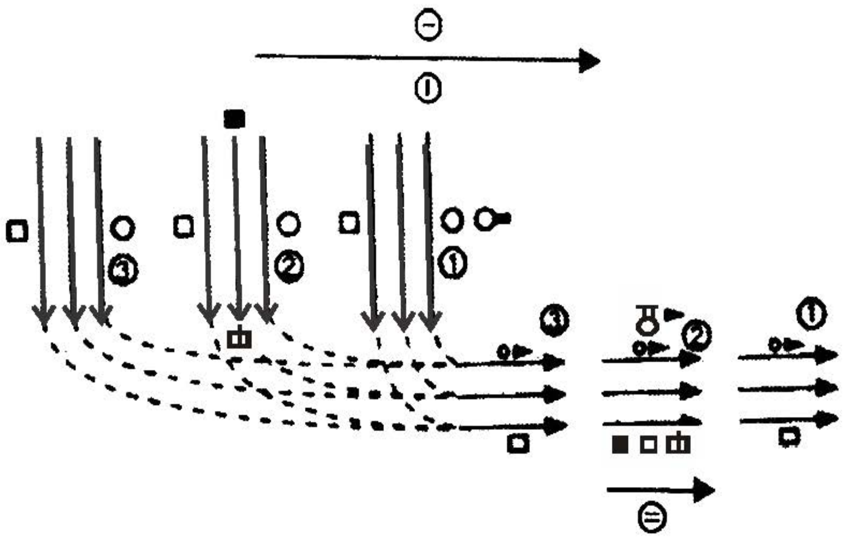

दो और नम्बर तीन प्लाटून के पी॰ सी॰ भी यही आदेश देंगे।

3. समस्या

कम्पनी निकट कालम में खड़ी है एक फ्लैंक की ओर तीनों–तीन कालम में चलना।

कमाण्ड : कम्पनी तीनों–तीन कालम में दाहिने चल, कम्पनी दाहिने मुड़।

कार्यवाही : आदेश पर दाहिने तीनों प्लाटून मुड़ जायेंगे, अगले प्लाटून का पी॰ सी॰ कहेगा नम्बर एक प्लाटून बांये से तेज चल, फासला पूरा होने पर नम्बर दो प्लाटून पी॰ सी॰ आदेश देगा नबर दो प्लाटून बांये घूम बांये से तेज चल। नम्बर एक प्लाटून की सिधाई में आने पर दाहिने घूम का आदेश देगा, यही कार्यवाही नम्बर तीन प्लाटून का प्लाटून कमाण्डर करायेगा।

4. समस्या

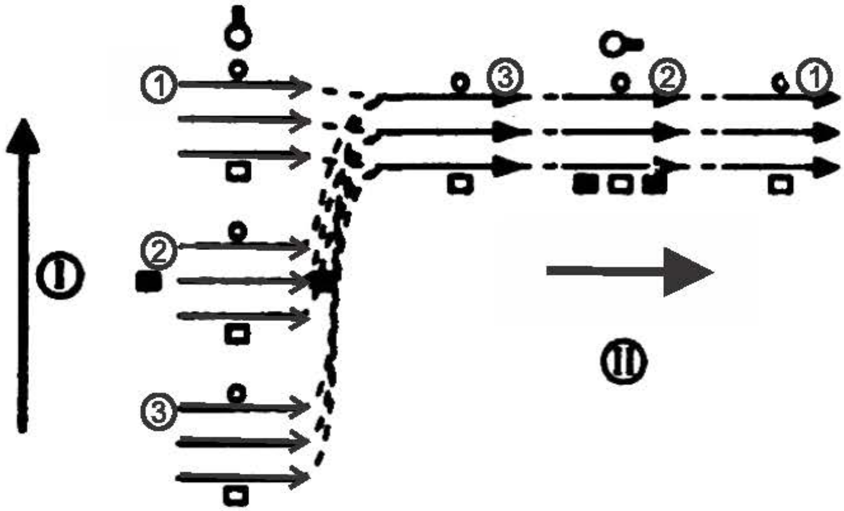

प्लाटूनों के निकट कालम का जबकि वह खड़ा हो एक फ्लैंक की ओर तीनों–तीन में चलना।

कमाण्ड : कम्पनी तीनों–तीन में दाहिने चल दाहिने मुड़, तेज चल।

कार्यवाही : कमाण्ड मिलने पर सभी प्लाटूनें दाहिने मुड़ जायेंगी, तेज चल के आदेश पर तेज चल देंगे।

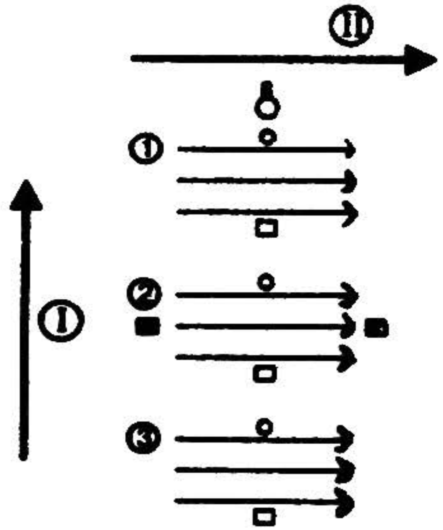

5. समस्या

निकट कालम में खड़ी कम्पनी का उसी दिशा में लाइन बनाना।

कमाण्ड : कम्पनी बांये को लाइन बना बाकि बांये मुड़, तेज चल।

कार्यवाही : बांये मुड़ की कमाण्ड मिलने पर नम्बर एक प्लाटून खड़ा रहेगा शेष प्लाटून बांये मुड़ेंगे, तेज चल के आदेश पर शेष दोनों प्लाटून नजदीक के रास्ते नम्बर एक प्लाटून के बांये पहुँच जायेंगे, इसके बाद प्लाटून कमाण्डर क्रमशः थम करायेंगे और दाहिने मुड़ का आदेश देंगे।

6. समस्या

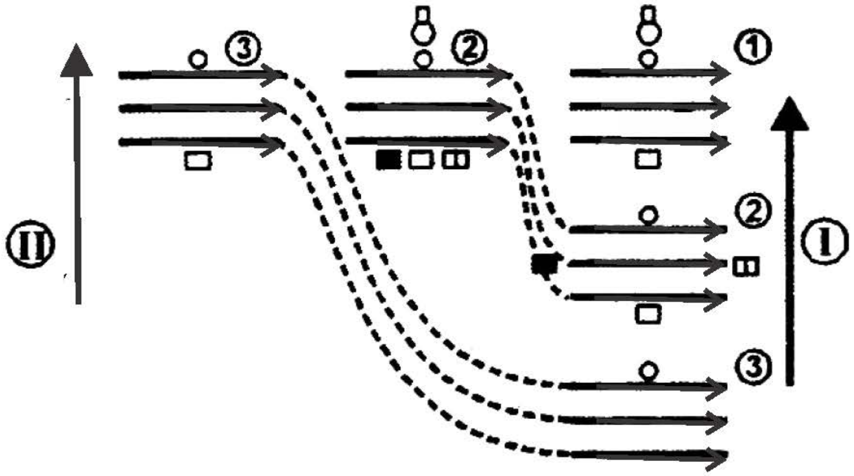

प्लाटूनों के निकट कालम का जबकि वह चल रहा हो, एक फ्लैंक की ओर दिशा बदलकर लाइन बनाना।

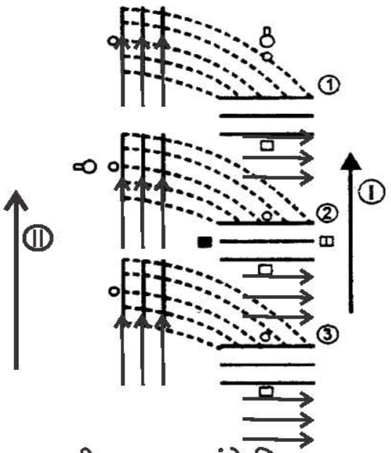

कमाण्ड : कम्पनी थम कर बांये दिशा लाइन बना।

कार्यवाही : नम्बर तीन प्लाटून या प्लाटून कमाण्डर आदेश देगा नम्बर तीन प्लाटून थम कर बांये दिशा बदल इसी प्रकार फासला पूरा होने पर नम्बर दो व नम्बर एक प्लाटून के कमाण्डर बांये दिशा बदलायेंगे।

7. समस्या

निकट कालम में खड़ी कम्पनी का कालम में आगे बढ़ना या पीछे लौटना।

कमाण्ड : कम्पनी कालम में आगे बढ़।

कार्यवाही : कमाण्ड पर नम्बर एक प्लाटून का प्लाटून कमाण्डर आदेश देगा नम्बर एक प्लाटून आगे बढ़ेगा, दाहिने तेज चल, कालम का फासला पूरा होने पर नम्बर दो प्लाटून का प्लाटून कमाण्डर यही आदेश देगा तथा क्रमशः नम्बर तीन–प्लाटून का प्लाटून कमाण्डर भी यही आदेश देगा।

कालम में पीछे लौटना

कमाण्ड : कम्पनी कालम में पीछे लौट।

कार्यवाही : कमाण्ड मिलने पर सभी प्लाटून के प्लाटून कमाण्डर पीछे मुड़ जायेंगे। नम्बर तीन प्लाटून का प्लाटून कमाण्डर आदेश देगा, नम्बर तीन प्लाटून पीछे लौटेगा पीछे मुड़, पीछे लौटेगा, बांये से तेज चल। कालम फासला पूरा होने पर यही कार्यवाही क्रमशः नम्बर दो और नम्बर एक प्लाटून के प्लाटून कमाण्डर करायेंगे।

8. समस्या

चलते–चलते कालम से निकट कालम बनाना।

कमाण्ड : कम्पनी नम्बर एक पर निकट कालम बना, बाकी दौड़ के चल।

कार्यवाही : कमाण्ड पर अगला प्लाटून तेज चाल मे चलता रहेगा, नम्बर दो और नम्बर तीन प्लाटून दौड़ना प्रारम्भ करेंगे, निकट कालम का फासला पूरा होने पर नम्बर दो प्लाटून का प्लाटून कमाण्डर अपने प्लाटून को तेज चाल में लायेगा, कमाण्ड देगा नम्बर दो प्लाटून तेज चाल में आ, तेज चल तथा फासला पूरा होने पर नम्बर तीन प्लाटून का प्लाटून कमाण्डर भी यहीं कार्यवाही करायेगा।

नोट–

1. **यदि पीछे लौट की दशा में कम्पनी मार्च कर रही हो तो कमाण्ड दिया जायेगा, नम्बर तीन पर निकट कालम बना बाकी दौड़ के चल, शेष दोनों** प्लाटून उपरोक्त की भाँति कार्य करेंगे।
2. **यदि आदेश, थम कर निकट कालम बना का प्राप्त हो तो अगले प्लाटून** का प्लाटून कमाण्डर अपने प्लाटून को थम करायेगा, निकट कालम का फासला पूरा होने पर क्रमशः नम्बर दो और पिछले प्लाटून के प्लाटून

कमाण्डर अपने–अपने प्लाटूनों को बारी–बारी थम करायेंगे।

9. समस्या

प्लाटूनों का कालम से जबकि वह खड़ा है, निकट कालम बनाना।

(1) नम्बर एक पर निकट कालम बनाना

कमाण्ड : कम्पनी नम्बर एक पर निकट कालम बना, बाकि तेज चल।

कार्यवाही : कमाण्ड मिलने पर नम्बर एक प्लाटून खड़ा रहेगा शेष प्लाटून तेज चलेंगे, फासला पूरा होने पर नम्बर दो और नम्बर तीन प्लाटून के प्लाटून कमाण्डर बारी–बारी अपने प्लाटून को थम करायेंगे।

(2) नम्बर दो पर निकट कालम बनाना

कमाण्ड : कम्पनी नम्बर दो पर निकट कालम बना, अगला प्लाटून पीछे लौटेगा पीछे मुड़, बाकी तेज चल।

कार्यवाही : आदेश पर नम्बर एक प्लाटून पीछे मुड़ेगा पुनः नम्बर एक और नम्बर तीन प्लाटून तेज चलेंगे, फासला पूरा होने पर दोनों प्लाटून के प्लाटून कमाण्डर थम करायेंगे, नम्बर एक प्लाटून का प्लाटून कमाण्डर आदेश देगा, नम्बर एक प्लाटून बढ़ेगा पीछे मुड़। इस पूरी कार्यवाही में नम्बर दो प्लाटून अपनी जगह पर स्थिर रहेगा।

(3) नम्बर तीन पर निकट कालम बनाना

कमाण्ड : कम्पनी नम्बर तीन पर निकट कालम बना, बाकी प्लाटूनें पीछे लौटेंगी पीछे मुड़, तेज चल।

कार्यवाही : आदेश मिलने पर नम्बर तीन प्लाटून खड़ा रहेगा, नम्बर एक और दो प्लाटून पीछे मुड़ेंगे, तेज चल के आदेश पर तेज चलेंगे जैसे ही निकट कालम का फासला पूरा होता है दोनों प्लाटून के प्लाटून कमाण्डर बारी–बारी अपने प्लाटून को थम करायेंगे तथा पीछे मुड़ करायेंगे।

10. समस्या

निकट कालम का जबकि वह बाजू की ओर चल रहा हो थम कर लाइन बनाना।

कमाण्ड : कम्पनी थम कर बांये दिशा लाइन बना।

कार्यवाही : कमाण्ड पर नम्बर तीन प्लाटून का प्लाटून कमाण्डर अपने प्लाटून को आदेश देगा, नम्बर तीन प्लाटून थम, आगे बढ़ेगा बांये मुड़। इसके बाद नम्बर दो प्लाटून का प्लाटून कमाण्डर आदेश देगा नम्बर दो दाहिने घूम तथा नम्बर तीन के दाहिने पहुँचने पर बांये घूम थम, आगे बढ़ेगा बांये मुड़। इसके बाद यही कार्यवाही नम्बर एक प्लाटून कमाण्डर भी करायेगा।

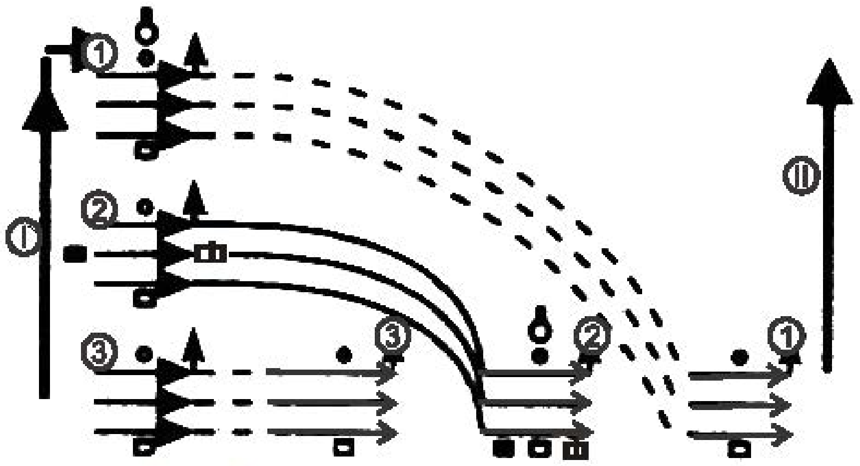

कालम की हरकतें

1. समस्या

चलते–चलते कालम की दिशा बदलना।

कमाण्ड : **कम्पनी दाहिने दिशा बदल।**

कार्यवाही : आदेश पर नम्बर एक प्लाटून का पी॰ सी॰ नम्बर एक प्लाटून को आदेश देगा, नम्बर एक प्लाटून दाहिने दिशा बदल। दिशा बदल जाने पर आगे बढ़ की कार्यवाही करायेगा। इसी प्रकार उसी स्थान से क्रमशः नम्बर दो व नम्बर तीन प्लाटून के प्लाटून कमाण्डर यही कार्यवाही करायेंगे।

2. समस्या

कालम का तीनों–तीन कालम बनाना। उसी दिशा में जबकि वह खड़ा हो।

कमाण्ड : **कम्पनी दाहिने से तीनों–तीन कालम में आगे बढ़, कम्पनी दाहिने मुड़, प्लाटूनें बांये घूम, तेज चल।**

कार्यवाही : **कमाण्ड मुड़ पर पूरी कम्पनी दाहिने मुड़ जायेगी, पुनः तेज चल के आदेश पर तीनों–तीन प्लाटून अपनी–अपनी जगह से बांये घूमते हुये तेज चल देंगे।**

नोट : यदि कम्पनी मार्च कर रही हो तो कमाण्ड होगी "कम्पनी बारी–बारी दाहिने से तीनों–तीन कालम में आगे बढ़।"

कार्यवाही : **इस कमाण्ड के बाद नम्बर एक प्लाटून का प्लाटून कमाण्डर आदेश देगा नम्बर एक प्लाटून तीनों–तीन में दाहिने चलेगा दाहिने मुड़,** बांये घूम। नम्बर एक प्लाटून के स्थान पर बारी–बारी से दो और तीन प्लाटून भी इसी तरह कार्यवाही करेंगे।

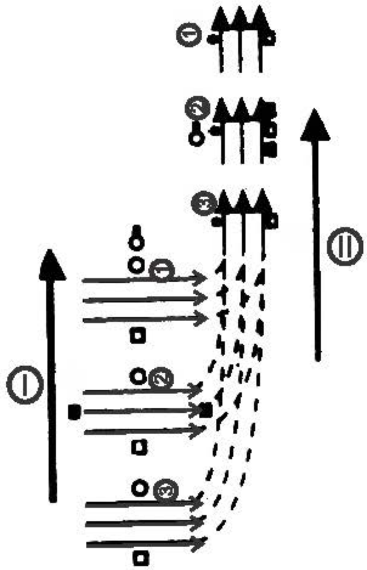

3. समस्या

कालम का जबकि वह खड़ा हो एक फ्लैंक की ओर तीनों–तीन कालम बनाना।

कमाण्ड : **कम्पनी तीनों–तीन कालम में दाहिने चल, कम्पनी दाहिने मुड़, बाया प्लाटून सामने, बाकि बांये घूम, तेज चल।**

कार्यवाही : **मुड़ के आदेश पर पूरी कम्पनी दाहिने मुड़े जायेगा, तेज चल के आदेश पर नम्बर एक प्लाटून सामने को तथा नम्बर दो व नम्बर तीन प्लाटून**

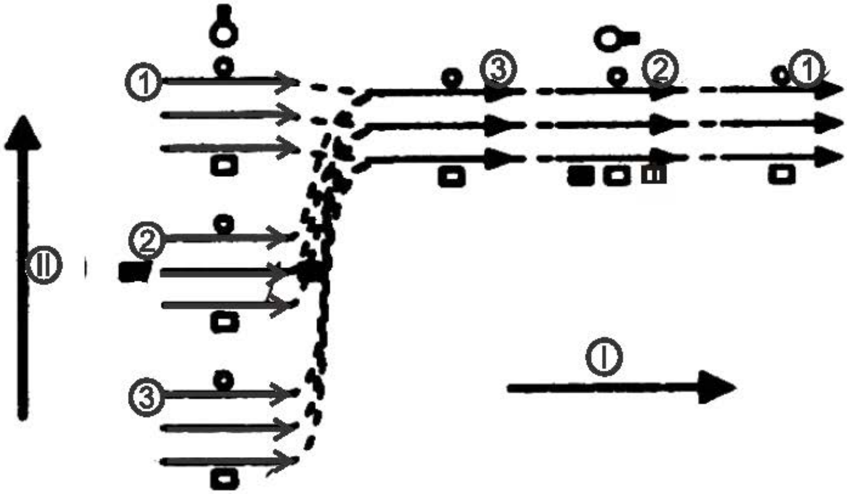

बांये घूम कर चल देंगे। नम्बर एक प्लाटून के स्थान पर पहुँचकर नम्बर दो तथा तीन प्लाटून पहुँचकर बारी–बारी से दाहिने घूम कर तीनों–तीन कालम बना लेंगे। दाहिने घूम का आदेश प्लाटून कमाण्डर द्वारा दिया जायेगा।

4. समस्या

कालम को चलते–चलते उसी दिशा में लाइन बनाना।

कमाण्ड : कम्पनी बांये को लाइन बना बाकि आधा बांये मुड़, दौड़ के चल।

कार्यवाही : आदेश पर नम्बर एक प्लाटून तेज चाल से चलता रहेगा, नम्बर–दो और नम्बर तीन प्लाटून आप बांये मुड़कर दौड़ कर चल देंगे, जैसे ही नम्बर दो प्लाटून नम्बर एक प्लाटून की सीध में पहुँचता है नम्बर दो के प्लाटून कमाण्डर अपने प्लाटून को आधा दाहिने मुड़ करायेंगे और तेज चाल में ले जायेंगे, यही कार्यवाही नम्बर तीन प्लाटून के प्लाटून कमाण्डर भी करायेंगे।

5. समस्या

कालम का खड़े–खड़े एक फ्लैक की ओर लाइन बनाना।

कमाण्ड : कम्पनी थम कर बांये से लाइन में प्लाटूनें बांये दिशा बदल, तेज चल।

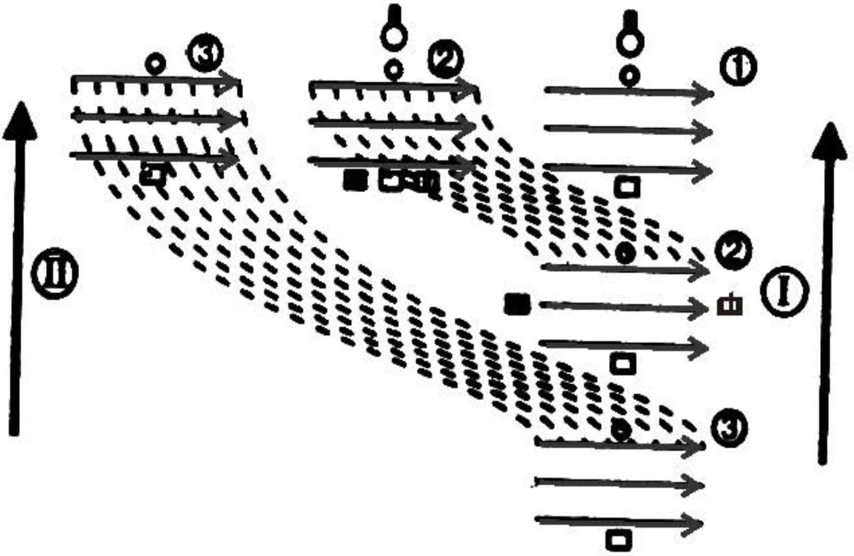

कार्यवाही : दिशा बदल के आदेश पर सैनिक स्क्वाड ड्रिल की भाँति कार्य करेंगे। तेज चल के आदेश पर प्रत्येक प्लाटून का बांया प्रदर्शक स्क्वाड के पीवट वाले सैनिक का कार्य करेगा।

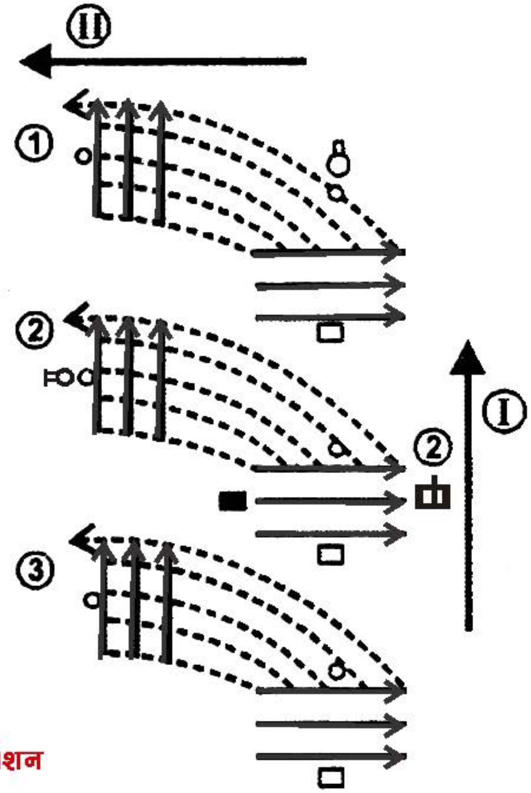

40—लाइन फारमेशन

1. समस्या

लाइन से खड़े–खड़े उसी दिशा की ओर कालम (निकट कालम) बनाना।

कमाण्ड : कम्पनी दाहिनें को कालम (निकट कालम) बना बाकि दाहिने मुड़, तेज चल।

कार्यवाही : **कमाण्ड पर दाहिना प्लाटून खड़ा रहेगा, शेष प्लाटून दाहिने मुड़ेंगे, तेज चल के आदेश पर नम्बर दो नम्बर तीन प्लाटून निर्धारित फासले पर** नम्बर एक प्लाटून के पीछे नजदीक के रास्ते से जाकर फारमेशन बनायेंगे तथा उनके प्लाटून कमाण्डर क्रमशः अपने प्लाटून को बांये मुड़ करायेंगे।

यदि बांये को कालम बनाना हो

कमाण्ड : कम्पनी बांये को कालम (निकट कालम) बना बाकि बांये मुड़, तेज चल।

कार्यवाही : कमाण्ड पर बांये प्लाटून खडा रहेगा शेष प्लाटून बांये मुड़ेंगे, तेज चल के आदेश पर नम्बर एक व दो प्लाटून, निर्धारित फासलें पर नम्बर तीन प्लाटून के आगे नजदीक के रास्ते पहुँचकर फारमेशन बनायेंगे, इसके बाद इन प्लाटून के प्लाटून कमाण्डर अपने-अपने प्लाटून को दाहिने मुड़ करायेंगे।

यदि नम्बर दो पर कालम बनाना हो

कमाण्ड : कम्पनी नम्बर दो पर कालम (निकट कालम) बना, बाकि अन्दर को मुड़, तेज चल।

कार्यवाही : कमाण्ड मुड़ पर नम्बर दो प्लाटून खड़ा रहेगा, नम्बर एक तथा नम्बर तीन प्लाटून क्रमशः बायं और दाहिने को मुड़ जायेंगे। तेज चल के आदेश पर नम्बर एक और नम्बर तीन प्लाटून, नम्बर दो प्लाटून के क्रमशः सामने और पीछे नजदीक के रास्ते पहुँचकर कालम फारमेशन बनायेंगे। इनके प्लाटून कमाण्डर अपने-अपने प्लाटून को दाहिने तथा बांये मुड़ के आदेश देंगे।

समस्या : खड़े-खड़े लाइन से प्लाटूनों के कालम में कम्पनी को आगे बढ़ाना।

कमाण्ड : कम्पनी दाहिने से प्लाटूनों के कालम में आगे बढ़, बाकी दाहिने

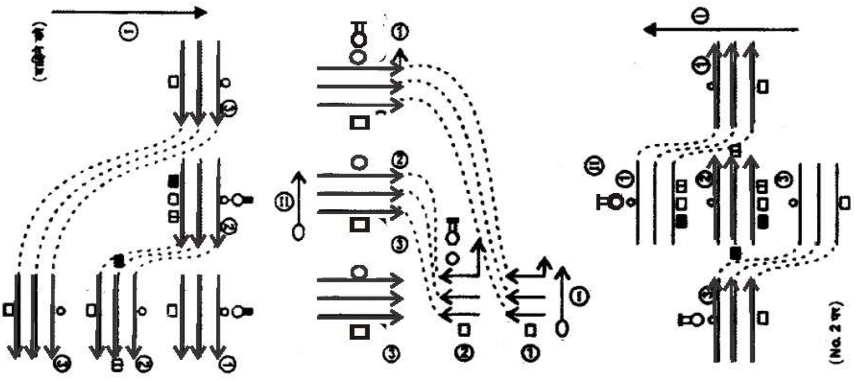

मुड़, तेज चल।

कार्यवाही : आदेश मुड़ पर नम्बर एक प्लाटून खड़ा रहेगा, नम्बर दो तथा नम्बर तीन प्लाटून दाहिने मुड़ जायेंगे। तेज चल पर नम्बर एक प्लाटून अपने सामने मार्च करेगा तथा दो और तीन दाहिने चलेंगे, नम्बर एक

प्लाटून के ठीक पीछे आने पर नम्बर दो तथा नम्बर तीन प्लाटून के प्लाटून कमाण्डर क्रमशः अपने-अपने प्लाटून को आदेश देंगे नम्बर .... प्लाटून आगे बढ़ेगा बांये मुड़, दाहिने से।

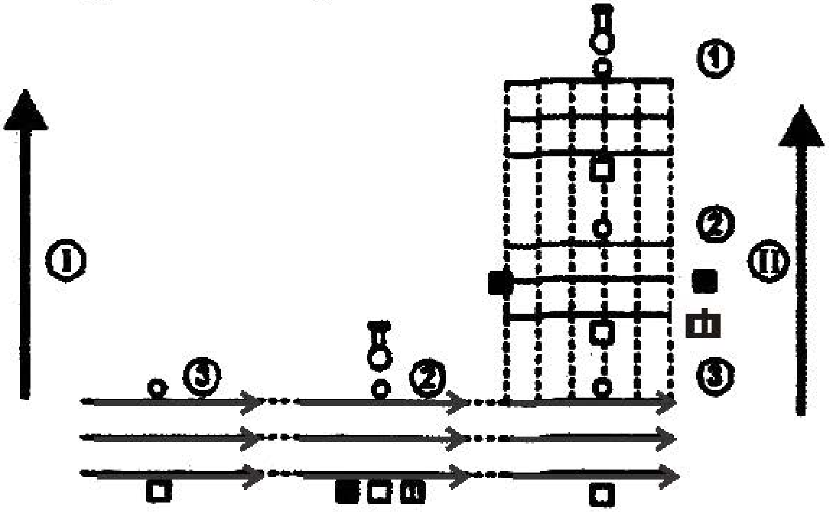

समस्या : लाइन में खड़े-खड़े फ्लैंक की ओर कालम बनाना।

कमाण्ड : कम्पनी थम कर कालम में प्लाटूनें दाहिने दिशा बदल, तेज चल।

कार्यवाही : सभी प्लाटूनों से सेनिक स्क्वाड ड्रिल के भाँति कार्य करेंगे और अपने स्थान पर दाहिने दिशा बदल की कार्यवाही करेंगे। प्रत्येक प्लाटून का दाहिना प्रदर्शक स्क्वाड में पीबट वाले सैनिक का कार्य करेगा।

नोट : यह बनावट बांये फ्लैंक की ओर नहीं बन सकती क्योंकि इसमें सैक्शन का क्रम बदल जायेगा।

समस्या : लाइन से उसी दिशा में प्लाटूनों की तीनों-तीन की लाइन में कम्पनी को आगे बढ़ाना।

कमाण्ड : कम्पनी दाहिने से प्लाटूनों की तीनों-तीन की लाइन में आगे बढ़ कम्पनी दाहिने मुड़, प्लाटूनें बांये घूम, तेज चल।

कार्यवाही : आदेश के अनुसार तीनों प्लाटून दाहिने मुड़ जायेंगे तथा साथ-साथ बांये घूम कर चल देंगे। प्लाटून कमाण्डर अपने-अपने प्लाटून से तीन कदम आगे स्थान ग्रहण करेंगे।

81—तीनों-तीन कालम से हरकतें

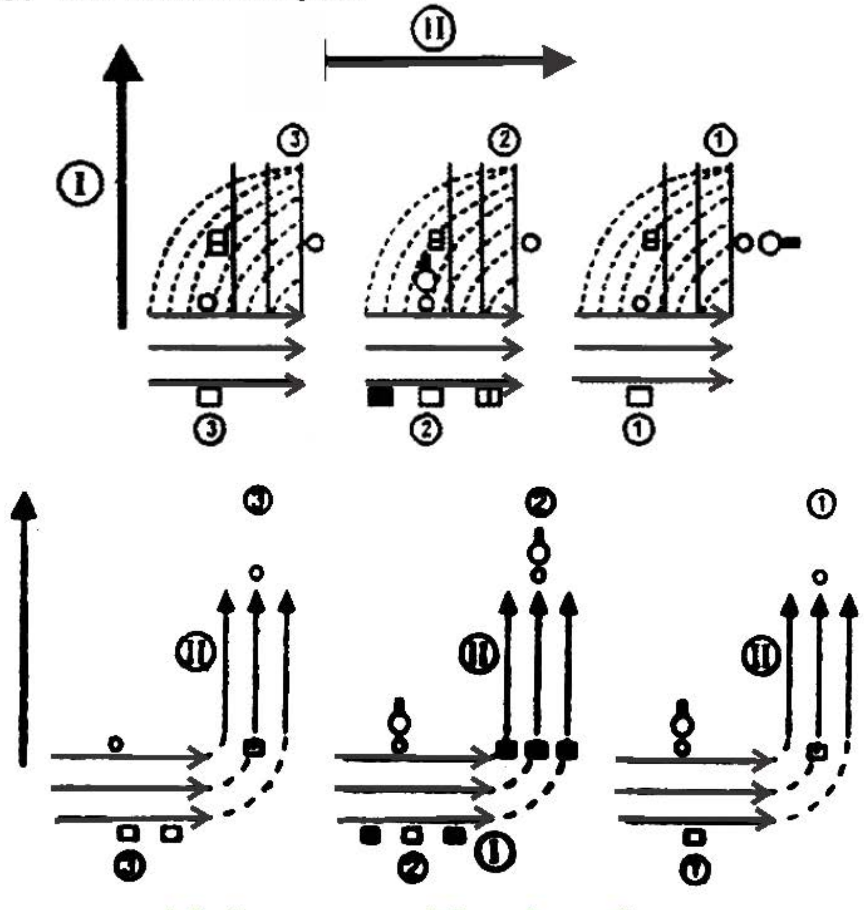

समस्या : तीनों-तीन कालम का उसी दिशा को प्लाटूनों का कालम बनाना।
कमाण्ड : कम्पनी प्लाटूनों का कालम बनायेगी, प्लाटूनें बांये प्लाटून बना।
कार्यवाही : कमाण्ड पर सैनिक स्क्वाड ड्रिल की भाँति बांये को स्क्वाड की कार्यवाही करेंगे। कार्यवाही पूरी होने पर कम्पनी कमाण्डर कम्पनी आगे बढ़, दाहिने से का आदेश देगा।

तीनों-तीन कालम से बारी-बारी प्लाटूनों का कालम भी बनाया जा सकता है। इसके लिये कमाण्ड इस प्रकार है :

"कम्पनी प्लाटूनों का कालम बनायेगी, बारी-बारी बांये प्लाटून बना।" इस पर अगले प्लाटून का प्लाटून कमाण्डर आदेश देगा नम्बर एक प्लाटून बांये प्लाटून बना, आगे बढ़। उसी स्थान पर पहुँचने पर क्रमशः अन्य प्लाटून कमाण्डर भी उपरोक्त आदेश देंगे।

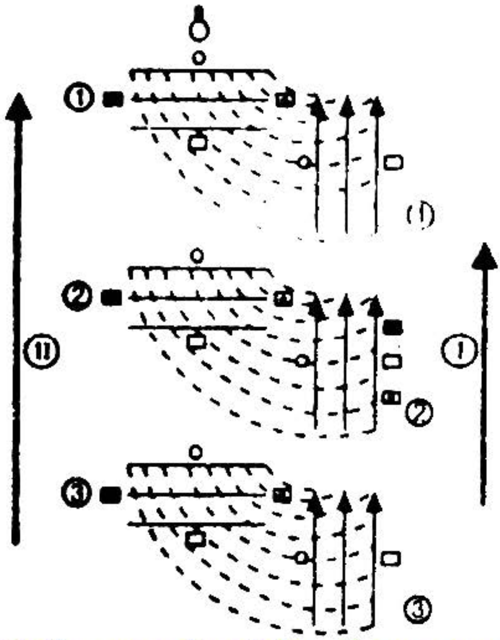

समस्या : तीनों–तीन कालम में उसी दिशा में थम कर प्लाटूनों का कालम (निकट कालम) बनाना।

कमाण्ड : कम्पनी थम कर बांये को प्लाटूनों का कालम (निकट कालम) बना।

कार्यवाही : कमाण्ड पर अगले प्लाटून का प्लाटून कमाण्डर तुरन्त आदेश देगा नम्बर एक प्लाटून "थम कर बांये प्लाटून बना।" शेष प्लाटून कमाण्डर्स भी वांछित दूरी पर आने पर यही आदेश देंगे।

समस्या : तीनों–तीन कालम से फ्लैंक की ओर थम कर प्लाटूनों का कालम (निकट कालम) बनाना।

कमाण्ड : कम्पनी थम कर बांये दिशा प्लाटूनों का कालम (निकट कालम) बना कम्पनी कमाण्डर कम्पनी को आदेश देंगे।

कार्यवाही : आदेश मिलने पर अगले प्लाटून का प्लाटून कमाण्डर अपने प्लाटून को आदेश देगा नम्बर एक प्लाटून थम बांये मुड़। शेष प्लाटूनों के कमाण्डर अपने–अपने प्लाटून को नजदीक के रास्ते से कालम (निकट कालम) के फासले पर ले जायेंगे और बारी–बारी थम तथा बांये मुड़ का आदेश देंगे।

समस्या : तीनों–तीन कालम का फ्लैंक की ओर प्लाटून के कालम में चलना।

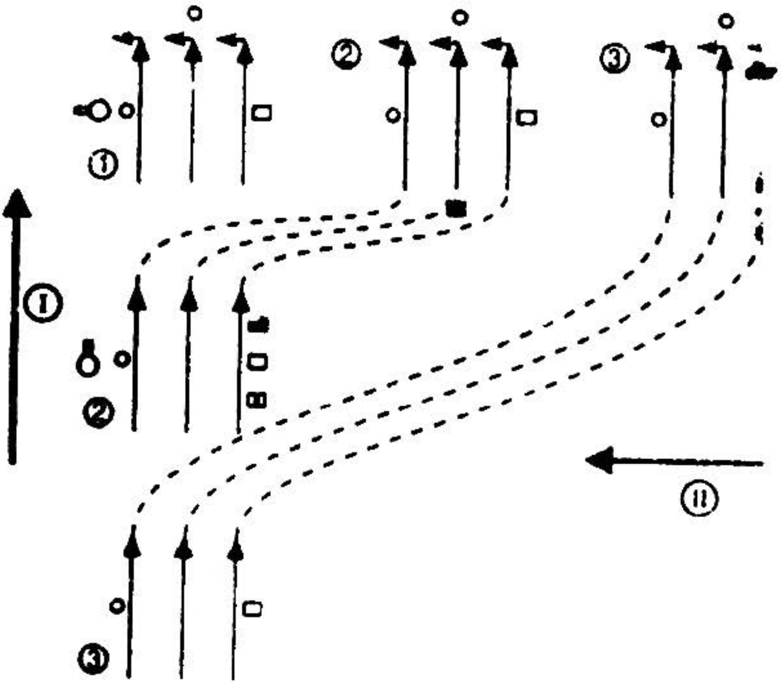

कमाण्ड : कम्पनी बांये दिशा कालम में आगे बढ़।

कार्यवाही : अगले प्लाटून का प्लाटून कमाण्डर आदेश देगा नम्बर एक प्लाटून आगे बढ़ेगा, बांये मुड़, दाहिने से। इसी प्रकार शेष प्लाटून कमाण्डर

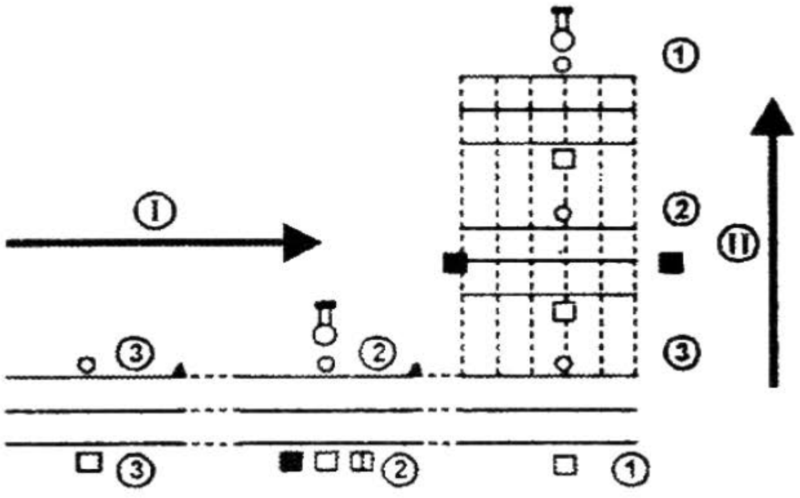

भी अपने-अपने प्लाटून को अगले प्लाटून की सिधाई में आने पर

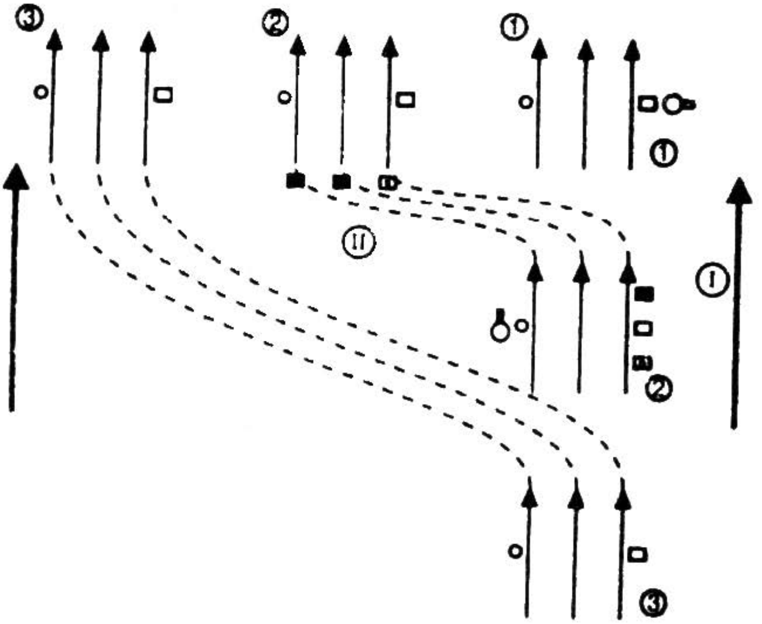

उपरोक्त आदेश देंगे।

समस्या : तीनों-तीन कालम में चल रही कम्पनी को उसी दिशा की ओर प्लाटूनों की तीनों-तीन की लाइन बनाना।

कमाण्ड : कम्पनी बांये को .... कदम फासले पर प्लाटूनों की तीनों-तीन की लाइन बना बाकी दौड़ के चल।

कार्यवाही : अगला प्लाटून तेज चाल में चलता रहेगा। शेष प्लाटून के प्रदर्शक नजदीक के रास्ते से निर्धारित कदमों के फासले पर प्लाटूनों की तीनों-तीन की लाइन में पहुँच जायेंगे। यहाँ शेष दोनों प्लाटून के प्लाटून कमाण्डर अपने-अपने प्लाटून को तेज चल में आने का आदेश देंगे।

समस्या : तीनों-तीन कालम में चल रही कम्पनी को उसी दिशा की तरफ थम कर प्लाटूनों की तीनों-तीन लाइन बनाना।

कमाण्ड : कम्पनी थम कर बांये को .... फासले पर प्लाटूनों की तीनों-तीन की लाइन बना, बाकी आधा बांये मुड़।

कार्यवाही : उपरोक्त कमाण्ड मिलने पर अगले प्लाटून का प्लाटून कमाण्डर अपने प्लाटून को थम का आदेश देगा। शेष प्लाटून दिये हुये

फासले पर आधा बांये मुड़ कर पहुँच जायेंगे, निर्धारित स्थान पर पहुँचकर उक्त दोनों प्लाटून के प्लाटून कमाण्डर क्रमशः अपने-अपने प्लाटून को आधा दाहिने मुड़ तथा थम का आदेश देंगे।

82—प्लाटून की तीनों-तीन की लाइन से हरकतें

नोट : जब उपरोक्त फारमेशन लाइन की दिशा से प्लाटून की तीनों-तीन की लाइन में आगे बढ़ की दशा गयी हो तथा तीनों-तीन कालम से बांये को प्लाटून की तीनों-तीन की लाइन बनाई गई हो।

समस्या : प्लाटूनों की तीनों-तीन की लाइन में खड़ी कम्पनी को उसी दिशा में तीनों-तीन कालम में चलाना। (कालम फासले पर)

कमाण्ड : कम्पनी दाहिने से तीनों-तीन कालम में आगे बढ़, दाहिना प्लाटून सामने बाकी दाहिने घूम, तेज चल।

कार्यवाही : कमाण्ड पर दाहिना प्लाटून अपने सामने मार्च कर देगा और शेष दोनों प्लाटून दाहिने घूम कर अगले प्लाटून के पीछे पहुँचने पर बांये घूम की कार्यवाही करेंगे।

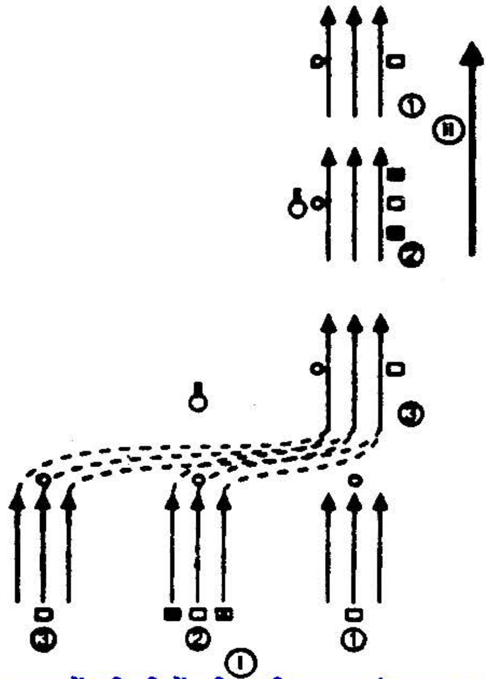

समस्या : प्लाटूनों की तीनों-तीन की लाइन (कालम फासले पर) में खड़ी कम्पनी को दाहिने फ्लैक की ओर तीनों-तीन कालम में चलाना।

कमाण्ड : कम्पनी दाहिने दिशा तीनों-तीन कालम मे आगे बढ़ प्लाटूनें

दाहिने घूम तेज, चल।

कार्यवाही : कमाण्ड मिलने पर तीनों प्लाटून दाहिने घूमते हुये चल देंगी।

समस्या : प्लाटूनों की तीनों–तीन की लाइन (कालम फासले पर) में खड़ी कम्पनी को उसी दिशा की ओर थम कर लाइन बनाना।

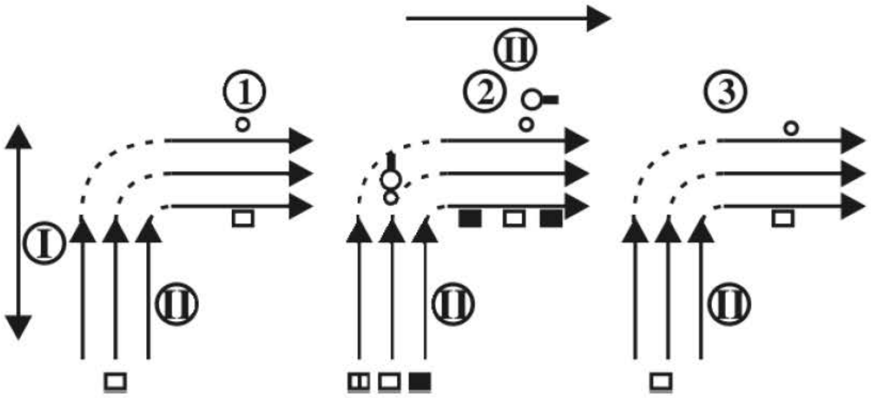

कमाण्ड : कम्पनी थम कर लाइन में प्लाटूनें बांये प्लाटून बना।

कार्यवाही : तीनों प्लाटून स्कवाड ड्रिल की भाँति कार्यवाही कर प्लाटून बनाने की कार्यवाही करेंगे।

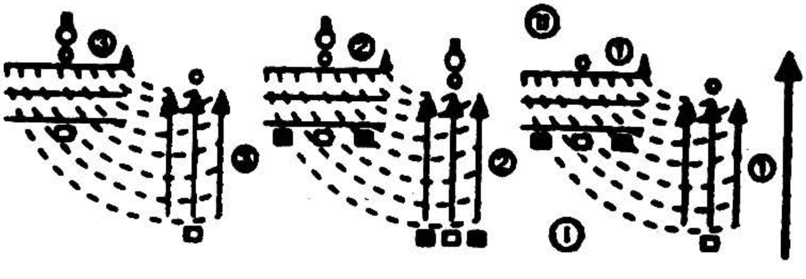

83—नोट

चूँकि प्लाटून की तीनों–तीन की लाइन में प्रत्येक प्लाटून का दाहिना प्रदर्शक यानि सामने की लाइन बांये रहती है ऐसी दशा में कम्पनी को दाहिने या बांये बाजू की ओर मुड़ जाये, तो कम्पनी कालम की दशा में तो हो जाती है परन्तु अधिकारी सुपर न्यूमरेरी रैंक द्वारा जगह की बदली करने मात्र से "यह कमाण्ड दिया जाना की कालम में आगे बढ़ेगा या पीछे लौटेगा ड्रिल के नियमों के विरुद्ध है।"

अगर तीनों–तीन कालम से दाहिने को कालम फासले पर प्लाटून की तीनों–तीन की लाइन बनाई गई हो तो ऐसी सूरत से कालम में आगे बढ़ या पीछे लौट की दशा सही है एवं इस फारमेशन से प्रथम तथा दूसरी कमाण्ड निम्न प्रकार होगी :

1. कम्पनी बांये से तीनों–तीन कालम से आगे बढ़, बांया प्लाटून सामने को बाकी बांये घूम तेज चल।
2. कम्पनी बांये दिशा तीनों–तीन कालम में आगे बढ़ .... प्लाटूनें बांये घूम तेज चल।
3. कम्पनी कालम में आगे बढ़ेगी (पीछे लौटेगी) बांये (दाहिने) मुड़।

टिप्पणी : कूच कालम से अन्य कार्यवाहियाँ और अन्य कार्यवाहियों से कूच कालम की कार्यवाहियाँ तीनों–तीन कालम के अनुसार ही की जा सकती है। उनमें अन्तर केवल इतना है कि आदेश के शब्दों में तीनों–तीन कालम के स्थान पर "कूच कालम" शब्द रहेंगे। प्रत्येक बार जब भी कूच कालम की फारमेशन बनाई जाये प्लाटून कमाण्डर अपने–अपने प्लाटून के आगे चले जायें।

84—विसर्जन

पहले पदाधिकारियों को "लाइन तोड़ का आदेश दिया जायेगा।" इस आदेश पर वह परेड कमाण्डर के सामने तेज चाल में जाकर एक लाइन में खड़े हो जायेंगे तथा सैल्यूट करने के उपरान्त उसके पीछे खड़े हो जायेंगे, जब तक कि कम्पनी को विसर्जन नहीं किया जाता है तब तक उसी स्थान पर खड़े रहेंगे।

❑❑❑

रैतिक ड्रिल
(CEREMONIAL DRILL)

1. रैतिक ड्रिल का उद्देश्य 'सहयोग भावना' की वृद्धि करना और परेड ग्राउन्ड पर उच्च स्तर की स्थिरता और एकता प्राप्त करके नैतिक (moral) गुणों के विकास में सहायता देना है जो फील्ड कार्यों के लिये आवश्यक है।
2. इन उद्देश्यों की समस्त रैतिक अवसरों पर केवल सावधानी से तैयारी करके और उसे पूर्ण रूप से कार्यान्वित करके किया जा सकता है। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिये समस्त स्तरों पर अभ्यास और पूर्वाभ्यास करना होगा परन्तु यूनिटों को ध्यान रखना चाहिये कि वह ऐसे किसी रैतिक रूप को करने की चेष्टा न करें जिसको पर्याप्त रूप से कार्यान्वित करने की क्षमता प्रशिक्षण प्राप्त करके उसमें नहीं है।
3. इस अध्याय में ड्रिल फारमेशन्स और विधि जो सामान्य रैतिक अवसरों पर लागू है, का वर्णन और बटालियन स्तर तक की विधि-विस्तार से बताई गई है इनको सरलता से निम्न फारमेशन्स जो कम्पनी स्तर तक हों, के लिये ग्रहण किया जाता है।
4. अधिकारियों से यह आशा की जाती है कि वे इन चेतावनियों को उचित रूप और बुद्धिमता से पालन करेंगे और यह ध्यान रखेंगे कि इन नियमों के आदमियों, जगहों और हालात को देखते हुये मामूली हेर-फेर किया जा सकता है।

धारा—1

85— सामान्य प्रबन्ध

1. अव्यवस्था को समाप्त करने के लिये, निरीक्षण या रिव्यू से सम्बन्धित समस्त प्रबन्धों की आवश्यक तैयारियाँ सावधानी से निम्नलिखित शीर्षकों के अन्तर्गत करनी चाहिये :

   (1)समारोह के पूर्व प्रबन्ध
   (2)समारोह के लिये प्रबन्ध
   (3)विसर्जन के लिये प्रबन्ध
   (4)दर्शकगण के लिये प्रबन्ध

(1) समारोह से पूर्व प्रबन्ध में साधारणतया निम्नलिखित अनुदेश सम्मिलित हैं :

(क) फारमेशन जिसमें यूनिटों को निरीक्षण लाइन पर बनना है, जिसमें विशेष निर्देश, फासलों और अन्तरों के बारे में सम्मिलित है।

(ख)यह विधियाँ जिनसे यूनिटों और फारमेशन्स को निरीक्षण लाइन पर सजना ठीक करना है, जिससे दर्शकों के बारे में भी विस्तारपूर्वक बताना चाहिये।

(ग) बैंडों का स्थान–निरीक्षण और मंच से गुजरते समय दोनों हालतों में।

(घ) बैंड कब बजना चाहिये।

(ङ) सामान्य प्रशासकीय प्रबन्ध ग्राउन्ड की तैयारी करना, दर्शकों एवं पत्रों प्रतिनिधियों के बैठने का प्रबन्ध, यातायात नियन्त्रण आदि।

(च)वर्दी जो परेड में भाग लेने वाले व्यक्तियों द्वारा पहनी जाये।

(2) समारोह के लिये प्रबन्ध में निम्नलिखित बातें सम्मिलित है :

(क)समारोह को विभिन्न व्यवस्थाओं की रूप रेखा, जिन्हें कार्यान्वित करना है।

(ख)कमाण्ड शब्दों के इशारे की विधि और ठीक कार्यवाही जो प्रत्येक इशारे पर की जाये।

(ग) फासलों और अन्तर के बारे में कोई विशेष हिदायत।

(घ) बैंडों या ड्रमों के बारे में कोई विशेष अनुदेश।

(ङ) मन्च से गुजरने के बाद विभिन्न यूनिटों द्वारा क्या कार्यवाही की जाये।

(च) परेड के मन्सूख होने की सूचना देने की विधि यानि कौन निर्णय देगा, कौन सूचना देगा और किसकी सूचना दी जायेगी, जिसमें सूचना देने के साधन भी शामिल है।

(3) विसर्जन के लिये प्रबन्ध : यातायात नियन्त्रण पर विशेष ध्यान देना चाहिये और अच्छी तरह तालमेल होना चाहिये। दर्शकगण को यह बता देना चाहिये कि वे उस समय तक अपना स्थान न छोड़ें जब तक कि परेड ग्राउन्ड से सब यूनिटें न हट जायें। इसके अलावा यह भी सुझाव और दिया जाता है कि सड़क पर घेरा डालना चाहिये, जिधर से यूनिटें निकलें या मन्च से गुजरने के बाद परेड़ को आराम से रहने दिया जाये जब तक कि भीड़ न हट जाये, जिससे यातायात नियन्त्रण में सहायता मिले।

(4) दर्शकगण के लिये प्रबन्ध : यह अति आवश्यक है कि समस्त सेवाओं के अधिकारियों और सामान्य जनता के लिये उचित प्रबन्ध किया जाये, कम से कम सीटे नाम से सुरक्षित रखी जायें और वे उच्च अधिकारियों और जनता के स्थानीय प्रतिष्ठत व्यक्तियों के लिये नियन्त्रित होनी चाहिये। नागरिक सेवाओं और सशस्त्र दल के शेष अधिकारियों एवं गैर सरकारी लोगों के लिये जो उसी हैसियत के हों टिकटों का भी इन्तजाम होना चाहिये ताकि वे सम्बन्धित साधारण घेरों (Enclosures) में प्रवेश पा सकें। उनकोएक–दूसरे

से पृथक नहीं करना चाहिये। सामान्य जनता के लिये भी उचित प्रबन्ध करना चाहिये।

(5) व्यक्तिगत सुरक्षित सीटों या सुरक्षित घेरों में सीटों पर प्रवेश पाने के लिये काफी पहले निमन्त्रण-पत्र जारी कर देना चाहिये और नागरिक एवं सैनिक स्थानीय अधिकारियों की सलाह एवं सहयोग भी लेना चाहिये ताकि कोई छूटने न पाए।

(6) कार्यक्रम—यह लाभदायक होगा कि परेड का कार्यक्रम दर्शकगण को जारी किया जाये और उसमें यह नोट हो कि उन्हें कब खड़ा होना है, सिल्यूट करना है, अपनी टोपी उतारना है इत्यादि। बड़ी परेडों पर लाउडस्पीकर का प्रबन्ध होना चाहिये ताकि दर्शकों के विशेषतः साधारण जनता के लाभ के लिये परेड का हाल बताया जा सके।

अन्य प्रबन्ध :

(क) मंच जिस पर विशिष्ट व्यक्ति जिसके लिये परेड कराई जा रही है खड़ा हो, केवल साधारण नीली ब्राउन या लाल दरियाँ बिछाना चाहिये। कालीनों का प्रयोग नहीं करना चाहिये।

(ख) ध्वज-दण्ड मन्च के पीछे समुचित दूरी पर होगा, और जहाँ तक सम्भव हो सफेद रंगा जायेगा।

(ग) मंच के चारों ओर केवल वर्दीधारी व्यक्ति उपस्थित रहेंगे। ब्राडकास्ट करने वाले रेडियो के लिये रिकार्ड करने वाली मेजें मन्च के पीछे कुछ दूरी पर रहेंगी। माइक्रोफोन सैल्यूट देने वाले व्यक्ति के पास वर्दीधारी व्यक्ति के द्वारा जायेंगे।

(घ) जब परेड हो रही हो तो दर्शकों के सामने सादा कपड़े पहने व्यक्तियों को घूमने-फिरने नहीं दिया जायेगा। प्रेस फोटोग्राफरों पर एक अधिकारी द्वारा उचित नियन्त्रण रखा जायेगा।

धारा—2

86—निरीक्षण या रिव्यू परेड ग्राउन्ड

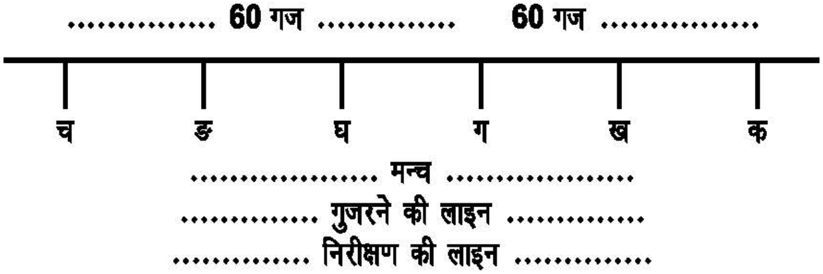

(क) निरीक्षण के बाद मन्च से गुजरने से पहले यूनिट कूच कालम में चलेंगी या दाहिने से तीनों–तीन में और चिन्ह क पर बांयी दिशा को प्लाटून या कम्पनी के निकट कालम बनाये जायेंगे आगे की कम्पनी की सामने की लाइन चिन्ह क की सीध में रहेगी। जब हुक्म 'मन्च से गुजरेगा' दिया जाये तो कम्पनियाँ और प्लाटून दाहिने से कालम के अन्तर से चलेगा। प्लाटून कमाण्डरों या कम्पनी कमाण्डरों के द्वारा कमाण्ड का शब्द बारी–बारी से ऐसे समय से दिया जायेगा कि प्लाटून या कम्पनियाँ ठीक फासला रखकर चलें।

(ख) चिन्ह ख पर पहुँचने पर यदि धीरी चाल में हो तो 'कमाण्ड खुली लाइन' दिया जायेगा।

(ग) 'दाहिने देख (घ) 'सामने देख' (ङ) 'निकट लाइन' आदि लागू होता हो (च) 'थम' (यदि आवश्यक हो)

नोट : यह मानते हुए कि परेड बड़े फारमेशन में है, ड और च चिन्हों के मध्य काफी अन्तर रखना चाहिये ताकि समस्त यूनिटें जो परेड में भाग ले रही हों मंच से गुजरने के बाद निकट कालम बना सकें और मंच साफ रहे या यदि परेड का निकट कालम में वापिस होना न चाहते हों तो प्रत्येक यूनिट का पिछला भाग मंच से निकल सके पूर्व इसके कि यूनिट का कमाण्डर इकट्ठा होने या बाजू की ओर चलने के लिये आवश्यक आदेश दें।

1. निरीक्षण लाइन छ ज की लम्बाई निरीक्षण किये जाने वाले सैनिकों के अग्र भाग (Frontage) पर निर्भर है, गुजरने की लाइन से इसका फासला मन्च से गुजरते समय किसी यूनिट द्वारा अधिक से अधिक अधिकृत अग्रभाग (frontage occupied) पर निर्भर करेगा जिसमें बैंड की गहराई या इकट्ठा किये हुये बैंडों की गहराई जब वह मन्च से गुजरना बजा रहे हों, जोड़ना चाहिये। जब बहुत बड़ी टुकड़ियों का निरीक्षण हो तो इस फासले में वृद्धि की आवश्यकता हो सकती है ताकि यह इत्मिनान हो सके कि जब यूनिट निरीक्षण के लिये लाइन में खड़ी हो और निरीक्षण लाइन में खड़ी हो और निरीक्षण लाइन में कमाण्डर्स ठीक फासले पर पोजीशन में हों तो परेड के विस्तार के अनुपात से परेड का कमाण्डर गुजरने की लाइन से उचित फासले पर है।

नोट : निरीक्षण लाइन के सामने कमाण्डरों के फासलों में कमी करना भी आवश्यक हो सकता है अन्यथा, बड़ी बनावटों (फारमेशनों) की हालत में या तो निरीक्षण लाइन गुजरने की लाइन से अधिक दूर हो जायेगी या परेड

कमाण्डर निरीक्षण अधिकारी के अधिक निकट होगा।

2. मन्च (ख—ड) की लम्बाई के कम से कम 120 गज और अधिक से अधिक 260 गज होगी, फासला स्थानीय दशाओं पर निर्भर होगा। मन्च से गुजरना चिन्ह ख से शुरू होता है और चिन्ह ड पर खत्म होता है। निरीक्षण अधिकारी मंच के मध्य के पीछे रहेगा। उसके दोनों तरफ 10 गज पर मन्च के बराबर दो निशान ग और घ है जिन पर बारी–बारी से सैल्यूट शुरू और खत्म होगा।

यदि मंच से गुजरना बगैर खुली या निकट लाइन होना हो यानि केवल तेज चाल में तो चिन्ह ख और ड की जरूरत नहीं है तथा चिन्ह क और च अपने पहले फासलों पर रखना चाहिये।

3. गुजरने की लाइन का भाग क–ख काफी लम्बाई का होना चाहिये ताकि यूनिटें मन्च पर पहुँचने से पहले अपनी दिशा ठीक कर सकें। यूनिटें चिन्ह ख तक निकट फारमेशन में चलेंगी और उस चिन्ह से निरीक्षण या निरीक्षण के लिये बताये हुये फारमेशन ग्रहण कर लेंगी।

4. गुजरने की लाइन सदैव उसी लम्बाई की होगी जितनी कि निरीक्षण की लाइन।

5. समस्त चिन्ह झण्डों या दर्शकों से चिन्हित किये जायेंगे। झण्डे या खम्भे उस लाइन को चिन्हित करने के लिये लगा देना चाहिए या चूने से चिन्हित कर देना चाहिए जिस पर ट्रुप्स लाइन बनाना है।

नोट : यदि सैनिकों की बड़ी टुकड़ियों को मन्च से गुजरना हो तो साधारणतः यह वांछनीय होगा कि चिन्ह ख से उपयुक्त फासलों पर गुजरने की लाइन में छोटे रंगीन झण्डे लगा दिये जायें ताकि यूनिटों को ठीक फासले पर चलने में मदद मिल सके।

धारा—3

87—यूनिट संगठन

1. सेरीमोनियल के लिये यूनिटों को निम्न प्रकार संगठित किया जा सकता है :

(क)सवार स्क्वाड — दो लाइनों में, यदि उपलब्ध हों।

(ख)पैदल यूनिटें — तीन लाइनों में, एक बटालियन में कम से कम 4 कम्पनियाँ परेड में होनी चाहिए, कम्पनी तीन प्लाटूनों में विभाजित की जाये।

हर प्लाटून जहाँ तक सम्भव हो बराबर संख्या का होगा। हवलदार के नीचे पद के अधीनस्थ अधिकारी साधारणतया तीन लाइन में मिलकर परेड करेंगे।

रैंक और फाइल द्वारा जो व्यक्तिगत शस्त्र ले जाये जायेंगे, मानांकित (Standardised) किये जायेंगे।

3. कलर आदि भी परेड में ले जायेंगे।
4. बैंड भी परेड में रहेगा और मध्य के पीछे 8 कदम के फासले पर रहेगा।
5. अन्य दल, जैसे होमगार्ड, प्रान्तीय रक्षा दल आदि के व्यक्ति एवं टुकड़ियाँ यदि उपलब्ध हों परेड में शामिल हो सकते हैं।

धारा—4

88—परेड की बनावट (फारमेशन)

1. सूची क में यह बनावट (फारमेशन) दिखलाई गई है जो बटालियन या उसके बराबर के द्वारा ग्रहण की जायेगी, जब वह निरीक्षण के लिये लाइन में हो।
2. सूची ख में कम्पनी या उसके बराबर की बनावट दिखलाई गई है जब वह प्लाटूनों की लाइन या सेक्शन के कालम में रैतिक परेड पर हो और बटालियन रिव्यू की लाइन में।
3. सूची ग में यह बनावट (फारमेशन) दिखाई गई है जो इन्फैन्ट्री बटालियन द्वारा सामूहिक रूप से रिव्यू में ग्रहण की जाती है।
4. निरीक्षण के दौरान कलर्स सामने (Carry) की हालत में रहेंगे लेकिन कलर टोली जो कलर्स की रक्षा करती है, शेष परेड के अनुसार होगी लेकिन 'आराम से' की हालत में नहीं जायेगी।
5. सूची क से ग तक चित्रों में पैदल रैतिक परेड का आधार दिखाया गया है चाहे परेड बड़ी हो या छोटी, हर समय उनसे निर्देश लेना चाहिये।

धारा—5

89—पैदल यूनिट का कदवार खड़ा करना

1. पहले यूनिट को एक लाइन में कदवार खड़ा किया जायेगा। सबसे लम्बा दाहिने पर सबसे छोटा बांये पर। लाइन में प्रत्येक सैनिक 24 इन्च के फासले पर होगा। कमाण्ड का शब्द होगा 'लम्बा दाहिने' छोटा बांये, एक लाइन में कदवार। सावधानी कदवार खड़ा करके निम्नलिखित कमाण्ड के शब्द दिये जायेंगे :

(क)'गिनती कर'।

(ख)'विषम नम्बर एक कदम आगे, सम नं॰ एक कदम पीछे चल'

(ग)'दाहिना व्यक्ति खड़ा रहेगा विषम न॰ दाहिने, सम न॰ बांये लाइनें दाहिने और बांये मुड़'

(घ)तीन लाइन बन 'तेज चल'

कमाण्ड 'तेज चल' मिलने पर दोनों लाइनें कदम निकाल कर चल देंगी। सम न॰ वाली लाइन का बांया सैनिक अपने दाहिने को घूमेगा और चल कर विषम न॰ वाली लाइन के पीछे आ जायेगा, विषम न॰ वाली लाइन, जैसे ही यह पजीशन में आ जाये तीन लाइनें बनाना शुरू कर देगी यानी न॰ 3 मध्य लाइन में न॰ 1 के पीछे जायेगा, न॰ 2 सामने की लाइन में जायेगा आदि। यह सहज किया जा सकता है, यदि ज्येष्ठ अधीनस्थ अधिकारी परेड पर लाइनों के बराबर जाकर बता देता है—

सामने की लाइन—मध्य लाइन—पीछे की लाइन लेकिन उसको चाहिये कि पहले विषम न॰ लाइनों से शुरू करें।

अब यूनिट तीन लाइनों में कदवार ठीक तरह खड़ी है और सबसे लम्बे बाजुओं पर है।

धारा—6

90—पैदल यूनिट का गिनना (Telling Off)

जब यूनिट कदवार खड़ी हो जाये तो उसकी गिनती दाहिने से बांये को की जायेगी और प्लाटूनों या उनके समकक्ष में गिना (Telling Off) जायेगा, तब यूनिट के अन्दर उनकी गिनती की जायेगी। यदि फाइलों की संख्या तीन से न कटती हो तो बाहरी प्लाटूनों की संख्या अधिक होगी। एक यूनिट को प्लाटूनों में बांये सैनिक की संख्याओं को पुकार कर गिना जायेगा, जैसे न॰ '15' जिस कमाण्ड के मिलने पर न॰ 15 बांया अगला बाजू जमीन के समानान्तर उठा कर परख करेगा, कोहनी बगल से मिली हुई अँगुलियाँ और अँगूठे मिले हुये और फैले और हाथ की हथेली अन्दर की तरफ रहेगी। इसके बाद कमाण्ड दिया जायेगा न॰ 15 न॰ एक प्लाटून का बायां तब न॰ 15 अपना बांया बाजू बगल को काट देगा। न॰ 29—न॰ दो प्लाटून का बायां और इसी तरह। अब यूनिट बराबर बट गई।

धारा—7

91—निरीक्षण और रिव्यू पर आम हिदायतें

कार्यवाही की रूपेरखा

1. निरीक्षण या रिव्यू ग्राउण्ड को उसी तरह चिन्हित किया जायेगा जैसा धारा 2 में बताया गया है।
2. यूनिट जिसका निरीक्षण होता है, निरीक्षण लाइन पर लाइन में या सामूहिक बनावट (मास फारमेशन) में खड़ी की जायेगी—देखो परिशिष्ट 'क' और 'ग' में।
3. निरीक्षण अधिकारी के पहुँचने से पहले, बनावट (फारमेशन) या यूनिट

संगीन लगायेगा और लाइन खोल दी जायेगी।

4. निरीक्षण या रिव्यू करने वाला अधिकारी का धारा 9 में दी गई हिदायतों के अनुसार स्वागत किया जायेगा।

5. निरीक्षण या रिव्यू करने वाला अधिकारी धारा 11 में बताये अनुसार निरीक्षण करेगा जिसके पूरा हो जाने पर वह मन्च से गुजरने का आदेश देगा।

6. यूनिट और बनावट (फारमेशन्स) तब आगे की धाराओं में बताई गई हिदायतों के अनुसार मन्च से गुजरेंगी।

7. मन्च से गुजरने के लिये चलने की गति 120 कदम प्रति मिनट होगी।

8. मन्च से गुजरना पूरा करने के बाद यूनिट और बनावट (फारमेशन्स) निरीक्षण लाइन पर अपने पहले की हालत में आयेगी और आदेशों की प्रतीक्षा करेंगी। यदि आदेश दिया जाये निरीक्षण को 'आगे बढ़' तो धारा 18 में बताई गई विधि का पालन किया जायेगा।

धारा—8

92—अफसरों के लिये खास हिदायतें

1. परेड कमाण्डर

(क) यदि किर्च धारण किये हो तो वह उसे नहीं निकालेगा जब तक कि एक ज्येष्ठ अधिकारी परेड पर न हो।

(ख) स्वयं मन्च से गुजरने और सैल्यूट करने के बाद चलकर निरीक्षण अधिकारी के दाहिने अपना स्थान ग्रहण कर लेगा और उस समय तक वहाँ रहेगा जब तक परेड गुजर न जाये। इस दौरान में कमाण्ड द्वितीय अधिकारी कमाण्ड सम्भाल लेगा।

नोट : यदि किर्च धारण किये हो तो परेड कमाण्डर सामने (Carry) जो रहेगा जब मन्च पर हो अथवा निरीक्षण या रिव्यू करने वाले अधिकारी के साथ में हो।

2. स्टाफ अधिकारीगण या अधिकारीगण (Staff Officers and Officers) जो परेड में भाग न ले रहे हों।

स्टाफ अधिकारीगण जो उन अधिकारीगण द्वारा जो व्यक्तिगत नियुक्तियों पर हों यदि किर्च धारण किये हो तो किर्च नहीं निकाली जायेगी। ऐसे सब अधिकारी हाथ से सैल्यूट करेंगे।

3. अधिकारीगण जो परेड में भाग ले रहे हों :

यदि किर्च लिये हो तो किर्च निम्न प्रकार निकाली जायेगी।

कम्पनी कमाण्डर के अलावा अन्य अधिकारीगण द्वारा जब उनकी कम्पनियों

का निरीक्षण हो चुके। कम्पनी कमाण्डर द्वितीय कमाण्डर से या जब परेड पर द्वितीय कमाण्डर न हो तो आगे वाली कम्पनी के कमाण्डर से समय लेते हुये एक साथ किर्च निकालेंगे।

4. किर्च, यदि निकली हुई हों तो हर समय सामने किर्च (Carry) की दशा में रहेगी, अलावा जबकि सैनिक विश्राम में हो और जब परेड ग्राउन्ड को आ रहे हों या परेड ग्राउन्ड से जा रहे हों (लेकिन उससे दूर) उस समय के कन्धे किर्च की हालत में रहेंगे।

5. मन्च से गुजरते हुये सैल्यूट करना :

(क) जब किर्च निकाली हुई हो—कमाण्ड 'दाहिने देख' पर सैल्यूट शुरू होगा और 'सामने देख' पर खत्म होगा—व्यक्तिगत अधिकारीगण के लिये यह काफी समय पहले शुरू होगा ताकि चिन्ह 'ग' तक पहुँचने पर दूसरी हरकत पूरी हो सके और चिन्ह 'घ' पर फिर सामने (Carry) की हालत में आ सके। समय सबसे अन्दर के बाजू के अधिकारी से लिया जायेगा।

(ख) जब किर्च निकली हुई न हो— अधिकारी हाथ में सैल्यूट करेंगे। सैल्यूट चिन्ह 'ग' पर शुरू होगा अगर चिन्ह 'घ' पर समाप्त होगा, आगे की यूनिटों के सामने के अधिकारी अपना समय कमाण्डिग अधिकारी से और शेष अधिकारी अपना समय अपने कम्पनी कमाण्डर से लेंगे।

6. वापस किर्च करने की विधि :

जब तक ऐसा करने के लिये विशेष आदेश पहले न दिया हो अधिकारीगण नीचे पैरा 7 के अनुसार विसर्जन करते समय किर्च वापस करेंगे।

परेड समाप्त होने पर विसर्जन करना।

कमाण्ड आफिसर्स 'लाइन तोड़' मिलने पर अधिकारीगण चलकर कमाण्डिग अधिकारी परेड के पास जायेंगे जो किर्च निकाले हो सामने (Carry) की हालत में, उससे 5 कदम के फासले पर थम जायेंगे, सैल्यूट करेंगे, किर्च वापस करेंगे और कमाण्डर के पीछे बन जायेंगे जब तक परेड विसर्जन न हो।

नोट : अधिकारीगण के मध्य फासला, जो किर्च निकालें हो दो बाजुओं की लम्बाई होगा और जो बगैर किर्चों के हों उनके मध्य एक बाजू की लम्बाई पूरा फैला हुआ होगा।

धारा—9

93—निरीक्षण या रिव्यू करने वाले अधिकारी का स्वागत करना

आम हिदायतें— यूनिट की बनावट (फारमेशन) निरीक्षण लाइन पर खड़ी की

जायेगी उसका मध्य उस बिन्दु के बिल्कुल सामने हो जहाँ निरीक्षण या रिव्यू करने वाला अधिकारी स्थान ग्रहण करेगा।

(क) सवार स्क्वाडों की किर्च कन्धे किर्च की हालत में होगी और पैदल यूनिटों के सामने (Carry) की हालत में होगी।

(ख) यूनिटें यदि राइफलों से सुसज्जित हो तो उसमें संगीन लगी होगी और कन्धे शस्त्र की हालत में होगी।

2. खास हिदायतें—जब निरीक्षण या रिव्यू करने वाला अधिकारी मध्य में आ जाये, तो उचित सलामी देकर उसका स्वागत किया जायेगा, जिसका वह अधिकारी हो और निम्नलिखित कार्यवाही अमल में लाई जायेगी।

(क) यूनिटें जो राइफल से सुसज्जित हो : 'जनरल सैल्यूट' सलामी शस्त्र सैनिक सलामी देंगे और समस्त अधिकारी सैल्यूट करेंगे। अतिरिक्त पदाधिकारी (सुपरन्युमरेरी रैंक्स) और प्रदर्शक परेड के साथ सलामी देंगे। कलर्स सामने (Carry) की हालत में रहेंगे।

(ख) 'कन्धे शस्त्र' बाजू शस्त्र

(ग) बैंड ड्रम बजाकर धीरी चाल का प्रथम भाग बजायेगा। अगर परेड पर बैंड न हो, तो बिगुलर जनरल सैल्यूट बजायेगा।

(घ) कलर्स यदि ले जाये गये हों, तो केवल राष्ट्रीय सैल्यूट के अधिकारी के लिये नीचे झुकाये जायेंगे। उन अधिकारियों के लिये जो जनरल सैल्यूट के अधिकारी हो कलर 'फहरने' दिये जायेंगे।

धारा—10

94—राष्ट्रपति और राज्यपालों का स्वागत करना

1. जो कार्यवाही ऊपर बताई गई है वही अमल में लाई जायेंगी, अलावा इसके कि कॉशन 'जनरल सैल्यूट' के स्थान पर 'राष्ट्रीय सैल्यूट' दिया जायेगा।

2. राष्ट्रीय सैल्यूट (National Salute) निम्नलिखित को दिया जायेगा।

(क)भारत गणतन्त्र के राष्ट्रपति को।

(ख)राज्यपालों को, उनके राज्यों के अन्तर्गत।

3. अन्य उच्च अधिकारियों को जो रैतिक अवसरों पर सैल्यूट के अधिकारी हो जनरल सैल्यूट दिया जायेगा।

4. राष्ट्रीयगान का वादन निम्नलिखित के लिये किया जायेगा :

(क)भारत गणतन्त्र के राष्ट्रपति के लिये।

(ख)राज्यपालों को उनके राज्यों के अन्तर्गत।

(ग)रैतिक समारोहों, परेडों पर-15 अगस्त व 26 जनवरी को चाहे कोई विशिष्ट व्यक्ति जिसका उल्लेख ऊपर 2 (क व ख) में है, उपस्थित हो या

न हो।

5. राज्य सरकार की पूर्व अनुमति से विशेष अवसरों पर राष्ट्रीयगान का वादन भारत के प्रधानमन्त्री के लिये भी हो सकता है।

6. किसी विदेशी विशिष्ट व्यक्ति के लिये, जो राष्ट्रीय सैल्यूट का अधिकारी हो, बैंड उचित गान का वादन करेगा।

धारा—11

95—निरीक्षण

1. एक यूनिट का निरीक्षण :

(क) निरीक्षण या रिव्यू करने वाले अधिकारी को उचित सैल्यूट देने के बाद परेड को बाजू शस्त्र की हालत पर लाया जायेगा। इसके बाद परेड कमाण्डर रिव्यू या निरीक्षण करने वाले अधिकारी को अपनी यूनिट की रिपोर्ट देगा ''श्रीमान परेड निरीक्षण के लिये तैयार है।''

(ख) जब निरीक्षण या रिव्यू करने वाले अधिकारी नम्बर 1 कम्पनी का निरीक्षण आरम्भ कर दें तो द्वितीय कमाण्डर कमाण्ड देगा—'नम्बर कम्पनी खड़ी रहे' यानि दाहिनी उप-यूनिट 'बाकी विश्राम।'

(ग) रिव्यू या निरीक्षण करने वाला अधिकारी तक परेड कमाण्डर और ऐसे अन्य पदाधिकारियों आदि जो उस विशिष्ट अधिकारी की हाजिरी में हो, के साथ उप-यूनिट को सामने की लाइन के दांये से बांये को मध्य लाइन बांये से दाहिने को और पिछली लाइन के दांये से बांये को गुजरेगा।

नोट :

(1) अतिरिक्त लाइन सुपरन्यूमरेरी रैंक के पास से वह विवेकानुसार (at his own discretion) गुजरेगा।

(2) रिव्यू या निरीक्षण करने वाले अधिकारी के साथ निरीक्षण के दौरान जो व्यक्ति होंगे वे उसके पीछे स्थान ग्रहण करेंगे या उस समय जिस लाइन का निरीक्षण हो रहा हो, उसके सबसे दूर के बाजू पर रहेंगे।

(घ) इसके बाद ज्यों ही रिव्यू या निरीक्षण करने वाला अधिकारी दाहिनी कम्पनी की पिछली लाइन के बांयी तरफ को चले, कम्पनी कमाण्डर अपनी उपयूनिटों को सावधान कर देंगे। निरीक्षण या रिव्यू करने वाले अधिकारी के पहुँचने पर वह सैल्यूट करेगा और कम्पनी के निरीक्षण के दौरान उसका संचालन करेगा। निरीक्षण के बाद वह सैल्यूट करेगा और अपनी पोजीशन पर वापस आ जायेगा।

(ङ) रिव्यू और निरीक्षण करने वाला अधिकारी जैसे ही एक बार अगली

कम्पनी का निरीक्षण करने को चल दें, वैसे ही उस कम्पनी को जिसका निरीक्षण हो चुका है उसके कमाण्डर द्वारा 'विश्राम' का आदेश दे दिया जायेगा।

(च) रिव्यू या निरीक्षण करने वाला अधिकारी यदि चाहे तो केवल सामने की लाइन का निरीक्षण कर सकता है, ऐसी हालत में जब रिव्यू या निरीक्षण करने वाला अधिकारी सामने की लाइन के दांये से बांये को गुजरे कुल यूनिट सावधान की हालत में रहेगी अधिकारी पहले ही परेड के कमाण्डर को यह बतला देगा कि वह किस प्रकार निरीक्षण करेगा।

(छ) बैंड उस समय तक बजता रहेगा, जब तक रिव्यू या निरीक्षण करने वाले अधिकारी निरीक्षण करेगा।

धारा—12

96—मन्च से गुजरना

1. एक बटालियन निम्नलिखित बनावटों (फारमेशन्स) से मन्च से गुजर सकती है :

   (क) कम्पनियाँ लाइन में ....देखो परिशिष्ट 'घ'

   (ख) कुच कालम में .... देखो परिशिष्ट 'ङ'

   (ग) प्लाटूनों में .... देखो परिशिष्ट 'च'

2. निरीक्षण या रिव्यू ग्राउण्ड को उसी प्रकार चिन्हित किया जायेगा जैसा कि धारा 2 में बतलाया गया है।

3. बैंड सामूहिक रूप से निरीक्षण अधिकारी के विपरीत दूसरी तरफ इस तरह खड़ा होगा कि बटालियन को ऊपर बतलाई गई तीन बनावटों (फारमेशन्स में मन्च से गुजरने के लिये पर्याप्त स्थान रहे। बैण्ड मास्टर या ड्रम मेजर के कमाण्ड में बैण्ड चलेगा। बटालियन के मन्च से गुजरना समाप्त होने पर उसके पीछे बैण्ड भी मन्च में गुजरेगा।

4. यदि बटालियन का रिव्यू आर्डर में आगे बढ़ना अपेक्षित हो तो धारा 18 में दी गई कार्यवाही का पालन किया जायेगा।

धारा—13

97—पदाधिकारियों के स्थान

1. **परेड कमाण्डर :**

   (क) कम्पनियाँ लाइन में आगे वाली कम्पनी के 'प्लाटून न॰ 2 के मध्य में सामने 20 कदम पर।

   (ख) कूच कालम में अगले वाले तीनों-तीन के सामने 20 कदम पर।

(ग) प्लाटूनों में अगली प्लाटून के दांये आधे के सामने 20 कदम पर।

2. बटालियन में द्वितीय कमाण्डर (2nd in Command):

(क) **कम्पनियाँ लाइन में—अगली कम्पनी के प्लाटून न॰ 3 के मध्य सामने 20 कदम पर बैटेलियन कमाण्डर की लाइन में।**

(ख) कूच कालम में—पिछली कम्पनी के पीछे के तीनों-तीन के दाहिने सैनिक के पीछे 10 कदम पर।

(ग) प्लाटूनों में अगली प्लाटून के दांये आधे के सामने 20 कदम पर।

बटालियन में द्वितीय कमाण्डर (2nd Command):

(क) कम्पनियाँ लाइन में—अगली कम्पनी के प्लाटून न॰ 3 के मध्य में सामने 20 कदम पर बटालियन कमाण्डर की लाइन में ।

(ख) कूच कालम में—पिछली कम्पनी के पीछे के तीनों तीन के दाहिने सैनिक के पीछे 10 कदम पर।

(ग) प्लाटूनों में—अगली प्लाटून के बांये आधे के सामने 20 कदम पर।

3. एडजूटेन्ट :

(क) कम्पनियाँ लाइन में पिछली कम्पनी के मध्य से पीछे 10 कदम पर।

(ख) कूच कालम में परेड कमाण्डर के पीछे 5 कदम पर बायीं तरफ।

(ग) प्लाटूनों में— बटालियन के पिछले प्लाटून के मध्य के पीछे 10 कदम पर।

4. कम्पनी कमाण्डर्स—समस्त बनावटों (फारमेशन्स) में अपनी कम्पनी के अग्र भाग के मध्य में सामने 6 कदम पर रहेगा।

5. प्लाटून कमांडर्स—समस्त बनावटों (फारमेशन्स) में अपने सम्बन्धित प्लाटूनों के मध्य में सामने 3 कदम पर। कूच कालम में तीनों कमाण्डर्स भी अपनी कम्पनी के अगली प्लाटून के आगे 1 कदम पर चल सकते हैं।

6. सूबेदार मेजर :

(क) कम्पनियाँ लाइन में— कलर टोली के बिल्कुल पीछे।

(ख) कूच कालम में—अगली कम्पनी के सामने 10 कदम पर परेड कमाण्डर के पीछे छिपते हुये।

(ग) प्लाटूनों में एडजूटेन्ट के दाहिने पर पिछले प्लाटून के दांये सैनिक के पीछे छुपते हुये।

धारा—14

98—बटालियन का कम्पनियों में मन्च से गुजरना

पोजीशन में चलना

1. 'निकट लाइन चल'

2. 'कन्धे शस्त्र'

3. तीनों-तीन कालम में दाहिने चल बटालियन मुड़ बांये से तेज चल, अगली कम्पनी जब गुजरने की लाइन पर बनाने की पोजीशन (Formup Position) के सामने आ जाये तो वह अपने बांये को घूमेगी, बाकी कम्पनियाँ भी यही काम करेगी।

4. 'थमकर' बायीं दिशा कम्पनियों के निकट कालम बना (बटालियन कमाण्डर)।

5. 'नम्बर-कम्पनी थम' कम्पनी आगे बढ़ेगी बांये मुड, यह कमाण्ड अगली कम्पनी को दिये जायेंगे। जब यह गुजरने की लाइन पर अपनी पोजीशन बनाने की जगह पर आ जाये।

बाकी कम्पनियाँ अपने प्रदर्शकों द्वारा उस पोजीशन पर ले जाई जायेंगी जहाँ उनके दाहिने प्रदर्शक, जब बटालियन की कम्पनी के निकट कालम बनाये जायें। पोजीशन में आने के बाद प्रत्येक कम्पनी कमाण्डर आदेश देंगे 'नम्बर-कम्पनी थम' कम्पनी आगे बढ़ेगी, बांये मुड़।

6. जब आखिरी कम्पनी सामने को रुख कर ले तो बटालियन कमाण्डर आदेश देगा, बटालियन 'दाहिने सज'। यह कमाण्ड मिलने पर कम्पनी हवलदार मेजर एक साथ अपने दाहिने को मुड़ेंगे, कदम लेंगे, 5 कदम चलेंगे, थमेंगे और पीछे मुड़ेंगे और सजेंगे। यह हरकतें सब एक साथ करेंगे। तब वे अपनी कम्पनियों को सजायेंगे अन्त में सामने से शुरू करते हुए आदेश देंगे 'सामने देख'। यह काम पूरा होने पर कम्पनी हवलदार मेजर्स एक साथ कदम लेंगे और थमेंगे और अपने दाहिने को मुड़ेंगे।

7. मन्च से गुजरना—बटालियन कम्पनियों में अलग-अलग मन्च से गुजरेंगी। (बटालियन कमाण्डर) अगला कम्पनी कमाण्डर आदेश देगा, 'नं॰ कम्पनी दाहिने से तेज चल' बाकी कम्पनियाँ बारी-बारी से पूरे कालम की दूरी पर पीछे चल देंगे।

8. चिन्ह ग और घ पर कम्पनी कमाण्डर आदेश देगा 'दाहिने देख और सामने देख प्लाटून कमाण्डर्स कम्पनी कमाण्डर्स से समय लेंगे।

बटालियन कमाण्डर, द्वितीय कमाण्डर, एडजूटेन्ट और सूबेदार मेजर व्यक्तिगत रूप से सैल्यूट करेंगे।

9. निरीक्षण लाइन पर फिर से पोजीशन लेना यदि बटालियन का निरीक्षण लाइन पर फिर पहली वाली पोजीशन में लाना अपेक्षित हो तो तीनों तीन कालम में यह कमाण्ड देकर लाया जाता है 'बारी-बारी दाहिने से तीनों-तीन कालम में आगे बढ़' चिन्ह च और ज पर घुमाव देकर कम्पनियाँ अपने

पहले जैसी पोजीशन बनायेंगी, थमेंगी और सामने को रुख करेंगी।

धारा—15

99—कूच कालम में मंच से गुजरना

पोजीशन में चलना

1. 'निकट लाइन चल'
2. 'कन्धे शस्त्र'
3. 'कूच कालम में दाहिने चल बटालियन दाहिने मुड़' परिशिष्ट ङ में बताये अनुसार अधिकारीगण पोजोशन लेंगे।
4. मन्च से गुजरना बटालियन कूच कालम में मन्च से गुजरेगी (बटालियन कमाण्डर) अगला कम्पनी कमाण्डर आदेश देगा, नं० कम्पनी, बांये से तेज चल बाकी कम्पनियाँ बारी–बारी से पीछे चलेंगे जब लगभग 10 कदम की दूरी हो जाये।
5. कम्पनियाँ चिन्ह ज और क पर घूमेंगी और इसके बाद दाहिने से सीध लेंगी।
6. चिन्ह ग और घ पर कम्पनी कमाण्डर स्वतन्त्रत से सैल्यूट करेंगे।
7. चिन्ह ग और घ पर पहुँचने पर प्रत्येक प्लाटून कमाण्डर बारी–बारी से अपने प्लाटून को स्वतन्त्रत से कमाण्ड देगा।
8. यदि किर्च धारण किये हुये न हो तो समस्त पदाधिकारी हाथ से सैल्यूट करेंगे (कम्पनी कमाण्डर से समय लेते हुये)।
9. निरीक्षण लाइन पर फिर से पोजीशन लेना यदि बटालियन का निरीक्षण लाइन पर फिर से पोजीशन में लाना अपेक्षित हो तो चिन्ह च और छ पर यह दो घुमाव लेती और इसके बाद बटालियन अपनी पहले जैसी पोजीशन बनायेंगी, थमेगी और सामने को रुख करेंगी।

धारा—16

100—प्लाटूनों में तेज चाल में मन्च से गुजरना

पोजीशन में चलना

1. 'निकट लाइन चल'
2. 'कन्धे शस्त्र'
3. 'प्लाटूनें थमकर दाहिने दिशा बदल'
4. तेज चल 'बांये सज, सामने देख'
5. बटालियन तेज चाल में मन्च से गुजरेगी–'बांये से तेज चल'
6. 'बांये दिशा बदल'।

चिन्ह ज पर पहुँचने पर बटालियन कमाण्डर यह कमाण्ड के शब्द देगा प्लाटून कमाण्डर अपनी प्लाटूनों को घुमायेंगे कम्पनी कमाण्डर कोई

कमाण्ड का शब्द नहीं देंगे। बटालियन गुजरने की लाइन पर चिन्ह ख के खिलाफ दिशा बदलेगी।

7. मन्च से गुजरना—अधिकारीगण सैल्यूट चिन्ह ग और घ पर पहुँचने पर शुरू और खत्म करेंगे। प्लाटून कमाण्डर चिन्ह ग और च पर 'दाहिने देख' और 'सामने देख' का आदेश देंगे।

8. निरीक्षण लाइन पर फिर से पोजीशन लेना—चिन्ह ङ के खिलाफ बटालियन दिशा बदलेगी और फिर चिन्ह छ पर प्लाटून घूमते हुए कम्पनी कमाण्डर्स अपनी कम्पनियों को कदल ताल करने का आदेश देंगे जबकि उनकी कम्पनियों के अगले प्लाटून का बांया उस चिन्ह पर पहुँचें जहाँ पर वह लाइन में आराम करता था।

'प्लाटून थमकर बांये दिशा बदल'— 'आगे बढ़' 'बांये सज' सामने–देख।

धारा—17

101—प्लाटूनों का धीरी चाल में मंच से गुजरना

यदि यह वांछनीय हो कि तेज चाल में मन्च से गुजरने से पहले प्लाटूनें धीरी चाल से गुजरें तो निम्नलिखित कार्यवाही अमल में लायी जायेगी।

पोजीशन से चलना : वैसे ही जैसे धारा 16 (1) से (6) तक बतलाया है अलावा इसके कि पहला घुमाव चिन्ह ज से कुछ दूरी पर दिया जायेगा यानि उसे चिन्ह बटालियन की अन्तिम प्लाटूनें चिन्ह ज को क्रॉस कर ले। दूसरा घुमाव जब दिया जायेगा, जब अगली प्लाटून ऐसे चिन्ह 'क' पर थम का आदेश दिया जायेगा।

मंच से गुजरना

1. 'दाहिने सज'
2. 'सामने देख'
3. बटालियन धीरी चाल में मंच से गुजरेगी दाहिने से धीरे चल बटालियन कमाण्डर द्वारा।
4. 'बटालियन बारी–बारी खुली लाइन चल'—बटालियन कमाण्डर के द्वारा दिया जायेगा जब बटालियन का न° 1 प्लाटून चिन्ह ख के नजदीक पहुँच रहा हो। इसके बाद प्लाटून चिन्ह 'ख' पर खुली लाइन होगा और चलना जारी रखेगा।
5. अधिकारीगण चिन्ह ग और घ पर पहुँचने पर सैल्यूट शुरू और खत्म करेंगे। प्लाटून कमाण्डर चिन्ह ग और घ पर 'दाहिने देख' और 'सामने देख' का आदेश देंगे।
6. जब सब प्लाटून मंच से गुजर चुकें और चिन्ह घ चिन्ह ङ के मध्य में हो तो

बटालियन कमाण्डर के द्वारा 'कमाण्ड बारी–बारी निकट लाइन चल दिया जायेगा। सब प्लाटून उस जगह से निकट लाइन चलेंगे जहाँ नं॰ 1 प्लाटून निकट लाइन होगा और जारी रखेंगे।

7. निकट लाइन होने के बाद बटालियन कमाण्डर 'तेज चाल में आ' 'तेज चल' और इसके बाद बारी–बारी दाहिने से तीनों–तीन कालम में 'आगे बढ़' का कमाण्ड देगा।

8. चिन्ह च, छ और ज पर तीन बांये घूम दिये जायेंगे। जब कालम 'क' के पास पहुँचने वाला हो कमाण्ड 'बांयी' दिशा प्लाटूनों के कालम में 'आगे बढ़' बटालियन कमाण्डर द्वारा दिया जायेगा। इसके बाद प्लाटूनें मंच से गुजरना लगातार जारी रखेंगी जैसे तेज चाल में और निरीक्षण लाइन पर फिर पोजीशन में आ जायेगी।

नोट : धीरी चाल में चलते समय कमाण्ड 'खुली और निकट लाइन चल' मिलने पर प्लाटूनों द्वारा निम्नलिखित कार्यवाही की जायेगी—तीन लाइन में धीरी चाल के दौरान कमाण्ड 'खुली लाइन चल' मिलने पर पिछली लाइन चार कदम कदमताल करेगी मध्य की लाइन दो कदम कदम ताल करेगी और तब आगे चलेगी, सामने की लाइन लगातार चलना जारी रखेगी। कमाण्ड 'निकट लाइन चल' मिलने पर सामने की लाइन चार कदम, कदमताल करेगी पाँचवा पूरा कदम लेकर आगे बढ़ेगी मध्य लाइन दो कदम कदमताल करेगी तीसरा पूरा कदम लेकर आगे बढ़ेगी।

धारा—18

102—निरीक्षण को आगे बढ़ना

1. परेड के अन्त में यदि युनिट को निरीक्षण के लिये आगे बढ़ना हो तो सामान्य रूप से वह निरीक्षण लाइन पर उसी बनावट (फारमेशन) में बन जायेगी जिसमें निरीक्षण करने वाले अधिकारी का स्वागत उसने किया था। बैंड मध्य के पीछे रहेगा।

2. विस्तार से प्रक्रिया निम्नलिखित होगी— 'खुली लाइन चल' 'मध्य सज' 'सामने देख' निरीक्षण को 'मध्य से तेज चले'।

3. यूनिट मध्य से 15 कदम आगे बढ़ेगी, बैंड और ड्रम बगैर रोल्स (Rolls) के बजेंगे। संगीत 7½ बार (साढ़े सात बार) समाप्त होने पर बैंड और ड्रम का बजना बन्द हो जायेगा, तब कुल परेड खुद ब खुद थम जायेगी। इसके बाद परेड को उसी तरह सैल्यूट करने का आदेश दिया जायेगा, जैसे कि रिव्यू या निरीक्षण करने वाले पदाधिकारी का स्वागत करते समय। इसके बाद उसको बाजू शस्त्र होने का निर्देश दिया जायेगा और आदेशों की प्रतीक्षा करेगी।

परिशिष्ट 'क'

अधिकारीगण और सैनिकों का निरीक्षणलाइन पर फासला।

(क)परेड कमान्डर बटालियन के मध्य में सामने 20 कदम की दूरी पर।

(ख)द्वितीय कमान्डर कलर्स के मध्य में सामने 10 कदम की दूरी पर।

(ग)एड्जुटेन्ट नं० 2 कम्पनी के बांये प्रदर्शक के सामने 10 कदम की दूरी पर।

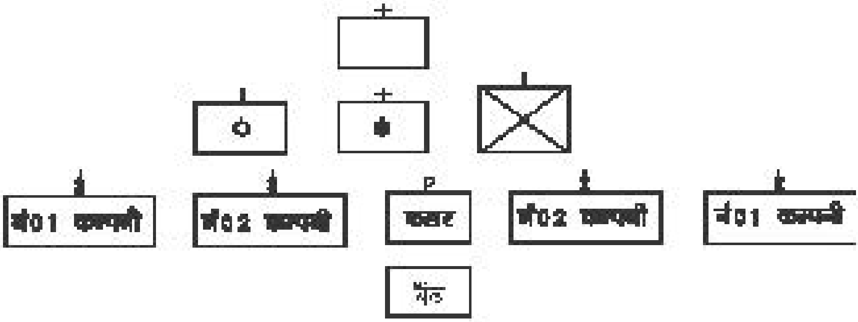

चिन्ह	नियुक्ति
	परेड कमान्डर
	द्वितीय कमान्डर
	एड्जुटेन्ट
	सूबेदार मेजर
	कम्पनी कमान्डर
	प्लाटून कमान्डर
	कम्पनी हवलदार मेजर
	कम्पनी क्वाटर मास्टर हवलदार

(घ)कम्पनी कमान्डर अपनी कम्पनियों के मध्य में सामने 6 कदम की दूरी पर।

(ङ)प्लाटून कमान्डर्स अपने प्लाटूनों के मध्य में सामने 3 कदम की दूरी पर।

(च)सूबेदार मेजर नं० 3 कम्पनी के दाहिने प्रदर्शक के सामने 10 कदम की दूरी पर।

(छ)कम्पनी हवलदार मेजर अपनी कम्पनी के दाहिने प्लाटून के दाहिने प्रदर्शक की तरह परेड करता है।

(ज)कम्पनी क्वार्टर मास्टर हवलदार अपनी कम्पनी के प्लाटून के बांये प्रदर्शक की तरह परेड करता है।

(झ)हवलदार व समस्त अन्य एन० सी० ओ० जो अपने प्लाटूनों के साथ लाइनों में प्लाटून हवलदार अपने प्लाटून के दाहिने सैनिक की तरह परेड करेगा।

(ञ)प्लाटूनों के मध्य तीन कदम का अन्तर, कम्पनियों में 5 कदम का।

(ट)कलर स्कोर्ट और कम्पनियों के मध्य दोनों तरफ तीन कदम का।

(ठ)जहाँ तक सम्भव हो कम्पनियों को बराबर और बराबर खड़ा किया जाये और बटालियन हेडक्वार्टर परेड पर चार कम्पनियों में शामिल रहेगा।

(ड)बैंड मध्य के पीछे 8 कदम पर रहेगा।

परिशिष्ट 'ख'

दैनिक परेड पर एक कम्पनी, बटालियन के साथ प्लाटूनों की लाइन और सेक्शनों के कालम में निरीक्षण के लिये लाइन की दशा में।

नोट। स्थान और दूरी वैसी ही होगी जैसी परिशिष्ट 'क' में दी गई है।

परिशिष्ट 'ग'

एक बटालियन रिव्यू के लिये जुलूस की बनावट में

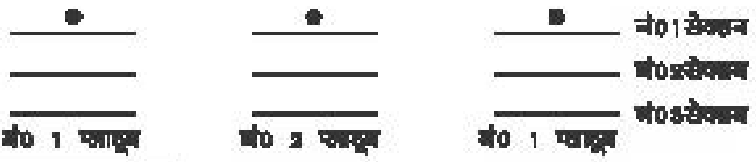

चिन्ह	व्यक्ति
	कम्पनी कमान्डर
•	प्लाटून कमान्डर

नोट :

(1) अधिकारियों का स्थान और दूरी वैसी ही होगी जैसी परिशिष्ट 'क' में दी गई है।

(2)सब यूनिट के मध्य की दूरी लगभग 12 कदम।

परिशिष्ट 'घ'

कम्पनीवार मंच से जुलूस में अधिकारियों और कलर्स की तरह

नोट : प्लाटूनों और कम्पनियों से अधिकारियों की दूरी के लिये धारा 13 देखिये।

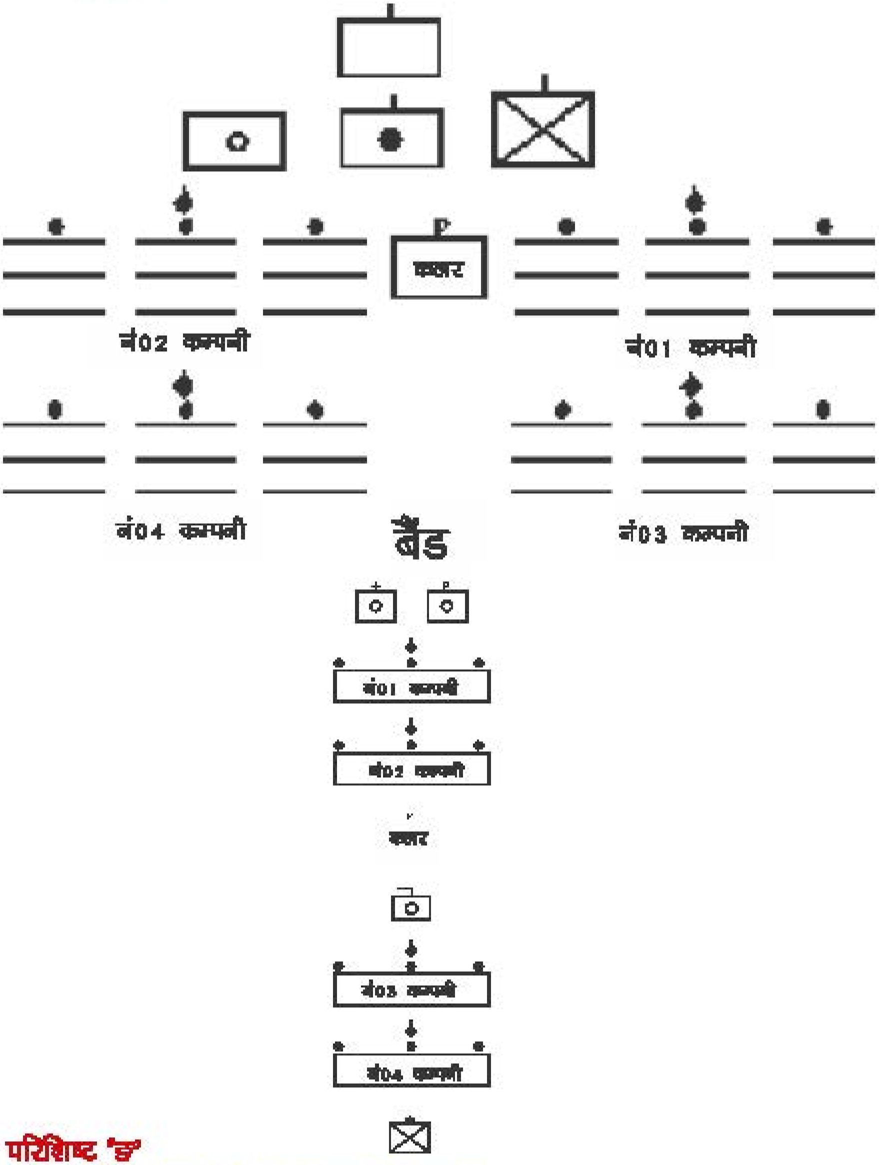

परिशिष्ट 'ङ'

कालम में अधिकारियों और कलर्स की जगह।

(क)परेड कमाण्डर अगली तीनों-तीन के सामने 20 कदम पर।

(ख) द्वितीय कमाण्डर पिछली कम्पनी के पिछले तीनों–तीन के दाहिने सैनिक के पीछे 10 कदम पर।

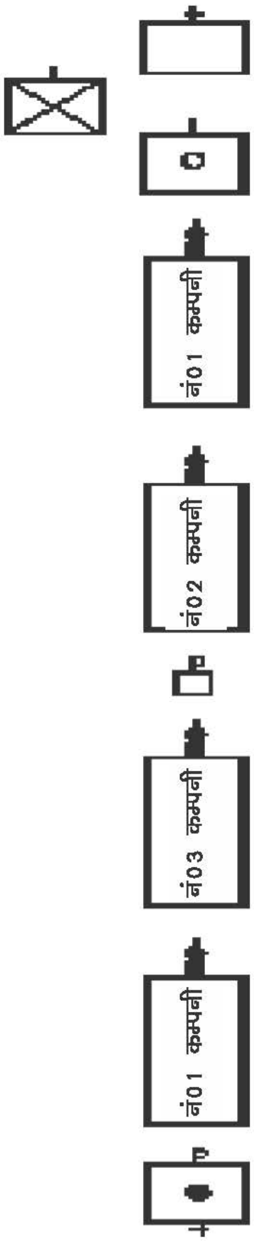

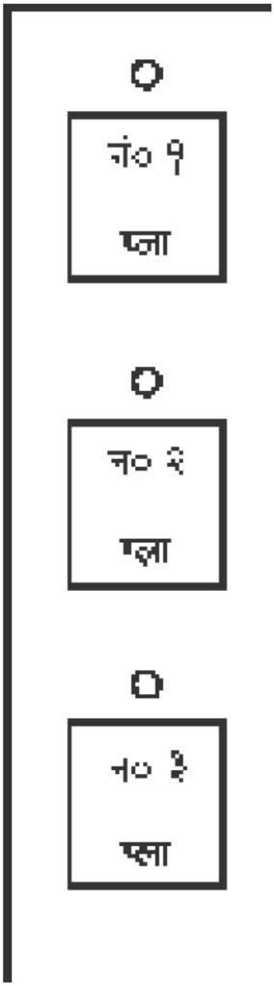

(ग) एडजूटेन्ट बांये पर और परेड के कमाण्डर के पीछे 5 कदम पर होगा।

(घ) कम्पनी कमाण्डर समस्त बनावटों में अपनी कम्पनी के अग्रभाग के मध्य के सामने 6 कदम पर होगा।

(ङ) प्लाटून के कमाण्डर समस्त बनावटों में अपने प्लाटूनों के मध्य के सामने तीन कदम पर रहेगा, तीनों प्लाटून कमाण्डर अपनी कम्पनी के आगे तीन कदम पर भी चल सकते हैं।

(च) सूबेदार मेजर अगली कम्पनी के सामने 10 कदम पर परेड कमाण्डर के आगे पीछे छिपते हुये।

(ङ) कलर्स का 2 कम्पनी के पीछे

(च) कम्पनियों के मध्य में दूरी लगभग 10 कदम की होगी।

परिशिष्ट 'घ'

प्लाटूनवार मंच से गुजरने में अधिकारियों और सैनिकों का स्थान

(क)परेड कमाण्डर अगली प्लाटून के लिये दाहिने आगे के सामने 20 कदम पर।

(ख)द्वितीय कमाण्डर अपनी प्लाटून के बांये आगे के सामने 20 कदम पर।

(ग)एडजूटेन्ट बटालियन के पीछे पिछली प्लाटून के मध्य के पीछे 10 कदम पर।

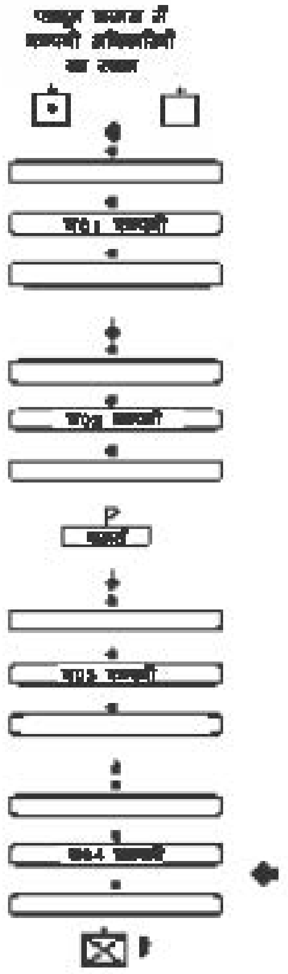

(घ)कम्पनी कमाण्डर अपने सम्बन्धित कम्पनी के अगले प्लाटून के सामने 6 कदम पर।

(ङ) प्लाटून कमाण्डर अपने प्लाटून के मध्य सामने तीन कदम पर।

(च) सूबेदार मेजर एडजूटेन्ट के दाहिने पर और पिछले प्लाटून के दाहिने सैनिक से आगे–पीछे छिपते हुये।

(छ) कलर और कलर पार्टी नं॰ 2 कम्पनी के पिछले प्लाटून के पीछे।

❑❑❑

गार्द और सन्तरी
(GUARDS AND SENTRIES)

सामान्य

1. **इस अध्याय का उद्देश्य एक साधारण तरतीब निश्चित करता है जिससे गार्दों एवं सन्तरियों का कारगर तौर से चढ़ने और बदली करने का इत्मीनान हो** जाए। साधारण तरीका जो पुलिस दल द्वारा रैतिक (सेरीमोनियल) प्रयोजनों के लिए पालन किया जाता है, विस्तार से लिया गया है, और जहाँ लागू हो, पालन किया जा सकता है।
2. गार्द दो तरह के होते हैं, जिनके प्रयोजन और कार्य बिल्कुल भिन्न हैं। यह सेरीमोनियल गार्द और टैक्टिकल गार्द होते हैं।
3. इन दोनों तरह के गार्दों के उद्देश्यों का वर्णन आगे के पैराग्राफों में किया गया है। गार्द किस ढंग से लगाई जाये, इस बात को जिला या यूनिट के इन्चार्ज उन कामों को ध्यान में रखते हुये जो करने हैं अपनी मर्जी से तय करेंगे।

रैतिक (सेरीमोनियल) गार्द

4. **रैतिक (सेरीमोनियल) गार्द निम्नलिखित प्रयोजनों में से किसी एक के लिये चढ़ाये जायेंगे :**
   (क) सैनिकों को रैतिक (सेरीमोनियल) ड्रिल का अभ्यास कराना और उनमें उच्चकोटि की फुर्ती स्वच्छता, अनुशासन और शस्त्र ड्रिल के प्रति लगाव पैदा करना और दल में गर्व की भावना लाना।
   (ख) रिवाली (Reveille) और रिट्रीट (Retreat) के मध्य उच्च पदाधिकारियों एवं अन्य विशिष्ट व्यक्तियों का अभिवादन करना।
5. **रैतिक (सेरीमोनियल) गार्द केवल रिवाली और रिट्रीट के मध्य चढ़ाया जायेगा। अपने रैतिक कार्यों के समाप्त होने पर या रिट्रीट के समय** सेरीमोनियल गार्द तुरन्त टैक्टिकल गार्द की तरह काम कर सकता है और टैक्टिकल गार्द सेरीमोनियल गार्द की तरह।
6. **सेरीमोनियल गार्द को हर समय जिला और यूनिट के गर्व का प्रतीक समझना चाहिये। इसकी ड्रिल और सज-धज उच्च कोटि की होगी।**

टैक्टिकल गार्द

7. टैक्टिकल गार्द का उद्देश्य सुरक्षा सम्बन्धी किसी कार्य को पूरा करना है जो जिले के अफसर इन्चार्ज द्वारा निश्चित किया जाये। ऐसे कार्यों में सरकारी

इमारतों, आरमरी, खजानों और कैदियों की सुरक्षा व निषिद्ध क्षेत्रों में अनाधिकृत व्यक्तियों को घूमने में रोकना सम्मिलित है।

8. टैक्टिकल गार्द रिवाली और रिट्रीट के मध्य सेरीमोनियल गार्द की तरह अभिवादन करेंगे लेकिन रात्रि के समय केवल होशियार रहेंगे जब तक कि राउन्ड द्वारा निरीक्षण के लिये लाइन वन का आदेश न दिया जाये।

9. टैक्टिकल गार्द को अपने कर्त्तव्यों का पालन करने के लिये होशियारी से लगाया जायेगा। जूनियर छोटी श्रेणी के हवलदारों को ठीक तरह प्रशिक्षण देने और उनकी सूझ–बूझ को विकसित करने के लिये पूरा अवसर दिया जायेगा। होशियारी की पोजीशनें, साथ ही वैकल्पिक (Alternative) पोजीशन टैक्टिकल गार्द के प्रत्येक सदस्य को बतलाई जायेगी।

10. टैक्टिकल गार्द बहुत कुशलता से कार्य तभी कर सकता है जब वह न तो देखा जा सके और न सुना जा सके। गार्द रूम में सन्तरी सुरक्षित रहेंगे लेकिन एकाएक हमला और ग्रिनेडस से उनकी हिफाजत का प्रबन्ध करना चाहिए इसी कारण यह जरूरी नहीं है कि टैक्टिकल डिस्पोजीशन (tactical disposition) का लेना एक ड्रिल की तरह किया जाये जो समय के विरूद्ध हो जाये न ही यह उम्मीद की जाती है। कि टैक्टिकल डिस्पोजीशन (Tactical disposition) का लेना विजिटिंग अफसर के लिये रैतिक (सेरीमोनियल) गार्द की सज–धज (Turn Out) के बराबर हो।

11. जब होशियारी की पोजीशन में हो तो टैक्टिकल गार्द का कोई सदस्य अभिवादन नहीं करेगा। टैक्टिकल गार्द के अन्य सैनिक सन्तरी को छोड़कर राउन्ड के द्वारा निरीक्षण के लिये लाइन बना सकते हैं। तब उचित अभिवादन किया जा सकता है।

धारा—1

.103—परिभाषायें

1. गार्द : सैनिकों का एक समूह जो स्थान और व्यक्तियों की रक्षा करता है।

2. कर्त्तव्य (Duties) : गार्द और पिकेट के अलावा क्वाटर गार्द भी है जो आर्डरली अफसर के निरीक्षण के लिये लाइन बनाते हैं। पूर्व इसके कि वह अपने विभिन्न निर्दिष्ट कार्यों के लिये चलें।

3. सन्तरी गार्द के कान्सटेबिल होते हैं जो विभिन्न स्थानों पर ड्यूटी सन्तरी पर लगे हुए हों।

4. सन्तरी का हल्का जमीन की वह लम्बाई जिस पर वह गश्त करता है।

5. सन्तरी की पोस्ट वह स्थान है जहाँ वह चढ़ाया (लगाया) जाये।

6. बदली (रिलीफ) में सन्तरी होते हैं जो एक ही समय में विभिन्न सन्तरी की

जगहों पर नियुक्त किये जायें या रिलीव करने के लिये उन सन्तरियों को जो पहले से ड्यूटी पर हों।

7. ग्राण्ड राउण्ड में पुलिस सुपरिन्टेन्डेन्ट सम्मिलित हैं, जब निरीक्षण ड्यूटी पर हो या गजेटेड अफसर जो उनके द्वारा समान प्रयोजनों के लिये लगाया जाये।

8. "विजिटिंग राउण्ड" में समस्त अराजपत्रित अधिकारी (Non-gazetted Officer) सम्मिलित हैं जो समान ड्यूटी कर रहे हों।

9. एलार्म पोस्ट वह पोस्ट जो रात्रि के समय क्वार्टर गार्द की सुरक्षा के लिये उसके चारों ओर बनाई जाये। इन पोस्टों पर गार्ड और सन्तरी रहते हैं। जब रात्रि में होशियार का आदेश दिया जाये।

10. वैकल्पिक (आल्टरनेटिव) पोस्टअलार्म पोस्ट के समान होती है। इन पर गार्ड और सन्तरी रहते हैं जब रात्रि में होशियार का आदेश दूसरी बार दिया जाये।

11. (टर्निंग आउट), लाइन बनाना : जब गार्द लाइन बनायेगा (टर्न आउट) तो दौड़ चाल से चलेगा और कन्धे शस्त्र की हालत में लाइन बनायेगा। बिगुलर गार्द कमाण्डर के दाहिने दो कदम पर लाइन बनाता है और सन्तरी बिगुलर के 1 कदम दाहिने पर साधारण तौर से यह आदेश रिवाली और रिट्रीट के बीच दिया जाता है।

12. होशियार (स्टैंड टू)–यह आदेश रात्रि को रिट्रीट और रिवाली के मध्य गार्द को दिया जाता है जब वे अलार्म पोस्ट पर पोजीशन लेते हैं।

13. स्टैंड डाउन–वह आदेश है जो गार्द को रात्रि में राउड्न्स का निरीक्षण होने के बाद अपनी अलार्म पोस्ट्स से इकट्ठा होने को दिया जाता है।

14. बिगुल काल्स :

(क) रिवाली वह बिगुल काल है जो प्रातःकाल से पूर्व दी जाती है जब क्वार्टर गार्द पर झण्डा फहराया जाये।

(ख) रिट्रीट वह बिगुल काल है जो सूर्य अस्त के समय दी जाती है जब क्वार्टर गार्द से झण्डा उतारा जाता है।

(ग) टैटू फस्ट पोस्ट टैटू लास्ट पोस्ट (अन्तिम बिगुल) यह रात को 9.30 (साढ़े नौ बजे) और 10 बजे बजायी जाती है।

फस्ट पोस्ट सैनिकों को यह चेतावनी देने के लिये बजाई जाती है कि यह दिन की कार्यवाहियाँ समाप्त करने का समय है और शिविरों (बैरकों) में वापस जाओ। लास्ट पोस्ट बजाने के बाद ड्यूटी हवलदार बैरकों की जांच करता है, इत्मिनान करने के लिए कि सब बिस्तरों पर है और कोई गैरहाजिर तो नहीं है

धारा—2

विवरण

1. गार्द चढ़ाने का समय

2. गार्द की वर्दी

3. स्टिक आर्डली सेरिमोनियल गार्दो के लिए एक अतिरिक्त सैनिक लगाया जायेगा ताकि एक स्वच्छ सैनिको को गार्द ड्यूटी से छोड़ा जा सके। ऐसे छोड़े हुए सैनिक का नाम 'स्टिक आर्डली' होगा। उसकी ड्यूटी होगी कि यह कमाण्डेंट व स्टेशन के ज्येष्ठ अधिकारी की परिचर्या में उसके कार्यालय में रहे और 'रनर' के कर्तव्यो का पालन करे। वह गर्द माउन्टिंग वर्दी पहनेगा।

4. परेड करना–बिगुल काल गार्द परेड पर बजते ही गार्द चढाने के समय से आधा घंटा पहले बजेगी। वह सैनिक जो गार्द के लिए छार्टे गए है, चढ़ाने (माउन्टिंग) के लिए तैयार हो जायेंगे।

गार्द चढाने के लिए 'क्वार्टर' काल पर (गार्द चढाने के समय से चौथाई घंटा पहले बजेगी) ड्यूटी N.C.O.गार्द को परेड कराएगा और लाइन में उसका निरिक्षण करेगा द्य तब वह 'फाल – इन – काल बजने से 5 मिनट पहले गार्द को परेड ग्राउंड को मार्च करने का ओदश देगा और उन्हें आर्डली अफसर के सुपुर्द कर देगा।

''फाल– इन– काल''के बजने से आर्डली अफसर ''दर्शक को पुकारेगा''।

गार्द कमाण्डर आर्डली अफसर के सामने दो कदम आगे बढेगा, थमेगा

रिमार्क्स

जिला या यूनिट के अफसर इन्चार्ज द्वारा निश्चित किया जायेगा।

जिला का यूनिट के अफसर के इन्चार्ज के विवेकानुसार समय में परिवर्तन किया जा सकता है। यह आवश्यक नहीं है की परेड ग्राउंड में ही सदैव गार्द चढ़ाया जाये।यह अफसर इन्चार्ज के विवेकानुसार बदली जा सकती है। बिगुलर गार्ड कमाण्डर के दाहिने दो कदम पर रहेगा और ड्यूटी N.C.O. 5 कदम पर गार्द सदैव खुली लाइन में रहेगी। यदि गार्द एक अफसर द्वारा कमाण्ड किया जा रहा हो, तो वह मध्य के सामने दो कदम पर होगा और सीनियर N.C.O. गार्द के दाहिने होगा। यदि गार्द N.C.O. द्वारा कमाण्ड किया जा रहा हो तो वह गार्द के दाहिने होगा, उसके बाद का सीनियर N.C.O. (यदि कोई हो) पीछे की लाइन में रहते हुए सीनियर N.C.O. के आगे पीछे छिपते हुए। गार्द को कमाण्ड करने वाला अफसर दर्शक का काम नहीं करेगा। सीनियर N.C.O. जो प्रथम गार्द की कमाण्ड का रहा हो

बाजू शस्त्र करेगा और विश्राम की हालत में आ जायेगा।
आर्डली अफसर का कमाण्ड ''ड्यूटी परेड पर'' मिलने पर गार्द चलकर दर्शक के पास जाएगी बाजू शस्त्र होकर विश्राम की हालत में आ जायेगा।
आर्डली अफसर गार्द से सुगम दुरी पर आ जायेगा (करीब 20 या 30 कदम पर) और गार्द की ओर रुख करेगा।

5. विधि

आर्डली अफसर के द्वारा कमाण्ड

(क) ''गार्द सावधान''

(ख)''गार्द संगीन लगाएगा''– '''लगा संगीन सावधान''

(ग) ''गार्द दाहिने सज''

(घ) ''गार्द गिनती कर''

यहाँ आर्डली अफसर गार्द का निरीक्षण करेगा। ड्यूटी N.C.O. गार्द के सामने उससे मिलने के समय से उसके साथ मिल जायेगा। वह आर्डली अफसर को सैल्यूट करेगा, और निरीक्षण के समय उसके साथ रहेगा और रिमार्क लिखेगा,यदि कोई हो, और जो आर्डली अफसर द्वारा बताएं गये हो। निरीक्षण के बाद दोनों अपने पहले की पोजीशन पर वापस आ जायेंग।

(ङ) गार्द संगीन उतरेगा—''उतार संगीन सावधान''।

(च) ''निरिक्षण के लिए बायें शस्त्र''– आर्डली अफसर और ड्यूटी N.C.O. ऊपर (क) में बताये गये के अनुसार कार्य करेंगे, अलावा इसके कि शस्त्रों के निरिक्षण के बाद दोनों गार्द कमाण्डर के आधा दाहिने मुड़कर 5 कदम पर सीधी लाइन बनायेंगे।

यदि एक से अधिक गार्द हो, दर्शक होगा।

गार्द कमाण्डर और द्वितीय कमाण्डर संगीन नहीं लगायेगा ड्यूटी N.C.O. बाएं मुड़कर गार्द को सजायेगा। पूरा होने पर वह आदेश देगा ''सामने देख'' अपने सामने को मुड़ेगा।

केवल सामने की लाइन नम्बर पुकारेगी।

यहाँ पर ड्यूटी NCO आर्डली

(छ) ''जाँच शस्त्र''

शस्त्रों की जाँच होने के बाद दोनों अपने पहले की पोजीशन पर वापस आ जायेंगे ड्यूटी एन0सी0ओ0 गार्द के दाहिने 5 कदम पर आर्डली अफसर गार्द के सामने 20 से 30 कदम पर।

अफसर को सैल्यूट नहीं करेगा।

(ज) ''बोल्ट चला''

(झ) गार्द संगीन लगायेगा ''लगा संगीन सावधान''

इस जगह पर स्टिक आर्डली छांटा जायेगा और विसर्जित किया जायेगा।

ड्यूटी N.C.O.

ड्रिल की हरकत की तरह किया जाता है।

(ञ) ''सामने या पिछली लाइन नं. स्टिक आर्डली, स्टिक आर्डली विसर्जन''।

(त) ''निकट लाइन चल''

(थ) ''दाहिने सज''

(द) ''कन्धे शस्त्र''

(ध) ''गार्द कमाण्डर जगह लो''।

गार्द कमाण्डर और द्वितीय कमाण्डर संगीन नहीं लगायेगा

स्टिक आर्डली सामने या पिछली लाइन में, अपनी पोजीशन के अनुसार एक कदम आगेसैल्यूट करेगा तब विसर्जित होगा।

यहाँ कमाण्डर एक कदम आगे बढेगा और सैल्यूट करेगा। गार्द कमाण्डर अपने को दो कदम पीछे और गार्द के मध्य रखेगा। उसी समय द्वितीय कमान्डर 2 कदम आगे बढेगा और गार्द कमाण्डर का स्थान ले लेगा, आर्डली अफसर भी चलकर अपने बाएं बाजू पर सुगम दूरी पर आ जायेगा। जहां से गार्द का चलते समय अभिवादन स्वीकार कर सके।

जैसे ऊपर पैरा (C) में।

''गार्द कमाण्डर के द्वारा कमाण्ड्स'':

(न) ''गार्द दाहिने से तेज चल''

(य) ''दाहिने देख, सामने देख'' गार्द कमाण्डर गार्द को मार्च करके उस जगह ले जायेगा जहां वह पुराने गार्द को रिलीव करेगा।

यदि यह सम्भव न हो कि लाइन या एक लाइन में गार्द को मार्च करते समय तमाम रास्ते गार्ड रूम तक ले जाया जा सके तो उचित बनावट की जा सकती है।

आर्डली अफसर ड्यूटी एन॰ सी॰ ओ॰ को लाइन तोड़ने को कहेगा और दोनों गार्डों के बदलने के कार्य की निगरानी करेंगे।

धारा—3

105—गार्द बदलना, लगाना और विसर्जन करना

1. जब जमीन में गुंजाइश होती है तो नई गार्द पुरानी गार्द के सामने लाइन में आगे बढ़ेगी और जब सम्भव हो उसके आगे 15 कदम पर थमा दी जायेगी। जब यह सम्भव न हो कि नई गार्द पुरानी गार्द के बांये में 6 कदम पर उसी दिशा में रुख करती हुई रोक दी जायेगी और सीध लेगी।
2. नई गार्द के पहुँचने पर, पुराना गार्द कमाण्डर गार्द को कन्धे शस्त्र की हालत में लाइन बनवायेगा और सजायेगा।

   निम्नलिखित सेरीमोनियल्स (रैतिकतायें) तब पालन की जायेंगी—

   पुराना गार्द कमाण्डर—पुरानी गार्द सलामी शस्त्र

   नया गार्द कमाण्डर—नई गार्द सलामी शस्त्र

   नोट : गार्दों के कमाण्डर्स अगर अफसर हैं तो सैल्यूट करेंगे, हवलदार है गार्द के साथ-साथ सलामी शस्त्र करेंगे।

   पुरानी गार्द कमाण्डर—पुरानी गार्द कन्धे शस्त्र

   नया गार्द कमाण्डर—नई गार्द कन्धे शस्त्र

   पुराना गार्द कमाण्डर—पुरानी गार्द बाजू शस्त्र

   नया गार्द कमाण्डर—नई गार्द बाजू शस्त्र

   पुराना गार्द कमाण्डर—पुरानी गार्द विश्राम

   नया गार्द कमाण्डर—नई गार्द विश्राम
3. पुराने गार्द कमाण्डर से समय लेते हुए दोनों गार्द कमाण्डर्स सावधान होकर कन्धे शस्त्र की हालत से आकर दोनों 5 कदम आगे बढ़ेंगे, थमेंगे, और अन्दर की तरफ आधा मुड़ेंगे। पुराना गार्द कमाण्डर तक अपने सन्तरी की बदली बदलने के लिये निम्न प्रकार से कहेगा।

   पुराना गार्द कमाण्डर : 'एक सन्तरी दिन को और एक (दो) रात्रि को नया गार्द कमाण्डर वैसे ही दोहरायेगा।
4. दोनों गार्द कमाण्डर्स तब चलकर अपने सम्बन्धित गार्दों के पास जायेंगे। पुराना गार्द कमाण्डर अपनी गार्द के दाहिनी ओर खड़ा होगा और नया गार्द कमाण्डर अपना स्थान अपनी गार्द के सामने लेगा।
5. नई गार्द की तब गिनती की जायेगी और बदलियाँ निम्न प्रकार बाँटी जायेंगी।

   नई गार्द : सावधान गार्द की तरह नम्बर।

नोट : दाहिना सैनिक न॰ 1 होगा, पिछली लाइन का दाहिना सैनिक न॰ 2 सामने की लाइन का दूसरा सैनिक न॰ 3 और उसके पीछे की लाइन का न॰ 4 और इसी तरह।

न॰ 1, न॰ 2 पहली बदली न॰ 3, न॰ 4 दूसरी बदली न॰ 5, न॰ 6 तीसरी बदली 'पहली बदली खड़ी रहेगी, बाकी विश्राम'।

'पहली बदली कन्धे शस्त्र, से तेज चल'।

'थम' तुरन्त दाहिने पैर पर दिया जाता है, ''बदली बन''.....

नोट : अगर पहली बदली में चार सन्तरी तक हो तो वे एक लाइन में अपने नम्बरों के अनुसार बनेंगे।

6. जब नई गार्द की पहली बदली भेजी जायेगी तो पुराने गार्द का द्वितीय कमाण्डर उसके साथ चलेगा जो बदली किये हुये सन्तरी को वापस लायेगा। कमाण्ड ' बदली बन' मिलने पर वह अपने को नई बदली के पहले सन्तरी के दाहिने पर रखेगा। नई गार्द का द्वितीय कमाण्डर अपने को बांये पर रखेगा। नई गार्द का द्वितीय कमाण्डर तब आदेश देगा, 'बदली एक फाइल में दाहिने चलेगी'—दाहिने मुड़' तब वह पीछे के सन्तरी पर अपने को रखेगा और आदेश देगा 'बदली तेज चल'। पुरानी गार्द का द्वितीय कमाण्डर तब बदली को सन्तरी की जगह पर लायेगा और सन्तरी बदले जायेंगे उसी प्रकार जैसे धारा 4 में बताया गया है। जैसे सभी ही सन्तरी रिलीव कर दिये जायें तो द्वितीय कमाण्डर्स स्थानों को बदलेंगे और पुरानी गार्द का दूसरा कमाण्डर कमाण्ड सम ालेगा।

7. जब बदली घूमकर चल रहे हों और सन्तरी बदल रहे हों तो नया गार्द कमाण्डर गार्द की सम्पत्ति की सूची के अनुसार जो सूची बोर्ड पर लगी हुई हो अपने कब्जे में ले लेगा और साथ ही दोनों गार्द कमाण्डर चार्ज रिपोर्ट पर हस्ताक्षर करेंगे अगर गार्द में केवल एक हवलदार हो तो वह सन्तरियों के अवमुक्त होने के बाद सम्पत्ति आदि का चार्ज लेगा, गार्द कमाण्डर्स तब अपने चार्ज की बदली की रिपोर्ट आर्डली अफसर को देंगे यदि वह उपस्थित हो।

8. जब बदलियाँ वापस हो जाती हैं और पुरानी और नई गार्द के समस्त सैनिक अपने सम्बन्धित गार्दों में लाइन बना लेते हैं तो निम्नलिखित सेरीमोनियल्स का पालन किया जाता है।

पुराना गार्द कमाण्डर—पुरानी गार्द सावधान

नया गार्द कमाण्डर—नई गार्द सावधान

पुराना गार्द कमाण्डर—पुरानी गार्द कन्धे शस्त्र

नया गार्द कमाण्डर—नई गार्द कन्धे शस्त्र

पुराना गार्द कमाण्डर—फाइल में (या एक लाइन में)। दाहिने चलेगा, दाहिने मुड़।

नोट : पुराना गार्द कमाण्डर पीछे की सैनिक की लाइन में गार्द के दाहिने पोजीशन लेता है जबकि दूसरा कमाण्डर उसका स्थान लेता है।

पुराना गार्द कमाण्डर—तेज चल

नया गार्द कमाण्डर—नई गार्द सलामी शस्त्र

पुराना गार्द कमाण्डर— पुरानी गार्द 'बांये देख' 'सामने देख'

नया गार्द कमाण्डर—नई गार्द कन्धे शस्त्र

9. जब पुरानी गार्द जा चुके तो नया गार्द इस पोजीशन पर मार्च कराया जायेगा जिस पर पहले पुरानी गार्द थी। फाइल में या एक फाइल में जैसी सूरत हो। यहाँ लाइन बनाने और होशियारी की पोजीशन विस्तार से समझा दी जायेगी। गार्द तब गार्द रूम को विसर्जित किया जायेगा जबकि गार्द के वास्ते आदेश पढ़े जायेंगे। यह आदेश पहली बदली के सैनिकों के लिये भी पढ़कर सुनाये जायेंगे और समझाये जायेंगे जब वे सन्तरी के काम पर आवें।

10. अगर गार्द चढ़ाने के समय अभिवादन करना आवश्यक हो तो कमाण्ड के शब्द सीनियर अफसर या हवलदार दोनों गार्दों को देंगे।

11. पुरानी गार्द चला कर नयी गार्द की पहली वाली पोजीशन पर लाई जायेगी तथा शस्त्रों और कारतूसों (एम्युनेशन) के निरीक्षण के बाद विसर्जित कर दी जायेगी।

धारा—4

106—सन्तरियों और बदलियों का लगाना, बदलना, चलाना और विसर्जन

1. सन्तरी लगाना : जब एक (1) सन्तरी लगाना जिसे एक नई जगह जहाँ उस वक्त तक सन्तरी न हो, लगाया जाये तो वह निश्चित की हुई जगह के बिल्कुल समीप पहुँच कर थम कर दिया जायेगा तब सन्तरी बिना अगले आदेश के चल देगा, और ठीक अपनी जगह पर थमेगा और अपेक्षित दिशा की ओर रुख करेगा। हवलदार (आमतौर पर छोटा हवलदार) तब उसके लिये आदेश पढ़ेगा और समझायेगा उसके लगाये जाने का उद्देश्य उसकी जगह का सामना और उसके गश्त की हद भी पढ़ कर समझाई जायेगी।

2. सन्तरीयों का बदलना : बदली आ जाने पर सन्तरी कन्धे शस्त्र की हालत में अपनी राइफल लिये हुये सन्तरी बक्स के सामने खड़ा हो जायेगा। बदली का हवलदार बदली के सन्तरी से करीब दो कदम पर रोक देगा, नया सन्तरी तब बदली से निकलेगा और पुराने सन्तरी के दांये उसी दिशा में मुड़कर रुख करके लाइन बनायेगा। हवलदार नये सन्तरी को आदेश पढ़कर

सुनायेगा और इत्मिनान करेगा कि सन्तरी उन्हें समझ गया है।

3. 'सन्तरी बदली करो' पुराना सन्तरी बदली के पीछे अपनी जगह पर चला जायेगा और नया सन्तरी अपने दाहिने को दो कदम लेगा।

4. 'बदली तेज चल' बदली को चला दिया जायेगा। जब सब सन्तरी बदल चुकें तो बदली को दोनों गार्दों के मध्य में लाया जायेगा तब वे पुराने गार्द कमाण्डर के कमाण्ड पर स्वस्थान करेंगे और अपने सम्बन्धित गार्दों में शामिल हो जायेंगे।

धारा—5

107—गार्द का दिन में निरीक्षण के लिए लाइन बनाना

1. जब सन्तरी निरीक्षण अधिकारी को क्वार्टर गार्द की तरफ आते हुये देखता है तो सन्तरी सावधान की हालत में आयेगा, कन्धे शस्त्र करेगा और पुकार कर कहेगा 'गार्द लाइन बन'।

   (गार्द के सभी सैनिक दौड़ चाल से चलकर निश्चित लाइन पर लाइन बनायेंगे।)

2. जब निरीक्षण अधिकारी अपना स्थान गार्द के सामने ले लें, तो गार्द कमाण्डर का आदेश मिलने पर गार्द उचित सैल्यूट देगा। उनके लिये जो इसके अधिकारी हों बिगुलर उचित सैल्यूट बजायेगा।

   जब निरीक्षण अधिकारी इसका अधिकारी हो, तो गार्द के लाइन बनाने के बाद कमाण्ड 'सलामी शस्त्र' दिया जायेगा, इसके बाद 'कन्धे शस्त्र' और 'बाजू शस्त्र' दिये जायेंगे, पूर्व इसके कि निरीक्षण अधिकारी को गार्द रिपोर्ट दें।

   जब निरीक्षण अधिकारी सैल्यूट ले रहा हो, तो अन्य व्यक्ति जो उसके साथ हों, उसके पीछे सावधान की हालत में खड़े हो जायेंगे।

3. जब गार्द बाजू शस्त्र की हालत में लाया जाए तो गार्द कमाण्डर निरीक्षण अधिकारी को रिपोर्ट देगा 'श्रीमान गार्द निरीक्षण को तैयार है'। रिपोर्ट देने के लिये सिर्फ यही तरीका काम में लायेगा।

4. गार्द कमाण्डर की रिपोर्ट मिलने पर निरीक्षण अधिकारी गार्द का निरीक्षण करने के लिये आगे बढ़ेगा, कमाण्डर कन्धे शस्त्र करके एक कदम आगे बढ़ेगा और बांये मुड़कर निरीक्षण अधिकारी के साथ–साथ चलेगा। निरीक्षण अधिकारी के अलावा टोली के अन्य व्यक्ति चाहे वे कहीं भी हो उस समय तक सावधान की हालत में रहेंगे जब तक निरीक्षण अधिकारी गार्द कमाण्डर को विसर्जन न कर दिया जाये, निरीक्षण जब पूरा हो जाए तो निरीक्षण अधिकारी गार्द कमाण्डर को विसर्जन अथवा लाइन तोड़ का आदेश देगा।

5. निरीक्षण अधिकारी से यह आदेश मिलने पर 'गार्द लाइन तोड़' गार्द

विसर्जन गार्द कमाण्डर आदेश देगा, गार्द कन्धे शस्त्र सन्तरी खड़ा रहेगा बाकी विसर्जन या गार्द, गार्द रूम को विसर्जन गार्द के सभी सैनिक सन्तरी के अलावा अपने दाहिने को मुड़ेंगे, सैल्यूट करेंगे और तब गार्द रूम को दौड़ चाल में चले जायेंगे।

6. गार्द को विसर्जन करने के बाद गार्द कमाण्डर निरीक्षण अधिकारी के साथ गार्द रूम के आसपास निरीक्षण के लिए जाएगा। अन्य व्यक्ति जो निरीक्षण अधिकारी के साथ हों अब निरीक्षण के समय उनके साथ रहे सकते हैं।

7. गार्द रूम का निरीक्षण होने के बाद गार्द कमाण्डर निरीक्षण अधिकारी को फिर सैल्यूट करेगा और तब स्वस्थान करने गार्द रूम को वापस चला जाएगा।

धारा—6

108—गार्द का रात्रि में लाइन बनाना

1. जब सन्तरी : "ग्राण्ड राउण्ड" या "विजिटिंग राउण्ड" को अपनी गार्द के पास पहुँचता हुआ देखता है तो सन्तरी "तान शस्त्र" की हालत में आ जायेगा और आते हुये राउण्ड को यह पुकार कर कहेगा— "थम कौन आता है'।

2. इस टोकने पर "थम कौन आता है" ग्राण्ड या विजिटिंग राउण्ड थम जायेगा और अपनी पहचान यह कहकर बतायेगा " ग्राण्ड राउण्ड (या विजिटिंग राउण्ड)"।

3. जब सन्तरी अपने टोकने का उत्तर पा ले और सन्तुष्ट हो जाये कि गार्द के पास आने वाला,"ग्राण्ड राउण्ड या विजिटिंग राउण्ड" है तो वह यह पुकार कर गार्द को होशियार करेगा, 'ठहरो ग्राण्ड (या विजिटिंग राउण्ड) गार्द होशियार' यह तीन दफा दोहरायेगा (गार्द होशियार और तान शस्त्र की हालत में रहेगा) गार्द का गार्द कमाण्डर गार्द सहित गार्द रूप में दौड़ चाल में जायेगा और अपनी पोजीशनें सम्बन्धित अलार्म पोस्टों पर लेगा जो पहले बताया जा चुका है।

4. गार्द कमाण्डर सन्तरी के पास जाकर उससे पूछेगा "सन्तरी क्या राउण्ड" और सन्तरी का जवाब मिलने पर "ग्राण्ड या विजिटिंग राउण्ड" वह राउण्ड का यह कहकर पास देगा "ग्राण्ड राउण्ड (या विजिटिंग राउण्ड) सब ठीक है।" इस दौरान में सन्तरी अपना स्थान अलार्म पोस्ट के पीछे ले लेगा जैसे कि बताया जा चुका है और वैसे ही गार्द कमाण्डर भी।

5. निरीक्षण समाप्त होने पर "ग्राण्ड या विजिटिंग राउण्ड" निम्नलिखित आदेश देगाः (1) 'गार्द जगह छोड़' या (2) 'गार्द लाइन बन'।

6. यदि गार्द का 'जगह छोड़' कराना हो तो वे अलार्म पोस्ट छोड़ देंगे और गार्द

रूम को 'दौड़ चाल में जायेंगे।

जब निरीक्षण अधिकारी अपना निरीक्षण आदि गार्द बुक में लिखकर चला जाये तो गार्द कमाण्डर गार्द रूम को चला जायेगा।

7. यदि गार्द को लाइन बन का आदेश दिया जाये तो गार्द सन्तरियों के अलावा निश्चित लाइन पर लाइन बनायेगा और उसी विधि का पालन किया जायेगा जैसा कि दिन में निरीक्षण के लिये है। गार्द रूम आदि का निरीक्षण नहीं भी किया जा सकता है और निरीक्षण के बाद ही गार्द को विसर्जन का आदेश दिया जा सकता है।

धारा—7

109—सन्तरियों के लिये सामान्य नियम

1. सन्तरी बीट पर चलते समय सावधान की हालत में जायेगा, एक कदम आगे बढ़ेगा कन्धे शस्त्र करेगा, अपने दाहिने या बांये मुड़ेगा और तेज चाल में चलेगा।
2. सन्तरी अपनी बीट की समाप्ति पर पहुँचकर थमेगा और बाहर की ओर दाहिने या बांये जैसी सूरत हो, दो स्पष्ट मोड़ देकर पीछे मुड़ेगा यानि सामने की तरफ और फिर तेज चाल में चलेगा।
3. सन्तरी अपने हल्के (बीट) में नहीं थमेगा अलावा अपने बाक्स या पोस्ट के सामने जब तक कि उसे अभिवादन न करना हो या जब टोकना हो।
4. जब अपने बाक्स या पोस्ट के बाहर थमे तो सन्तरी का रुख सामने को होगा, बाजू शस्त्र करेगा, एक कदम पीछे को लेगा और विश्राम की हालत में आ जायेगा।
5. सन्तरी अपने शस्त्रों या जगह या विश्राम कक्ष की नहीं छोड़ेगा और न किसी से बातचीत करेगा अलावा अपने कर्त्तव्यों को पूरा करने के लिये और न वह किसी बाक्स में खड़ा होगा सिवाय जब कि मौसम बहुत खराब हो।
6. सन्तरी हमेशा सतर्क रहेगा और आवश्यक अभिवादनों को फुर्ती से देगा।

सन्तरियों द्वारा टोकना

7. एक सन्तरी अपने पोस्ट के समीप आते हुये समस्त व्यक्तियों या टोलियों को टोकेगा जबकि उसे उस व्यक्ति या टोली के उस स्थान से गुजरने के बारे में सन्देह हो या उसके समीप आने के बारे में सन्देह हो।
8. जब टोकना सन्तरी को आवश्यक हो तो यह इस प्रकार किया जायेगा। जब कोई व्यक्ति या टोली उसकी जगह के समीप आ जाती है तो सन्तरी जैसे ही वह व्यक्ति या टोली बात करने के फासले पर आ जाये तो वह तान शस्त्र की हालत में आ जायेगा और पुकारकर कहेगा "थम कौन आता है"। वह अपनी पोजीशन को बताये बगैर उसे उस भाषा में दोहरायेगा जो उस क्षेत्र

के अनुकूल हो जब व्यक्ति या टोली थम जाये तो वह पुकारकर कहेगा 'आगे बढ़ एक' जब सन्तरी को व्यक्ति या टोली के बारे में इत्मिनान हो जाये तो वह कहेगा कि 'चलो दोस्त सब ठीक है' उस समय तक तान शस्त्र की हालत में रहेगा जब तक कि वह व्यक्ति या पार्टी गुजर न जाये। यदि व्यक्ति या टोली के पहचान या सद्भाव के बारे में वह सन्तुष्ट न हो तो सन्तरी गार्द को होशियार करेगा और गार्द कमाण्डर को रिपोर्ट देगा। यदि टोकने का जवाब सन्तरी को यह मिले "ग्राण्ड या विजिटिंग राउण्ड" और सन्तरी सन्तुष्ट हो जाये तो वह उस विधि का पालन करेगा जो धारा 6 में बताई गई है।

नोट : रात्रि के समय सदैव सन्तरी समस्त व्यक्तियों को टोकेगा जो गार्द रूम की तरफ आ रहे हों। यदि टोकने का जवाब सन्तरी को यह मिले 'दोस्त' और वह व्यक्ति की पहचान से सन्तुष्ट हो जाये तो उसे गुजर जाने का आदेश देगा।

धारा—8

110—गार्द और सन्तरियों द्वारा अभिवादन देने के सामान्य अनुदेश सामान्य :

1. सन्तरी सदैव कन्धे शस्त्र और संगीन लगाकर मार्च करेंगे और सदैव बाहर की ओर दो स्पष्ट मोड़ बांये या दाहिने जैसी सूरत हो देकर मुड़ेंगे यानि सन्तरी पोस्ट की ओर कभी रुख नहीं करेगा।
2. गार्द रूम में संगीन सदैव लगी रहेगा।
3. गार्द कमाण्डर जाते समय या लौटते समय प्रत्येक बदली का निरीक्षण करेगा।
4. शस्त्र के बगैर टोलियों (Unarmed Parties) का अभिवादन नहीं किया जायेगा।

गार्द द्वारा अभिवादन

5. दिन (रिवाली और रिट्रीट) के मध्य के लाइन बनायेंगे और निम्नलिखित व्यक्तियों को "सलामी शस्त्र" करेंगे।
   (क)राष्ट्रपति और राज्यपाल
   (ख)महानिरीक्षक पुलिस और उप महानिरीक्षक पुलिस
   (ग)जिला पुलिस अधीक्षक को प्रतिदिन जब वह पहली दफा गार्द को विजिट करने आवे।
   (घ)ग्राण्ड राउण्ड्स।
   (ङ)भारतीय सेना, नेवी और एयर फोर्स के अधिकारीगण जो जनरल या उससे ऊँचे पद के हों।

(च)समस्त सशस्त्र टोलियों को।

(छ)रिवाली के शुरू होने और टैट्टू बजने पर।

6. रात्रि (रिट्रीट और रिवाली के मध्य) रिट्रीट के बाद और रिवाली के पहले गार्द लाइन नहीं बनायेंगे अलावा टैट्टू को सशस्त्र दल के पहुँचने पर, खतरे की सूरतों में ग्राण्ड या विजिटिंग राउण्ड के स्वागत के समय और न वह इस अवधि में किसी का अभिवादन करेंगे अलावा ग्राण्ड राउण्ड के जिसको वे 'सलामी शस्त्र' करेंगे।

सन्तरियों का अभिवादन

7. (क)दिन में सन्तरी उन पुलिस अफसरों को सलामी देगा जो अशोक स्तम्भ या ऊँचे पद के बैज धारण किये हों और भारतीय सेना, नौसेना और विमान बल के उन अधिकारियों को जो मेजर या उससे ऊँचे पद के हो।

(ख)अभिवादन देने से पहले सन्तरी हमेशा थमेगा और सामने को मुड़ेगा। अगर सन्तरी बाक्स में खड़ा हो तो सावधान बनकर सैल्यूट करेगा।

(ग) सन्तरी सशस्त्र दलों को सलामी देगा और शस्त्र के बगैर दलों (Unarmed Parties) को सैल्यूट करेगा।

(घ) रात्रि को अन्धेरा होने के बाद सन्तरी किसी सशस्त्र पार्टी को सलामी नहीं देगा।

(ङ) जहाँ तक सन्तरी किसी अधिकारी को देख सके, वह थमेगा और उसके पास आने पर अपने सामने को मुड़ेगा और ठीक अभिवादन देगा जैसे कि दिन में देना चाहिये।

विशिष्ट अनुदेश

गार्द तथा सन्तरिया द्वारा अभिवादन सम्बन्धित उपर्युक्त आदेश उन विशेष गार्दों पर जो राष्ट्रपति या राज्यपाल के अधिक्षेत्र में उनके निवास स्थानों या कैम्पों में लगाये जाये, लागू नहीं होंगे। ऐसे गार्द उन व्यक्तियों को जो पद में इन व्यक्तियों से जिनके लिये यह गार्द लगाये गये हो छोटे हों किसी प्रकार का अभिवादन नहीं देंगे परन्तु जब ड्यूटी अफसर द्वारा ऐसे गार्दों का निरीक्षण किया जाये तो वह 'कन्धे शस्त्र' की दशा में लाइन बनेंगे (Turn out) सन्तरी ऐसे निवास स्थानों या कैम्पों में केवल राष्ट्रपति, राज्यपाल और सशस्त्र कोर (Armed Corps) को ही सलामी शस्त्र करेंगे वह इनसे छोटी पदवी वाले अधिकारियों तथा शस्त्र पार्टियों को सैल्यूट (यदि कन्धे शस्त्र की दशा में है तो बट सैल्यूट और यदि बाजू शस्त्र की दशा में है तो सावधान) करेंगे।

❑❑❑

गार्ड ऑफ ऑनर

(GUARD OF HONOUR).

1. विशिष्ट व्यक्ति की प्रतिष्ठा के अनुसार सम्मान गार्द चढ़ाया जाना चाहिये जैसा कि राज्य सरकार द्वारा समय-समय पर सम्बन्धित विज्ञप्तियों में बताया गया है।

2. रचना और जनशक्ति

    (क) उन विशिष्ट व्यक्तियों के लिये जो राष्ट्रीय सैल्यूट के अधिकारी हों तथा भारत के उप-राष्ट्रपति और प्रधानमन्त्री के लिये—गार्द में होंगे एक ज्येष्ठ राजपत्रित अधिकारी (Senior G. O.), दो जूनियर (G. O's) या इन्स्पेक्टर एक कलर ले जायेगा (यदि कलर्स ले जाये जाते हो), (दो हवलदार मेजर्स या ज्येष्ठ हवलदार) दो हवलदार और 96 कांन्सटेबिल।

    (ख) उन विशिष्ट व्यक्तियों के लिये जो जनरल सैल्यूट के अधिकारी हों—गार्द में होंगे एक राजपत्रित अधिकारी, दो इन्सपेक्टर्स या सब-इन्सपेक्टर्स (एक कलर ले जायेगा यदि कलर्स ले जाये जाते हों), दो हवलदार मेजर्स (या ज्येष्ठ हवलदार) दो हवलदार और 48 कान्सटेबिल।

    (ग) विशेष अवसरों पर (यानि भारत गणतन्त्रा के राष्ट्रपति के लिये) गार्द की जनशक्ति समस्त पदाधिकारियों सहित 150 तब बढ़ाई जा सकती है।

नोट : (ग) की हालत में गार्द की जनशक्ति में दो की वृद्धि और की जायेगी ताकि डिवीजन बराबर बन सकें और दो कनिष्ठ हवलदारों को पैरा 4 (ख) (2) में बताये अनुसार प्रयोग किया जा सके।

3. वर्दी (ड्रेस) : समस्त सम्मान गार्दों के लिये वर्दी रिव्यू आर्डर ड्रेस होगी परन्तु ऐसे अवसरों पर विशेष आदेश जारी होना चाहिये, जिनमें यह निश्चित कर दिया जाये कि वर्दी में क्या-क्या पहना जायेगा।

4. बनावट (फारमेशन) :

    (क) गार्द

    सम्मान गार्द में कम्पनी की तरह कदवार खड़ा किया जायेगा और समान रखा जायेगा और जहाँ तक सम्भव हो उसी दिशा की ओर रुख करके बनाया जायेगा जिधर से विशिष्ट व्यक्ति जिसके लिये गार्द चढ़ाया जा रहा है आगमन करेगा।

गार्द दो समान डिवीजन में दो लाइनों में बनेगा, सामने और पीछे की लाइन में चार कदम की दूरी होगी। यह 24 इन्च का अन्तर रखते हुये सजाया जायेगा। कलर्स की रक्षा–पार्टी के लिये दोनों डिवीजन के मध्य में तीन कदम का फासला छोड़ा जायेगा यदि कलर्स न ले जाये जाते हो तो अन्तर रखने की आवश्यकता नहीं है।

(ख) अधिकारीगण

1.कलर्स सहित : राजपत्रित अधिकारी, इन्सपेक्टर, सब–इन्सपेक्टर कमाण्डर दाहिने से दूसरे फाइल के सामने 4 कदम पर। उसके बाद का ज्येष्ठ राजपत्रित अधिकारी, इन्सपेक्टर/सब–इन्सपेक्टर दांये से दूसरी फाइल के सामने दो कदम पर। कनिष्ठ अधिकारी इन्सपेक्टर/सब–इन्सपेक्टर (कलर्स सहित) गार्द के मध्य में सामने दो कदम पर।

2.हवलदार : प्रथम डिवीजन का दाहिना प्रदर्शक ज्येष्ठ हवलदार होगा और उसके बाद का कनिष्ठ द्वितीय डिवीजन का बांया प्रदर्शक होगा तीसरा कनिष्ठ द्वितीय डिवीजन का दाहिना प्रदर्शक होगा और सबसे कनिष्ठ प्रथम डिवीजन का बांया।

3.बगैर कलर्स के : कमाण्डर गार्द के मध्य के सामने चार कदम पर उसके बाद वरिष्ठ राजपत्रित अधिकारी इन्सपेक्टर/ सब–इन्सपेक्टर, दाहिने से दूसरी फाइल के सामने दो कदमों पर, तीसरा कनिष्ठ राजपत्रित अधिकारी इन्सपेक्टर/ सब–इन्सपेक्टर बांये से दूसरी फाइल के सामने दो कदमों पर।

4.हवलदार : उनके स्थान वहीं होंगे जैसा कि 4 (ख) में ऊपर बताया गया है।

5.विशेष अवसरों पर जबकि गार्द की जनशक्ति सब पदों सहित 150 कर दी गई हो और कलर्स न ले जाये गये हों तो गार्द कमाण्डर गार्द के मध्य में और सामने आठ कदम पर रहेगा। इसके बाद का ज्येष्ठ राजपत्रित अधिकारी इन्सपेक्टर/सब–इन्सपेक्टर दाहिने से दूसरी फाइल के सामने 3 कदम पर और तीसरा कनिष्ठ राजपत्रिात अधिकारी इन्सपेक्टर/सब–इन्सपेक्टर बांये से दूसरी फाइल के सामने 3 कदम पर।

(ग) बैंड

1.बैंड गार्द की लाइन में दाहिने बाजू पर बनेगा और गार्द के दाहिने प्रदर्शक से 7 कदम पर बैंड 4 फाइल्स का कालम बनायेगा और प्रत्येक फाइल के मध्य में दो कदम की दूरी होगी।

2.बैंड के सामने की लाइन के सामने तीन कदम पर ड्रम मेजर खड़ा होगा और उसके सामने दो कदम बैंड मास्टर खड़ा होगा।

3.यदि बैंड उपलब्ध न हो तो बिगुलर्स का प्रबन्ध होना चाहिये जो सम्मान गार्द के दाहिने लाइन में खड़े हो जायेंगे।

4.इसी तरह यदि दाहिने बाजू पर जगह न हो तो बैंड को गार्द के पीछे स्थान देना चाहिये।

5.ए० डी० सी० सदैव दो ही होंगे जो मन्च के दोनों तरफ खड़े होंगे, उनके सामने के ऐज के बांये और दाहिने तीन कदम पर।

6.संचालन करने वाला अधिकारी (कन्डर्क्टिंग अफसर) संचालन करने वाला अधिकार (सिविल या पुलिस अफसर) जो विशिष्ट व्यक्ति का स्वागत करता है उसका मन्च तक संचालन करने के बाद मन्च के पीछे मध्य में उससे तीन कदम की दूरी पर अपना स्थान ग्रहण करेगा।

7.कलर्स : स्टेट पुलिस की प्रथा के अनुसार कलर्स सम्मान गार्द द्वारा परेड पर लाये जा सकते हैं। यदि अन्तर्राज्य सम्मान गार्द द्वारा प्रस्तुत किया जा रहा हो तो कलर्स परेड पर नहीं लाये जायेंगे।

8.सैल्यूट : निरीक्षण से पूर्व केवल एक सैल्यूट दिया जायेगा। ए० डी० सी० सैल्यूट नहीं करेगा चाहे राष्ट्रीय या जनरल सैल्यूट दिया जा रहा हो, राष्ट्रीय सैल्यूट निम्नलिखित को दिया जायेगा।

(1)भारत गणराज्य के राष्ट्रपति को

(2)राज्यपालों को उनके राज्यों के अन्तर्गत

(3)अन्य उच्च पदाधिकारियों को जो सेरीमोनियल (रैतिक) अवसरों पर सैल्यूट के पदाधिकारी हों, 'जनरल सैल्यूट' दिया जायेगा।

9.राष्ट्रीयगान : राष्ट्रीयगान के दो रूप हैं :

(1)पूर्ण रूप (Full Version) जिसका वादन लगभग 52 सेकेण्ड में हो सकता है।

(2)अल्पकालिक रूप जिसका वाद्न लगभग 20 सेकेण्ड में ही हो सकता है। पूर्ण रूप का वादन निम्नलिखित अवसरों पर होना चाहिए :

(क) समस्त अवसरों पर जब राष्ट्रपति व्यक्तिगत रूप में उपस्थित हो, राष्ट्रीय दिवसों पर राष्ट्रपति द्वारा ब्राडकास्ट भी सम्मिलित हैं।

(ख) समस्त अवसरों पर राज्यपालों का जब वे अपने राज्यों के अन्तर्गत सेरीमोनियल परेड सम्मान गार्द पर उपस्थित हों।

(ग) गणराज्य, स्वतन्त्राता दिवस परेडों पर जब ध्वज फहराया जाये। अल्पकालिक रूप का वादन समस्त अन्य अवसरों पर किया जा सकता है।

(घ) राज्य सरकार की पूर्व अनुमति से राष्ट्रीयगान का वादन भारत के प्रधानमन्त्राी के लिये भी हो सकता है।

10. जब कभी राष्ट्रीयगान का वादन हो समस्त पदाधिकारी सावधान की हालत में आ जायेंगे और हेड कान्सटेबिल और उससे ऊँचे समस्त अधिकारी यदि वर्दी में हों, तो उचित सैल्यूट देंगे। जो पदाधिकारी विशिष्ट व्यक्ति की परिचर्या में होंगे, वे केवल सावधान की हालत में आ जायेंगे और राष्ट्रीयगान के वादन के समय सैल्यूट नहीं करेंगे।

11. निरीक्षण के लिये निम्नलिखित प्रक्रिया का पालन किया जायेगा :

(क) उचित अभिवादन के पश्चात् यानि राष्ट्रीय सैल्यू जनरल सैल्यूट उस विशिष्ट व्यक्ति के लिये जिसके लिये यह चढ़ाया गया है गार्द को बाजू शस्त्र की हालत में लाना चाहिये। कलर्स (Carry) की हालत में रहेंगे।

(ख) तत्पश्चात् गार्द कमाण्डर आगे बढ़ेगा और विशिष्ट व्यक्ति को रिपोर्ट देगा। वह यह उचित ऊँची आवाज में कहेगा 'श्रीमान सम्मान गार्द अधिकारियों एवं अन्य पदाधिकारियों का बना हुआ है और निरीक्षण के लिये हाजिर हैं'।

(ग) विशिष्ट व्यक्ति मन्च से नीचे आयेगा और गार्द कमाण्डर उसका संचालन करेगा, विशिष्ट व्यक्ति के दाहिने और थोड़ा-सा आगे चलते हुए वह (Walk) करेगा, और धीरे चल की हालत में नहीं चलेगा।

(घ) ए॰ डी॰ सी॰ विशिष्ट व्यक्ति के आगे नहीं चलेंगे।

(ङ) बैंड के ड्रम मेजर के पीछे गुजरते हुये विशिष्ट व्यक्ति बैंड का निरीक्षण करेगा। बैंड निरीक्षण के समय अपना सिर और आँखें विशिष्ट व्यक्ति की ओर नहीं मोड़ेगा परन्तु सीधा सामने को देखेगा।

(च) जैसे ही विशिष्ट व्यक्ति बैंड के बांये व्यक्ति के पास से गुजरते हैं वैसे ही बैंड मास्टर पीछे मुड़ेगा, बैंड को तैयार (Ready) करेगा और वादन शुरू कर देगा। ड्रम की प्रथम ध्वनि से समय लेते हुये प्रत्येक अधिकारी गार्द का सैनिक (यानि सामने और पीछे की दोनों लाइन) अलावा उस अधिकारी के जो कलर्स ले जा रहा है अपने सिर और आँखें विशिष्ट व्यक्ति की ओर मोड़ेंगे यानि वह उसको देखेंगे। जैसे ही विशिष्ट व्यक्ति आगे को बढ़े अधिकारी और सैनिक अपने सिर और आँखें मोड़ेंगे, तमाम समय उसकी ओर देखते रहेंगे। यदि विशिष्ट व्यक्ति निरीक्षण के समय रुक जाये तो सिरों की हरकत भी रुक

जायेगी।

(छ) जैसे ही विशिष्ट व्यक्ति निरीक्षण समाप्त करे, वैसे ही बैंड वादन बन्द हो जायेगा और गार्द ध्वनि की अन्तिम आवाज से समय लेते हुए अपने सिर और आँखें सामने को मोड़ेंगे।

(ज) यदि बैंड ने पीछे स्थान ग्रहण किया हो तो बैंड का निरीक्षण नहीं किया जायेगा और यदि बैंड उपलब्ध न हो तो वैसे ही विशिष्ट व्यक्ति अपना बिगुलर्स का निरीक्षण के समय सीधा देखेंगे निरीक्षण पूरा कर लें। गाद्र के प्रत्येक अधिकारी और सैनिक के सिर और आँखें (अलावा उन अधिकारियों के जो कलर्स ले जा रहे हों) एक साथ दाहिने को मुड़ेंगी।

(झ) गार्द की केवल सामने की लाइन का निरीक्षण होगा। विशिष्ट व्यक्ति अधिकारियों और कलर्स के सामने चलेंगा अर्थात् वह गार्द का निरीक्षण सामने से चार कदम की दूरी से करेगा।

(ञ) गार्द कमाण्डर तब विशिष्ट व्यक्ति को संचालन करने वाले अधिकारी की ओर ले जायेगा। इस समय संचालन करने वाला अधिकारी मन्च (डायस) के पीछे से हटकर नई पोजीशन पर आयेगा जहाँ से विशिष्ट व्यक्ति को परिचय के लिये सुगमता से ले जाया जा सके। जब विशिष्ट व्यक्ति को संचालन करने वाले अधिकारी के सुपुर्द किया जा रहा हो तो गार्द कमाण्डर विशिष्ट व्यक्ति को सैल्यूट करेगा। यदि कमाण्डर को विशिष्ट व्यक्ति से हाथ मिलाने के लिए तैयार रहना चाहिए यदि वह हाथ मिलाना चाहे। ऐसी सूरत में वह तुरन्त (यदि किर्च ले जाई गई हो) किर्च बांये हाथ में ले लेगा।

12. सम्मान गार्द उस समय तक स्थान से नहीं चलेगा और न ''आराम से''होगा जब विशिष्ट व्यक्ति स्वागत स्थान से चला न जाये।

13. सम्मान गार्द मन्च से नहीं गुजरेगी।

14. सूर्योदय से पूर्व और सूर्यास्त के पश्चात् किसी स्टेशन में सम्मान गार्द नहीं दिया जायेगा।

15. सम्मान गार्द केवल उन्हीं उच्च अधिकारियों को देना चाहिए जो इसके अधिकारी हों, औरों को नहीं। सम्मान गार्द की जनशक्ति 50 से कम नहीं होनी चाहिए और यह अनुपयुक्त समय या स्थान में नहीं चढ़ाना चाहिये। विशेष परिस्थितियों में जैसे स्थान का सीमित होना, जहाँ उपरोक्त अनुदेशों का पालन कराना व्यवहारिक न हो तो अवसर के अनुकूल उचित संशोधन किये जा सकते हैं।

❑❑❑

हर्ष फायर
(FEU-DE-JOIE)

विषय परिचय : यह खुशी का फायर है। हमारे देश में प्रायः गणतन्त्रा दिवस, स्वतन्त्रता दिवस या और किसी प्रकार के राष्ट्रीय उत्सवों पर किया जाता है।

हर्ष फायर करना : हर्ष फायर करने के लिये परेड ठीक सेरीमोनियल तरीके से की जाती है परेड का फाल इन होना, श्रेष्ठ पुरुष का अभिवादन (राष्ट्रीय सैल्यूट), निरीक्षण इत्यादि सेरीमोनियल तरीके से समाप्त हो जाने के बाद परेड कमाण्डर अपने स्थान पर जाता है और जब श्रेष्ठ पुरुष मन्च पर पहुँच जाता है तो निम्न कार्यवाही हर्ष फायर के लिये की जायेगी।

1. परेड सावधान : (संगीन लगी रहेगी)
2. ''परेड हर्ष फायर करेगी अफसर और निशान जगह लो''— इस आदेश पर पैदल अफसर अपने नियत स्थान से तीन कदम आगे और सवार अफसर 15 कदम के फासले पर आगे चलेंगे यदि पीछे अन्डर आफिसर है तो वे तीन कदम चले जायेंगे। कलर सामने पोजीशन में होगा और 6 कदम आगे चला जायेगा। हर्ष फायर के दौरान निशान नहीं झुकाये जायेंगे।
3. 'खड़ा मोर्चा लें'
4. 'एक गोली भर' : इस आदेश पर सभी लाइनों के जवान आवाजी (ब्लैंक) कारतूस भरेंगे राइफलों की मजल ऊपर को आड़े रुख रखी जायेगी ताकि सामने के जवान के सर से ऊँची रहे। अधिसंख्या लाइन बाजू शस्त्र में रहेगी।
5. ''पेश कर'' : इस आदेश पर राइफलें 135 अंश के कोण पर कन्धें पर फायर करने की हालत में ले जाई जायेगी और निशाना नहीं साधा जायेगा।
6. 'शुरू कर' : इस आदेश पर सामने की लाइन के दाहिने जवान से फायर शुरू होगा और लगातार बांये को बढ़ेगा इसके बाद तुरन्त मध्य लाइन बांये से दाहिने तक, इसके बाद पिछली लाइन दाहिने से बांये करेंगी।
7. 'सलामी शस्त्र' : इस आदेश पर जवान सलामी शस्त्र की दशा में आयेंगे, बैंड राष्ट्रीयगान का पहला भाग बजायेगा, अफसर सिल्यूट करेंगे।
8. 'फिर भर' : बैंड का अभिवादन समाप्त होते ही यह आदेश दिया जायेगा। इस आदेश के मिलने पर राइफलें खड़े मोर्चा की दिशा में लाकर फिर

आवाजी गोली भरी जायेगी।

9.'पेश कर' : इस आदेश पर पहले की तरह कार्य किया जायेगा।

10.'सलामी शस्त्र' : इस आदेश पर पहले की तरह कार्यवाही की जायेगी। बैंड राष्ट्रीय गान का दूसरा भाग बजायेगा।

11.'फिर भर' : पहले की तरह कार्यवाही होगी।

12.'पेश कर' : पहले की तरह कार्यवाही होगी।

13.'सलामी शस्त्र' : पहले की तरह कार्यवाही होगी। बैंड राष्ट्रीय गान का पूर्ण वादन बजायेगा।

नोट : कुल मिलाकर फायर तीन भागों में किया जायेगा।

14.'खाली कर' : राष्ट्रीय वादन के बाद 'खाली कर' का आदेश दिया जायेगा। इस आदेश पर राइफलें खड़े मोर्चे की दिशा में लाकर खाली की जायेगी खोखे परेड समाप्त होने के बाद अलग से नियुक्त पार्टी उठायेगी। हर्ष फायर पार्टी खोखे नहीं उठायेगी।

15.'बाजू शस्त्र' : इस आदेश पर पार्टी बाजू शस्त्र करेगी।

16.'अफसर व निशान' : जगह लो—इस आदेश पर निशान और अफसर अपनी पहली वाली जगह आ जायेंगे। यह कार्यवाही करते समय जो अफसरान तीन कदम आगे बढ़ेंगे वह बगैर मुड़े वापस जायेंगे। लेकिन सवार अफसर और कलर पार्टी घूम कर अपनी जगह जायेगी।

17.इसके बाद निकट लाइन चलाकर सेरीमोनियल तरीके से मार्च-पास्ट कराया जायेगा। मन्च से गुजरने के बाद निरीक्षण लाइन पर लाकर परेड थम की जायेगी और खुली लाइन चलकर परेड निरीक्षण को आगे बढ़ेगी और राष्ट्रीय सैल्यूट देने के बाद विश्राम में खड़ी हो जायेगी।

जयनाद : इसके बाद गार्ड विशिष्ट व्यक्ति द्वारा भाषण दिया जाये तो भाषण के बाद जयनाद किया जायेगा। यदि भाषण न हो तो शीघ्र जयनाद किया जायेगा। जयनाद नीचे लिखे मौकों पर किया जायेगा।

(1) राष्ट्रपति, जबकि वास्तव में परेड पर हो।

(2) गणतन्त्र दिवस—स्वतन्त्रता दिवस पर राष्ट्रपति के लिये।

नोट : पद मुक्त होते समय फौज में सेनापति के लिये यह कार्यवाही होती है। पुलिस विभाग में भी इस प्रकार के अवसर पर इस कार्यवाही को प्रयोग में लाने के लिये सोचा जा सकता है।

समीक्षा क्रम में : (तरतीब में) मान ज्ञापन चुकने के बाद यदि श्रेष्ठ पुरुष द्वारा भाषण दिया जाये तो जयनाद भाषण के बाद किया जायेगा जो भी समारोहिक रूप लागू हो जयनाद करने की कवायद नीचे लिखे तौर पर

होगी।

(1) परेड सावधान की जायेगी।

(2) परेड कमाण्डर चेतावनी देगा, परेड तीन बार जयनाद करेगी।

(3) परेड कमाण्डर उच्च स्वर में राष्ट्रपति का नाम बोलेगा यदि वह उपस्थित हो।

(4) और यदि उपस्थित न हो तो कमाण्डर केवल "राष्ट्रपति की" बोलेगा।

(5) परेड जयनाद पुकारेगी साथ ही अपना बाजू, हर जवान पूरा लम्बा अपने सर के ऊपर हर बार उठायेंगे।

नोट : जयनाद तीन बार कराई जायेगी।

❑❑❑

पासिंग आऊट परेड (दीक्षांत परेड)

प्रस्तावना

पुलिस अकादमियों, पुलिस प्रशिक्षण कालेजों, भर्ती प्रशिक्षण स्कूलों एवं पुलिस स्थापनाओं में कर्मियों (कैडेट एवं नई भर्ती) को प्रशिक्षण के पश्चात् उस में पासिंग आउट (दीक्षांत) परेड की जाती है।

पासिंग आउट परेड एक समारोह का अवसर है। अतः इस यूनिट के लिए श्रमसांधित तैयारी करनी चाहिए क्योंकि इससे ही उसके प्रशिक्षण का पता चलता है।

पासिंग आउट परेड समारोह में प्रशिक्षाणार्थी द्वारा व्यवसायिक जीवन में सम्बन्धित शपथ ग्रहण भी शामिल होती है। यह एक समारोह का अवसर होता है जब प्रशिक्षार्थी अपने भविष्य की ओर देख आत्म–गौरव का अनुभव करता है अतः उसको इस परेड में अपनी तरफ से उत्कृष्ट प्रदर्शन करना चाहिए।

इस लक्ष्य को पाने के लिए सभी स्तरों पर सही अधीक्षण के अन्तर्गत (रिहर्सल) पूर्वाभ्यास किया जाना चाहिए।

खण्ड—1

सामान्य निर्देश

पासिंग आउट परेड एक समारोह का अवसर होता है। इस अवसर पर व्यवस्थाओं, निरीक्षण ग्राउण्ड, यूनिट संगठनों, यूनिट के आकार, निरीक्षण अधिकारी (जिसमें अति विशिष्ट व्यक्ति भी शामिल हैं) अधिकारियों की

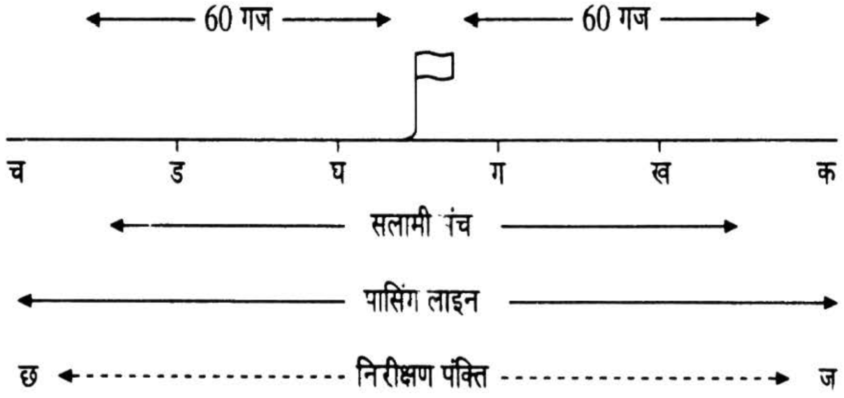

निरीक्षण पोस्ट, मार्च-पास्ट की विभिन्न एवं आगे के सम्बन्धित आदेशों की समीक्षा सम्बन्धी निर्देश इस अध्याय-गट- में दिए गए हैं। साथ ही उसी अध्याय में दी गई शर्तों का भी अधिकारियों को पालन करना होगा। फिर भी सुविधा के लिए प्रशिक्षण ग्राउण्ड के स्तर सम्बन्धी/रेखाचित्र नीचे दिया गया है।

निरीक्षण या समीक्षा परेड ग्राउण्ड

खण्ड—2

परेड की संरचना

1. कार्यक्रम शुरू होने से 20 मिनट पहले "विदाई परेड" किले की दीवार के पीछे, प्लाटूनवार, राइफलों को "बाजू शस्त्र" (आर्डर आर्मस) स्थिति में नियम संगीनों के साथ उस स्थान पर खड़ी होगी। प्लाटूनों की आधी संख्या किले के द्वार के दांई तरफ खड़ी होगी। प्लाटून नं॰ 1 गेट के नजदीक खड़ी होगी। अन्य प्लाटून उसके दांई तरफ एक के पीछे एक क्रमानुसार खड़ी होगी। प्लाटून के शेष आधे गेट के बांये तरफ खड़े होंगे क्रम में अन्त में प्लाटून है वह गेट के पास होगी और अन्य अपने क्रम

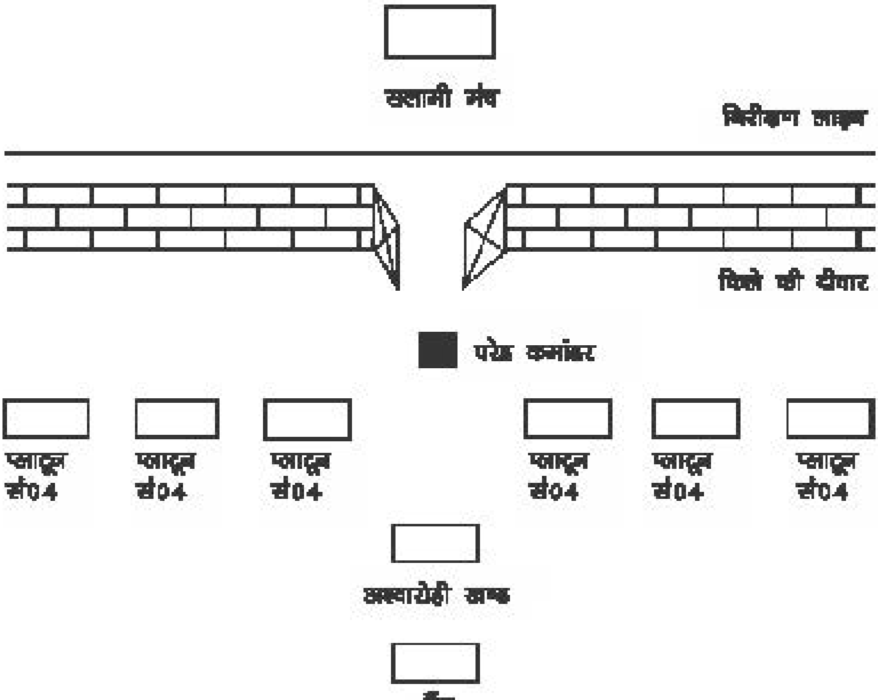

से उल्टे क्रम के उसके बांई तरफ खड़ी होगी। यानी कि यदि 6 प्लाटून भाग ले रही है तो प्लाटून नं॰ 1, 2, 3 किले के द्वार पर दांई तरफ और प्लाटून नं॰ 6, 5, 4 द्वार के बांई तरफ (परिशिष्ट के अनुसार) खड़ी होगी। यदि 5 प्लाटून हैं, तो प्लाटून न॰ 1, 2, 3 गेट के दांई तरफ व प्लाटून नं॰ 5, 4 बांई तरफ खड़ी होगी।

परेड कमाण्डर सबसे आगे खड़ा होगा। परेड कमाण्डर एवं प्लाटून कमाण्डर की तलवार बिल्कुल सीधी स्थिति में होगी। घुड़सवार दस्ता यदि उपलब्ध हो तो परेड के पीछे खड़ा होगा। उसके बाद बैंड पृष्ठ भाग में बीच में होगा। बिगुलर एवं बल्लम वरदार किले की दीवार के पीछे खड़े होंगे।

2. किले का द्वार दो द्वारपालों द्वारा परेड के शुरू होने से 20 मिनट पहले खोला जाएगा। दो बिगुलर बीच की दीवार की तरफ से परेड ग्राउण्ड में दाखिल होंगे और निरीक्षण लाइन की तरफ (निरीक्षण लाइन पासिंग लाइन आदि को विवरण देने के लिए कृपया परिशिष्ट क देखें)। जायेंगे और मार्कर काल की आवाज करेंगे। उसके बाद बिगुलर वापस मुड़ेंगे और सामने की दीवार के पृष्ठ भाग की तरफ मार्च करेंगे। उसके बाद मार्कर निरीक्षण लाइन पर स्थिति में खड़े हो जायेंगे।

   बिगुलर और बल्लम वरदार भी परेड ग्राउण्ड की तरफ बने किले की दीवार के ऊपर निर्धारित अपनी-अपनी जगह पर खड़े हो जाएंगे।

3. मार्कर काल के 3 मिनट के बाद बिगुलर (एडवांस काल) काल की आवाज लगाऐंगे। इसके बाद तीसरी कमाण्ड परेड को "सावधान" एवं कन्धे शस्त्र' की स्थिति में लाएगा और निरीक्षण लाइन की तरफ मार्च करेगा। कमाण्ड करेगा। "परेड दांए-बांए से तेज चल"। गेट पार करने के बाद, दांई तरफ की प्लाटून (नं॰ 1, 2, 3) दीवार के दांई तरफ चलेगी और बांई तरफ की (नं॰ 6, 5, 4) दीवार के बांई तरफ चलेगी। मार्कर पर पहुँचने पर प्लाटून कदमताल करेगी। ड्रमों की आवाज के साथ सभी प्लाटून निरीक्षण लाइन पर अपनी निर्धारित स्थिति में पहुँचते ही परेड रुक जाएगी। उसके बाद परेड कमाण्डर एक के बाद एक लगातार निम्नलिखित कमाण्ड करेगा।

   परेड दाहिने-बांए मुड़। परेड बाजू शस्त्र।

   परेड खुली लाइन चल। परेड मध्य सज।

परेड सामने देख। परेड विश्राम।

4. अब परेड अपनी स्थिति के लिए तैयार है (परिशिष्ट नीचे देखें)

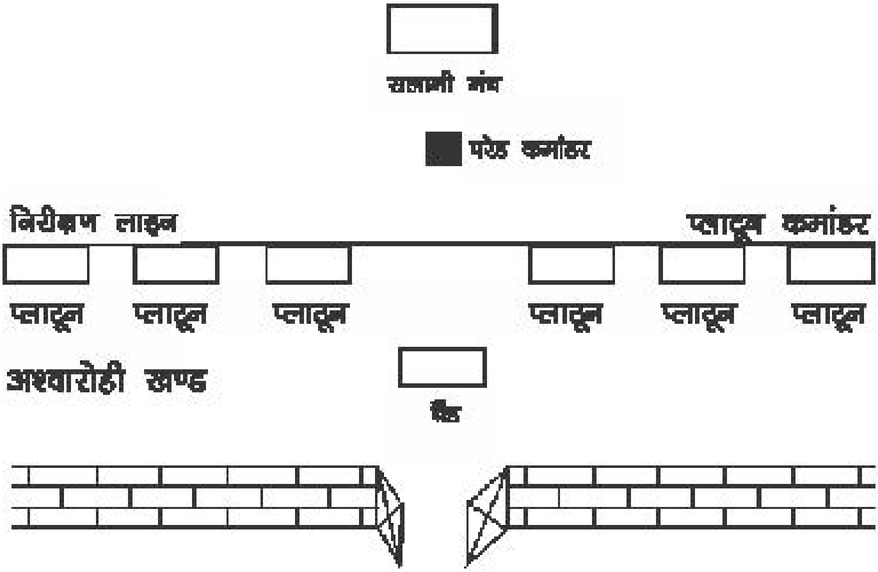

टिप्पणी

1. यह देखा गया है कि बड़े संगठनों के अपने स्थाई किले बने होते हैं जो विशेषतौर पर पासिंग आउट परेड के लिए बनाए गए होते हैं। बिगुलर को परकोटे पर खड़ा होना होगा अथवा अन्य सुविधाजनक स्थान पर, दीवार पर परकोटा नहीं है।
2. यदि संगठन के पास स्थाई किला नहीं है तो यह अपेक्षित है कि एक अस्थाई किला जो तम्बू और कपड़े से बनाया जाए। समारोह की भव्यता के अनुरूप इसे रंग प्रदान किया जाए।
3. उपलब्ध होने पर घुड़सवार दस्ता एवं बल्लम बरदारों को भी शामिल किया जा सकता है।

खण्ड—3

संगठन/संस्थान के प्रमुख का अभिवादन

1. कार्यक्रम शुरू होने के 10 मिनट पहले संगठन/ संस्थान का प्रमुख वहाँ पधारेगा। उसके प्रवेश को देखते ही परेड कमाण्डर परेड को "सावधान" व "कन्धे शस्त्र" की स्थिति के लिए कहेगा। सलामी मंच पर संस्थान का

प्रमुख ''जैसे ही अपनी जगह लेगा वैसे ही परेड कमाण्डर बोलेगा परेड जनरल सैल्यूट सलामी शस्त्रा। उसी समय बैंड जनरल सैल्यूट की धुन बजाएगा। उस धुन के समाप्त होने पर निम्नलिखित कमाण्ड (एक के बाद एक) लगातार देगा :

''परेड कन्धे शस्त्र''

''परेड बाजू शस्त्र''

''परेड विश्राम''

2. सलामी लेने के पश्चात् संगठन प्रमुख अतिविशिष्ट व्यक्ति है स्वागत के लिए जिन्हें दीक्षांत परेड के लिए आमन्त्रित किया गया है, निर्धारित स्थान पर जाऐंगे और उनके आने का इंतजार करेंगे।

खण्ड—4

विशिष्ट/अतिविशिष्ट व्यक्ति का आगमन

जैसे ही विशिष्ट/अतिविशिष्ट व्यक्ति दीखे, बिगुलर तुरही नाद की आवाज करेंगे। उसके तुरन्त बाद परेड कमाण्डर कमाण्ड देगा ''दीक्षांत परेड सावधान'' इसके बाद परेड कन्धे शस्त्र की कमाण्ड देगा।

जैसे ही विशिष्ट व्यक्ति संस्थान के प्रमुख के साथ सलामी मंच पर निर्धारित अपने स्थान पर पहुँचेंगे, परेड उनको सलामी शस्त्र प्रस्तुत करेगा। परेड कमाण्डर कमाण्ड देगा'' ''परेड जनरल सैल्यूट, सलामी शस्त्र''।

बैंड जनरल सैल्यूट की धुन बजाएगा और जब तक धुन समाप्त नहीं होती परेड उसी स्थिति में खड़ी रहेगी। (यदि विशिष्ट व्यक्ति भारत के राष्ट्रपति अथवा गवर्नर है तो राष्ट्रीय सैल्यूट दिया जाएगा और बैंड राष्ट्रीयगान की धुन बजाएगा) उसके बाद परेड कमाण्डर परेड को ''कन्धे शस्त्र'' एवं ''बाजू शस्त्र'' की स्थिति में लाएगा।

टिप्पणी

सैल्यूट एवं राष्ट्रीयगान की धुन सम्बन्धी निर्देश अध्याय के खण्ड–7 वं 8 (गार्ड ऑफ आनर्स के अध्याय) में दिए गए हैं।

खण्ड—5

विशिष्ट व्यक्ति द्वारा परेड का निरीक्षण

जैसे ही परेड बाजू शस्त्र की स्थिति में आएगी, परेड कमाण्डर सलामी मंच की ओर मार्च करेगा, वहाँ रुककर विशिष्ट व्यक्ति का अभिवादन करेगा

और कहेगा— "श्रीमान (यदि विशिष्ट व्यक्ति महिला है तो महोदया) दीक्षांत परेड आपके निरीक्षण के लिए हाजिर है।

इसी बीच निरीक्षण जीप (यदि प्रयोग में लाने की योजना हो) जो पास ही खड़ी होगी वह सलामी मंच तक पहुँचेगी। विशिष्ट व्यक्ति जीप के आगे वाले भाग में खड़ा जाएगा। जीप के पृष्ठ भाग में संस्थान का प्रमुख एवं परेड कमाण्डर खड़े होंगे। पहले दाहिने तरफ और बाद में उनके बांई तरफ। जीप परेड के दाहिने तरफ से चलेगी और परेड के अगले हिस्से के सामने से होकर दाहिने से बांई तरफ चलेगा। यदि जीप का प्रयोग नहीं होता है तो विशिष्ट व्यक्ति पैदल चलेंगे और निरीक्षण लाइन के आगे से निकलेंगे। संस्थान का प्रमुख उनके दाहिने तरफ और परेड कमाण्डर उनके बांई तरफ एक कदम पीछे होकर चलेंगे।

जैसे ही विशिष्ट व्यक्ति (चाहे जीप पर हों या पैदल) पहली प्लाटून के आगे के दाहिने पथ दर्शक पर पहुंचेगे तो बैंड धीमी मार्च की ध्वनि बजाएगा और जब तक विशिष्ट व्यक्ति द्वारा परेड निरीक्षण पूरा नहीं होता तब तक वह धुन बजाता रहेगा। (यदि विशिष्ट व्यक्ति पैदल चल रहा है तो परेड कमाण्डर एवं संस्थान प्रमुख निरीक्षण के दौरान धीमी मार्च के समय वहाँ से हट जाऐंगे।

खण्ड—6

शपथ ग्रहण

1. विशिष्ट व्यक्ति के सलामी मंच पर वापिस आने के बाद परेड कमाण्डर उनको सैल्यूट देगा और शपथ ग्रहण करने की अनुमति निम्नलिखित शब्दों को कह कर लेगा—

   श्रीमान (विशिष्ट व्यक्ति महिला होने पर महोदया) शपथ ग्रहण करने की आज्ञा प्रदान करें।

   परेड कमाण्डर विशिष्ट व्यक्ति को पुनः एक बार सैल्यूट करेगा और परीक्षण लाइन के पास अपने निर्धारित स्थान पर वापिस आ जाएगा।

2. उसके बाद परेड कमाण्डर परेड को कन्धे शस्त्रा की स्थिति में लाएगा और कलर पार्टी को बुलाएगा। (राष्ट्रीय ध्वज व उस संस्थान/यूनिट के ध्वज धारित कर्मी) और कमाण्ड करेगा "निशान टोली परेड पर"।

   उसके बाद निशान टोली (कलर पार्टी) राष्ट्रीय ध्वज एवं यूनिट के साथ निरीक्षण लाइन की तरफ मार्च करेंगे और प्रथम प्लाटून दांए मार्गदर्शक

से 14 कदम दूर जाकर खड़े होंगे। जैसे ही निशान टोली मार्च शुरू करेगा वैसे ही परेड कमाण्डर परेड को राष्ट्रीय ध्वज सलामी शस्त्रा देने के लिए कहेगा—

"परेड राष्ट्रीय सैल्यूट, सलामी शस्त्र" बैंड राष्ट्रीयगान की पूरी धुन बजाएगा।

राष्ट्रीय सैल्यूट के समय सभी आमन्त्रित अतिथि परेड ग्राउण्ड में उपस्थित व्यक्ति खड़े हो जाऐंगे तथा उनमें वर्दीधारी अधिकारी भी सैल्यूट देंगे। इस सम्बन्ध में होने से पहले उपयुक्त उद्घोषणा भी की जानी चाहिए।

निशान टोली के परेड के दाहिने तरफ निर्धारित स्थान पर पहुँचने के बाद निशान टोली कमाण्डर कमाण्ड करेगा "निशान टोली सलामी शस्त्र" इस पर निशान टोली भी सलामी देगी। संस्थान/यूनिट के ध्वज को झुकाया जाएगा। इस सबके होते समय परेड 'सलामी शस्त्र' की स्थिति में ही रहेगी।

अब परेड कमाण्डर, परेड एवं निशान टोली को "कान्धे शस्त्र" एवं बाजू शस्त्र की स्थिति में लाएगा। सभी अतिथि व अन्य अपना स्थान ग्रहण करेंगे।

3. **इसके बाद परेड कमाण्डर प्लाटून कमाण्डरों को निम्नलिखित कमाण्ड करेगा :**

   "कमाण्डर वापिस किर्च"

   "कमाण्डर जगह लो"

   पहली कमाण्ड पर कमाण्डर अपनी तलवार को वापिस अपनी जगह पर ले आऐंगे। दूसरी कमाण्ड पर वह दांई तरफ मुड़ेंगे और ड्रम बजने का इंतजार करेंगे। उसके बजने पर अपनी-अपनी प्लाटूनों के दाहिने तरफ मार्च करेंगे और रुकेंगे। दुबारा ड्रम बजने पर वे वापिस घूम जायेंगे।

4. **उसके बाद परेड कमाण्डर कमाण्ड देगा "निशान जगह लो" उसके बाद दो ध्वज धारक प्रथम प्लाटून के दाहिने तरफ के मार्गदर्शक से 7 कदम** की दूरी तक ध्वज के साथ मार्च करेंगे और अपनी स्थिति पर खड़े हो जाऐंगे। आगे राष्ट्रीय ध्वज होगा बाद में यूनिट/संस्थान का ध्वज होगा। इसी बीच परेड में भाग लेने वाले कर्मी अपने बांए हाथ को मोड़कर रायफल को पकड़ेंगे (इसके लिए ड्रम बजाया जाएगा।) ड्रम के दूसरी

बार बजने पर वे अपना सीधा हाथ समतल रूप में 45 डिग्री के कोण पर रखेंगे।

5. परेड कमाण्डर की कमाण्ड "निशान, कार्यवाही शुरू कर" होने पर दोनों ध्वजधारी जिसमें राष्ट्रीय ध्वज वाला आगे होगा, धीरे-धीरे मार्च करते हुए परेड के आगे निकलेंगे। बैंड धीमी गति धुन में से एक मार्च धुन बजाएगा। जब ध्वजधारी अन्तिम प्लाटून के बांए मार्गदर्शक को पार कर जाऐंगे तो बीच वाली पंक्ति के लोग अपने बांए हाथ को मोड़कर रायफल को पकड़ेंगे और ड्रम की आवाज या अपना सीधा हाथ उठा देंगे। इसी समय आगे वाली पंक्ति वाले अपना हाथ नीचे करके "सावधान" की स्थिति में आ जाऐंगे। उसी प्रकार पृष्ठ भाग को पूरा करने के बाद ध्वजधारी तेजी से मार्च करते हुए परेड के बीच में पहुँचेंगे और रुक जाऐंगे और परेड की तरफ मुँह कर लेंगे।

6. शपथ ग्रहण के लिए ड्रम की आवाज होगी और कैडेट अपना हाथ समतल उठाकर 45 डिग्री के कोण पर करेंगे, बांया हाथ जैसे पहले किया था, मोड़कर रायफल को पकड़ लेंगे।

7. संगठन/संस्थान का प्रमुख अब निर्धारित शपथ (सुविधानुसार उस शपथ को हिस्सों में बाँट लेगा) ऐसी भाषा में जो कि कैडेटों द्वारा समझी और बोली जाती है, में बोलेगा। कैडेट भी प्रत्येक भाग को जो कि पूर्व में बोला गया है, दोहराऐंगे। शपथ पूरी होने के बाद कैडेट ड्रम की आवाज होने पर अपना दांया हाथ तुरन्त नीचे ले आऐंगे, ड्रम की दूसरी आवाज पर वे रायफल को अपने सीधे हाथ में ले लेंगे और सावधान की स्थिति में हो जाऐंगे।

8. अब परेड कमाण्डर कमाण्ड करेगा "कमाण्डर्स जगह लो" इसके बाद प्लाटून कमाण्डर अपने-अपने प्लाटून के आगे निर्धारित जगहों पर खड़े हो जाऐंगे। इसी समय निशान टोली भी बांये मुड़ेंगी और अपने मार्गरक्षक में शामिल हो जाऐंगी।

9. उसके बाद परेड कमाण्डर अब कलर पार्टी को जाने के लिए कमाण्ड करेगा, "निशान टोली कूच कर"। इसके बाद परेड के सामने से गुजरते हुए मार्च समाप्त करेंगे। इसके तुरन्त बाद परेड कमाण्ड कन्धे शस्त्र की स्थिति में आ जाएगी।

10. इसके बाद परेड कमाण्डर अब कलर पार्टी को जाने के लिए कमाण्ड

करेगा, "निशान टोली कूच कर"। इसके बाद परेड के सामने से गुजरते हुए मार्च समाप्त करेंगे। इसके तुरन्त बाद परेड कमाण्डर कमाण्ड करेगा "परेड, राष्ट्रीय सैल्यूट, सलामी शस्त्र" इस पर परेड राष्ट्रीय ध्वज को सलामी प्रस्तुत करेगी। इस वक्त बैंड राष्ट्रीयगान की पूरी धुन बजाएगा। सभी आमन्त्रित अतिथि एवं ग्राउण्ड में उपस्थित अन्य लोग एक बार पुनः खड़े हो जाऐंगे और वर्दीधारी अधिकारी ध्वज को सैल्यूट करेंगे। इस अवसर के लिए पहले से घोषणा की जाएगी।

11. राष्ट्रीय धुन के समाप्त होने व कलर पार्टी के जाते ही सभी दर्शक अपना-अपना स्थान ग्रहण कर लेंगे। इसके बाद परेड कमाण्ड देगा "परेड कन्धे शस्त्र एवं परेड बाजू शस्त्र"।

खण्ड—7

मार्च पास्ट समारोह

1. कलर पार्टी का मार्च समाप्त होते और परेड के बाजू शस्त्र की स्थिति में होते ही परेड कमाण्डर मार्च-पास्ट प्रारम्भ करने के लिए निम्नलिखित कमाण्ड करेगा—

   "परेड, निकट लाइन चल"

   "परेड कन्धे शस्त्र"

   "परेड तीन-ओ-तीन कालम में दाहिने चलेगा, "दाहिने मुड़"

   "बांए से तेज चल"

   (बैंड तेज मार्च की एक धुन बजाना शुरु करेगा)

   "बांए दिशा बदल, बांए घूम"

2. निकट कालमों की संरचना

"जैसे ही परेड मार्च पास्ट की लाइन के सामने एवं सलामी मंच के बांए पहुँचेगी। परेड कमाण्डर कमाण्ड करेगा "परेड थम कर बांए दिशा प्लाटूनों को निकट कालम बना।"

प्रत्येक प्लाटून कमाण्डर अपनी-अपनी प्लाटून को रोकेगा और मुड़ने के लिए क्रमानुसार कहेगा। जब आखिर की प्लाटून की सरंचना भी की जाएगी तो परेड कमाण्डर कमाण्ड देगा "परेड, बाजू शस्त्र" और उसके तुरन्त बाद

प्लाटूनों को तैयार होने के लिए इन शब्दों की कमाण्ड करेगा–

"परेड दाहिने सज"

इस कमाण्ड के बाद सभी प्लाटूनों के दांए दर्शक 5 कदम आगे बढ़ेंगे और रुक जाऐंगे पीछे घूमेंगे और आगे की लाइन की एक के बाद सज्जा करवाऐंगे। सभी प्लाटूनों के दांए दर्शक लगातार यही कमाण्ड करेंगे, "हिलो मत" जैसे ही अन्तिम प्लाटून का दांया दर्शक कमाण्ड समाप्त करेगा, सभी दांए दर्शक एक साथ बांए घूमेंगे, एक कदम आगे बढ़ाऐंगे और दूसरी लाइन की सज्जा के लिए वही कार्यवाही दोहराऐंगे। तीसरी लाइन के लिए भी एक बार पुनः इसी प्रकार की कार्यवाही की जाएगी। ज्यों ही अन्तिम प्लाटून का दांया दर्शक अपनी प्लाटून की अन्तिम लाइन को "हिलो मत" की कमाण्ड करेगा, सभी प्लाटूनों के दांए दर्शक दांए तरफ एक साथ घूमेंगे और दो कदम आगे बढ़ेंगे, --बांए घूमते" हुए अपनी-अपनी प्लाटूनों की पहली लाइन से अपने मूल नियत स्थान पर जाकर खड़े हो जाऐंगे। ये दर्शक सभी प्लाटूनों के आपस के हर क्रियाकलाप में हमेशा समन्वय रखेंगे।

सभी प्लाटूनों की सज्जा समाप्त होते ही परेड कमाण्डर इन शब्दों की कमाण्ड करेगा, "सामने देख" इस कमाण्ड के होते ही पूरी परेड एक साथ सामने देखने की स्थिति में आ जाएगी। इसके बाद प्लाटून कमाण्डर एवं परेड कमाण्डर पीछे मुड़ जाऐंगे। सभी दाहिने दर्शक एक साथ कदम बढ़ाऐंगे और 5 कदम मार्च करेंगे, रुकेंगे और दाहिने तरफ घूम जाऐंगे। परेड अब मार्च-पास्ट के लिए तैयार है।

3. मार्च-पास्ट

(क)परेड कमाण्डर अब कमाण्ड करेगा।

"परेड कान्धे शस्त्र"

"परेड प्लाटून के कालम में मंच से गुजरेगा– नं0 1 प्लाटून आगे"। इस कमाण्ड के तुरन्त बाद नं0 1 प्लाटून का कमाण्डर कमाण्ड करेगा, "नम्बर एक प्लाटून, आगे बढ़ेगा दाहिने से धीरे चल"। इस कमाण्ड पर प्लाटून नं0 1 धीरे मार्च शुरू करेगी। बैंड धीमी मार्च धुन बजाएगा। शेष प्लाटूनें एक के बाद एक कालमों को दूरी रखते हुए उनके पीछे चलेगी। प्रत्येक प्लाटून का कमाण्डर स्वतन्त्रा रूप से अपनी प्लाटून को मार्च

शुरू करने के लिए कमाण्ड करेगा, जैसे ही नं0 1 प्लाटून अपनी मार्च शुरू करेगी परेड कमाण्डर भी मार्च शुरू कर देगा।

(ख)जब प्लाटून नं0 1 पाइण्ट ख की तरफ पहुँचेगी तो परेड कमाण्डर कमाण्ड करेगा "परेड बारी–बारी खुली लाइन चल"।

ध्वज चिन्ह के निशान पर प्लाटूनों के पहुँचने पर प्रत्येक प्लाटून कमाण्डर अपनी–अपनी प्लाटूनों को निम्नलिखित स्वतन्त्रा कमाण्ड करेगा।

नं0 .... प्लाटून खुली लाइन (प्वाइंट ख पर)

(प्लाटून खूले क्रम में रहेगी और मार्च जारी रखेगी)

नं0 .... प्लाटून दाहिने देख (प्वाइंट ग पर)

नं0 .... प्लाटून सामने देख (प्वाइंट घ पर)

"प्लाटून दाहिने देख की कमाण्ड पर दाहिने दर्शक को छोड़कर समस्त प्लाटून दांई तरफ आँखें करेगी। इसी समय प्लाटून कमाण्डर विशिष्ट व्यक्ति को सैल्यूट करेगा। परेड कमाण्डर स्वतन्त्र रूप से सैल्यूट करेगा।

5. जब सभी प्लाटून सलामी मंच पार कर लेंगी और प्वाइंट ध और ङ के बीच पहुँचेगी तब परेड कमाण्डर परेड को निकट होने का आदेश देगा "परेड बारी–बारी निकट लाइन चल"। इसके बाद प्रत्येक प्लाटून का कमाण्डर स्वतन्त्र रूप से अपनी–अपनी प्लाटून को कमाण्ड देगा, ध्वज प्वाइंट के चिन्ह के पास पहुँचने पर प्लाटून कमाण्डर इन शब्दों में कमाण्ड "प्लाटून नं0—निकट लाइन"।

कोने के ध्वज (पाइंट च) पर पहुँचने पर परेड कमाण्डर इन शब्दों के साथ कमाण्ड करेगा "परेड थम पर नं0 1 प्लाटून का निकट कालम बना"। इस पर परेड दुबारा से प्लाटून नं0 1 के साथ निकट कालम बना लेगी। निकट कालम की जगह पर पहुँचने पर जहाँ प्लाटून नं0 1 रुकी है उसके पीछे खड़े होने के लिए प्रत्येक प्लाटून का कमाण्डर स्वतन्त्र रूप से कामण्ड देगा "नं0 .... प्लाटून थम" इसके बाद परेड कमाण्डर इन शब्दों में कमाण्ड करेगा–

"परेड बारी–बारी दाहिने से, तीनों–तीन कालम में आगे बढ़ परेड दाहिने मुड़"।

6. जैसे ही परेड दांई तरफ मुड़ेगी नं0 1 का प्लाटून कमाण्डर अपनी प्लाटून को इन शब्दों में कमाण्ड करेगा–"नं0 1 प्लाटून बांए से तेज चल, बांए घूम और उसके बाद सभी प्लाटून कमाण्डर अपनी प्लाटून में निर्धारित

स्थानों में पहुँच कर निरीक्षण लाइन के साथ मार्च करेंगे। उसके बाद बांए घूमेंगे और कमाण्ड होगा। 'बांए घूम' और यह तीन प्वाइंटों पर होगा जो प्वाइंट च छ एवं ज होगें। परेड पुनः सलामी मंच के पास से तेज मार्च करती हुई प्लाटून कालमों के रूप में गुजरेगी और पासिंग लाइन के पास पहुँचने पर परेड प्लाटून कालम में फिर से आ जाएगी।

पासिंग लाइन के बांए कोने (प्वाइंट क) के नजदीक पहुँचने पर परेड कमाण्डर इन शब्दों में कमाण्ड करेगा ''परेड बांए दिशा, प्लाटूनों–के–कालम में आगे बढ़''।

इसके बाद प्रत्येक प्लाटून कमाण्डर निम्नलिखित शब्दों से कमाण्ड देकर प्लाटून को आगे बढ़ाएगा–

''नं0 .... प्लाटून आगे बढ़ेगा बांए मुड़–दाहिने से''

इसी प्रकार जब सलामी मंच के सामने गुजरने वाला हो तो प्लाटून कमाण्डर निम्नलिखित शब्दों में कमाण्ड करेगा।

''नं0 .... प्लाटून दाहिने देख (पाइंट ग)

''नं0 .... प्लाटून सामने देख (पाइंट ग)

कोने के ध्वज पर पहुँचने पर परेड कमाण्डर इन शब्दों में कमाण्ड करेगा–

''परेड दाहिने से बारी–बारी

तीनों–तीन कालम में आगे बढ़''

उसके बाद कोने पर पहुँचने पर परेड पुनः तीन लाइन के कालम के रूप में हो जाएगी जैसे निरीक्षण लाइन पर थी। इसके लिए प्रत्येक प्लाटून कमाण्डर निम्नलिखित शब्दों में कमाण्ड करेगा–

''नं0 .... प्लाटून तीनों–तीन में दाहिने चलेगा–दाहिने मुड़''। इस पर प्रत्येक प्लाटून दिए गए निशान पर दाहिने घूमेगी। ''बांए घूमने' की कमाण्ड पर दुबारा निरीक्षण लाइन के पास से दोबारा घूमेंगी।

7. एक बार जब परेड अपने मूल स्थान उदाहरणों के लिए निरीक्षण लाइन पर पहुँच जाएगी तो परेड कमाण्डर इन शब्दों में कमाण्ड करेगा ''परेड थम''। इस पर परेड रुक जाएगी। उसके बाद परेड कमाण्डर आगे निम्नलिखित कमाण्ड करेगा–

''परेड आगे बढ़ेगा, बांए मुड़''।

''परेड खुली लाइन चल''

"परेड मध्य सज"

इस कमाण्ड पर बांए मुड़ेंगे और खुली स्थिति में आ जाऐंगे। ड्रम की आवाज पर किले की दीवार की दाहिने तरफ की प्लाटून अपना सिर बांए तरफ घुमा लेगी और बांई तरफ वाली प्लाटून अपना सिर दाहिनी तरफ घुमा लेगी उसके बाद वे अपने को तैयार करेंगे और ड्रम की अगली आवाज पर सामने की स्थिति में जाऐंगे।

टिप्पणी

1. खण्ड–7 में सलामी मंच के आगे से परेड को दो बार मार्च–पास्ट करने की प्रक्रिया का विवरण दिया गया है। पहले प्लाटून कालम में धीरे मार्च के साथ और दूसरे में प्लाटून कालम में तेज मार्च के साथ (विस्तृत जानकारी के लिए अध्याय XVI के खण्ड–6 व खण्ड–17 देंखे) यह प्रक्रिया अधिकारी कैडेटों की पासिंग आउट परेड के दौरान अपनाई जाऐगीं।
2. कांस्टेबलों की भर्ती के समय पासिंग आउट परेड मे प्रशिक्षणार्थियों की संख्या बहुत अधिक होने के कारण धीमे मार्च–पास्ट को नहीं कराया जाता है।
3. धीमे मार्च पास्ट के समय पासिंग लाइन के दाहिने कोने पर (प्वाइंट एक के नजदीक जहाँ के सभी प्लाटून सलामी मंच के पास से धीमे मार्च करेगी) बन्द निकट कालम संरचना परेड की प्रक्रिया भी शामिल है। अध्याय 16 के खण्ड–17 में यह लगातार मार्च के (जैसे बिना रुके) रूप में बताई गई है।

खण्ड—8

निरीक्षण क्रम में बढ़ना और संस्थान प्रमुख द्वारा रिपोर्ट, पुरस्कार वितरण एवं विशिष्ट व्यक्ति का भाषण

1. एक बार सज्जा पूरी होने के बाद परेड कमाण्डर परेड को निरीक्षण क्रम में बढ़ने के लिए कमाण्ड करेगा "परेड निरीक्षण क्रम में मध्य से तेज चल" इस कमाण्ड पर परेड 15 कदम आगे बढ़ेंगी और अपने आप रुक जाऐगी। (इस रुकने के लिए किसी भी प्रकार की कमाण्ड नहीं दी जाएगी) जैसे ही परेड रुकेगी परेड कमाण्डर जनरल सैल्यूट के लिए निम्नलिखित कमाण्ड करेगा–

   "परेड जनरल सैल्यूट, सलामी शस्त्र"

   "परेड कन्धे शस्त्र"

"परेड बाजू शस्त्र"

"परेड विश्राम"

संस्थान प्रमुख अब अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करेगा।

2. यह हो जाने पर परेड कमाण्डर पुरस्कार विजेताओं को पुरस्कार व ट्राफियों प्राप्त करने के लिए आगे लाएगा। इसके बाद निम्नलिखित कमाण्ड करेगा–

"परेड सावधान"

"कमाण्डर वापिस किर्च" (इस कमाण्ड के होने पर कमाण्डर एवं प्लाटून कमाण्डर अपनी तलवार वापिस रख लेंगे।)

"परेड विश्राम"

"पुरस्कार विजेता सावधान"

"पुरस्कार विजेता लाइन बन"

"पुरस्कार विजेता लाइन बन" की कमाण्ड होने पर ड्रम बजने की आवाज होगी। इस आवाज पर पुरस्कार विजेता अपने बराबर खड़े व्यक्ति के बांए हाथ में अपनी राइफल पकड़ा देगा। इसके बाद पुरस्कार विजेता परेड कमाण्डर के पीछे दोनों तरफ मार्च करते हुए लाइन बनायेंगे और उनका चेहरा सलामी मंच की तरफ होगा। परेड कमाण्डर की कमाण्ड "विजेता सज जा" पर तैयार होंगे।

उसकी अगली कमाण्ड "विजेता मध्य से तेज चल" पर सभी पुरस्कार विजेता (जिसमें परेड कमाण्डर खुद भी शामिल होगा) आगे बढ़ेंगे। सलामी मंच के आगे बने निशान पर पहुँचने पर परेड कमाण्डर उनको रुकने के लिए निम्नलिखित कमाण्ड देगा–

"विजेता सज जा"

"पुरस्कार विजेता, सैल्यूट"

"विजेता विश्राम"

इसके बाद पुरस्कार विजेताओं के नाम पुकारे जाऐंगे। इस पर प्रत्येक एक-एक कदम आगे बढ़ाते हुए सलामी मंच की तरफ बढ़ेगा, विशिष्ट व्यक्ति को सैल्यूट करेगा। पुरस्कार/शील्ड प्राप्त करेगा, दुबारा सैल्यूट देगा,

बांए घूमेगा, सलामी मंच के साथ–साथ कुछ कदम मार्च करता हुआ चलेगा, पुरस्कार/ट्राफी उस व्यक्ति को सौंप देगा जो इस कार्य के लिए नियुक्त किया गया है और पुरस्कार विजेताओं की लाइन में अपने मूल स्थान पर वापिस आ जाएगा।

पूरे पुरस्कार बटने के बाद परेड कमाण्डर पुरस्कार विजेताओं को वापिस ले जाने के लिए निम्नलिखित शब्दों में कमाण्ड देगा–

"पुरस्कार विजेता सावधान"

"विजेता सैल्यूट"

"विजेता पीछे मुड़"

"विजेता मध्य से तेज चल"

परेड के पास निर्धारित स्थान पर बनी लाइन पर पहुँचने पर परेड कमाण्डर इन शब्दों में कमाण्ड करेगा "विजेता थम" इस पर वे रुक जाऐंगे। "पुरस्कार विजेता जगह लो" की कमाण्ड होने पर पुरस्कार विजेता परेड में अपने–अपने निर्धारित स्थानों पर जगह लेंगे। परेड कमाण्डर पीछे रहेगा। ड्रम की आवाज पर वे अपनी राइफल वापिस ले लेंगे। ड्रम की तीसरी आवाज पर वे आराम की स्थिति में खड़े हो जाऐंगे।

3. अब विशिष्ट अतिथि अपना भाषण देगा।

खण्ड–9

परेड भंग (परेड निष्क्रमण)

1. विशिष्ट अतिथि का भाषण समाप्त होने के बाद परेड कमाण्डर निम्नलिखित शब्दों में कमाण्ड करेगा–

"परेड सावधान"

"कमाण्डर निकाल किर्च"

2. परेड के सीधा खड़े होने और प्लाटून कमाण्डरों द्वारा अपनी तलवारों को वापिस कर लेने के बाद परेड कमाण्डर सलामीमंच की तरफ जाएगा और

विशिष्ट व्यक्ति से परेड भंग करने के लिए निम्नलिखित शब्दों द्वारा अनुमति मांगेगा–

"श्रीमान (विशिष्ट व्यक्ति महिला के होने पर महोदया) दीक्षांत परेड निष्क्रमण करने की आज्ञा प्रदान करें"।

3. परेड भंग की अनुमति प्राप्त करने के बाद परेड कमाण्डर अपने स्थान पर वापिस आ जाएगा और इन शब्दों में कमाण्ड देगा–

"दीक्षांत परेड, कन्धे शस्त्र"

"परेड दाहिने बांए मुड़"

"परेड निष्क्रमण के लिए दांए–बांए धीरे चल।"

इस कमाण्ड पर परेड अन्दर की तरफ मुड़ेगी और कैडेट तीन कालमों में परेड के प्लाटूनों से दाहिने और बांए तरफ बराबर रूप में सलामी मंच के दोनों तरफ से धीमे मार्च करते हुए चलेंगे। प्रत्येक छः कैडेट अगले 6 कैडेटों से 8 कदम की दूरी पर रहेंगे।

परेड एवं प्लाटून कमाण्डर एवं दाहिने दर्शक कदम बाहर निकाल कर धीमे मार्च करते हुए कतारों के साथ बीच में आ जाऐंगे और 'पीलिंग आफ' तक अपनी बारी का इंतजार करेंगे। 6 कैडेटों का प्रत्येक पंक्ति जैसे ही सलामी मंच के पास बने चिन्ह के पास पहुँचेगी वे तीन–तीन के रूप में होकर दो पंक्तियों में विभक्त हो जायेंगे। एक सलामी मंच के दांई तरफ से दूसरी तरफ बांई तरफ से बढ़ेगी। विशिष्ट अतिथि के समीप पहुँचने पर वे अभिनन्दन स्वरूप सलामी शस्त्र की दशा से गुजरेगें। 8 कदम आगे बढ़ने पर वे सैल्यूट समाप्त करेंगे और खींची गई लाइन को पार करने के बाद ये तेज मार्च करते हुए हथियार गृह की तरफ राइफलों को जमा कराने जाऐंगे। कैडेटों की अन्तिम पंक्ति जाने के बाद दांए मार्गदर्शक प्लाटून कमाण्डर और उसके बाद परेड कमाण्डर मार्च शुरू करेंगे। जैसे ही परेड कमाण्डर विशिष्ट अतिथि को पार करेगा, घुड़सवार दस्ता एवं बैंड किले की दीवार के गेट की ओर मार्च करेंगे। उनके जाते ही गेट बन्द कर दिया जाएगा।

खण्ड–10

विशेष नोट

1. इस अध्याय में प्लाटूनों में परेड के निर्माण की प्रक्रिया का विवरण दिया है।

यदि ऐसे मामले जहाँ प्रशिक्षणार्थियों की संख्या बहुत ज्यादा है वहाँ परेड की संरचना कम्पनी रूप में की जाएगी और इसके मार्च–पास्ट सम्बधी प्रक्रिया अध्याय–16 के खण्ड–14 में दी गई है।

2. पासिंग आउट परेड प्रशिक्षाणार्थियो के प्रशिक्षण के चरम बिन्दु का अवसर होता है। यूनिट सहायक एवं यूनिट एस॰ एम॰ की परेड में छोटी–सी भूमिका होती है। इसी प्रकार परेड/ आई॰ सी॰ की भी एक छोटी–सी भूमिका होती है। तथापि जहाँ परेड यूनिट/संगठन/संस्थानों के पारम्परिक रूप से अपेक्षित है। वहाँ सम्बन्धित पुलिस महानिदेशक से इस विषय में अनुमति लेनी होगी। तब उनकी स्थिति अध्याय–16 के परिशिष्ट ''क'' में दिए गए विवरण के अनुसार होगी।

3. शस्त्र ड्रिल में कमाण्ड शस्त्र ड्रिल से सम्बन्धित कमाण्ड .303" राइफल के साथ होगी। ऐसी यूनिट जहाँ प्रशिक्षणार्थियों के पास राइफल न होकर 'एस॰ एल॰ आर॰' है वहाँ कमाण्ड में ''कान्धे शस्त्र'' नहीं बोला जाएगा और मार्च–पास्ट बगल शस्त्र में होगी।

4. यदि अतिविशिष्ट व्यक्ति/विशिष्ट व्यक्ति की परेड में जय–जयकार करनी है तो अध्याय–19 के खण्ड–3 में दी गई प्रक्रिया का अनुपालन किया जाए।

❑❑❑

शोक कवायद
(FUNERAL DRILL)

अन्त्येष्टि–कवायद के अवसर : अन्त्येष्टि–कवायद उन शहीद पुलिस कार्मिकों को श्रद्धाँजलि अर्पित करने के लिये की जायेगी जिन्होंने ड्यूटी पर अपने जीवन का बलिदान दिया। परन्तु यदि पुलिस दल के अध्यक्ष के मत में कोई अन्य अधिकारी या व्यक्ति भी इस श्रद्धा का पात्र है तो वह अन्त्येष्टि–परेड के लिये अनुमति दे सकता है।

राइफल के साथ शोक कवायद

नीचे लिखी राइफल कवायद शोक में एक फायर टोली और सड़कों पर लाइन बनाये टोली को करनी पड़ती है।

सलामी शस्त्र से उल्टे शस्त्र

1. **दाहिने पैर को उठाकर बांये पैर से मिला दो ताकि सावधान की हालत बन जाये साथ ही साथ राइफल को बदन के आगे इस तरह करो कि** दोनों बाजू' पूरे सीधे हों।
2. राइफल को आहिस्ता–आहिस्ता इस प्रकार सामने से उल्टो कि मजल सामने और बट बदन की तरफ से घूमे।
3. **जब मजल नीचे की तरफ हो जाये तो दाहिने से टाइम लेकर दोनों हाथ की बदली इस तरह करो कि दांया हाथ नीचे और बांया हाथ ऊपर हो** जाये। राइफल की मैगजीन जिस्म की तरफ छाती की लाइन पर हो। दोनों बाजू सीधे दोनों हाथों की अँगुलियाँ अँगूठे राइफल पर लिपटे हुये हों।
4. **राइफल को बांये हाथ से बांई बगल में ले जाओ और दाहिने हाथ को आगे छोड़कर पीछे से आउटर बैंड पर इस प्रकार पकड़ों कि अँगुलियाँ** नीचे और अँगूठा ऊपर से हो। राइफल की मैगजीन ऊपर की तरफ और बट सामने की तरफ पैतालिस अंश के कोण पर हो जायें, मजल नीचे तथा बट ऊपर को कोण बनायें।

साधारण गल्तियाँ

एक पहली हरकत : बांया हाथ बहुत ऊँचा कर देना।

दूसरी हरकत :

(1)टाइम न मिलाना।

(2)हाथों का झुकाना।

(3)राइफल ऊँचा कर देना।

तीसरी हरकत : समय न मिलाना।

चौथी हरकत : बट नीचे कर देना जिससे राइफल जमीन के समानान्तर हो जाती है।

नोट : जब धीरे चलने की आवश्यकता पड़ती है तभी उल्टा शस्त्र करते हैं।

उल्टे शस्त्र से बदल शस्त्र

1. दाहिने हाथ से राइफल छोड़कर हाथ को दाहिने बगल में मिला लो। बांये हाथ से राइफल सम्भालो। बांये हाथ की पकड़ बांयी जेब की सीध में हो। मजल नीचे की तरफ हो जाये।
2. राइफल को बदल के पार दाहिनी तरफ फेंकों साथ ही राइफल को दाहिने हाथ से स्माल आफ दी बट पर पकड़ों दाहिना हाथ दाहिनी जेब की सीध में रहे और बांया हाथ सावधान की दिशा में जाये, दाहिने हाथ की कोहनी जिस्म में मिली रहे।
3. राइफल को दाहिने हाथ से दाहिनी बगल में ले आओ साथ ही बांये हाथ को पीछे से घुमाकर आउटर बैंड के पास पकड़ो ताकि उल्टे शस्त्र बन जायें।

साधारण गलतियाँ

पहली हरकत : बांया हाथ बदन के आगे अधिक बाहर निकाल देना।

दूसरी हरकत : राइफल या हाथों को अधिक नीचे गिर जाने पर।

तीसरी हरकत : राइफल के बट को जमीन के समानान्तर कर देना।

नोट : चलते-चलते राइफल कवायद करने के लिये हर हरकत बांये पैर से की जायेगी।

उल्टे शस्त्र से तौल शस्त्र

नोट—यह उस समय किया जाता है जब राइफल बायीं बगल में हो और धीरे चाल से तेज चाल में आना हो।

(1)बांये हाथ से स्माल आफ दी बट से हटाकर तौल की जगह पकड़ो।

(2)बांये हाथ से राइफल तौल शस्त्र की दशा में लाओ मैगजीन ऊपर को रहे।

साधारण गलतियाँ

पहली हरकत : ठीक तौल की जगह न पकड़ पाना।

दूसरी हरकत : जैसे तौल शस्त्र में।

तौल शस्त्र से बदल शस्त्र : जैसे पहले बताया गया। सिर्फ अन्तर इतना होगा कि राइफल की मैगजीन सामने को होगी।

तौल शस्त्र से उल्टे शस्त्र

1. बायें हाथ से रायफल को बांये बगल के नीचे ले जाओ साथ ही दाहिने हाथ से आउटर बैंड के पास पकड़ो।
2. बांये हाथ से राइफल स्माल आफ दी बट पर पकड़ो।

नोट : तौल शस्त्र से उल्टे शस्त्र केवल जब राइफल बांई तरफ हो, तभी करते हैं।

उल्टे शस्त्र से शोक शस्त्र

उल्टे शस्त्र से शोक शस्त्र तभी किया जाता है जब राइफल बांये बगल में हो।

1. दाहिने हाथ से राइफल छोड़कर हाथ को दाहिने बगल में लाओ साथ ही बांये हाथ से राइफल की मजल बांये बूट के लेस और टो के बीच टिका दो, इस दशा में बट बदन के बीचो–बीच हो।
2. सिर और आँखें दाहिने मोड़ते हुये दाहिना हाथ पूर्ण लम्बाई तक दाहिने कन्धे की सीध में फैलाओ, अँगुलियाँ मिली हुई और हथेली नीचे की तरफ हो।
3. दाहिने हाथ की सीध रखते हुये हाथ को सामने से अन्दर को हरकत दो 45 डिग्री के कोण पर आते ही कोहनी से मोड़ पर हथेली बट प्लेट पर रखो उस दशा में हथेली नीचे अँगुलियाँ बायें तरफ लिपटी हुई और अँगूठा टो बट के गिर्द तथा कोहनी बदन से अलग हो सिर और आँखें सामने हो।
4. ऊपर की तरफ सिर और आँखें बांये मोड़ों बांया हाथ फैलाओ और घुमाकर 45 डिग्री के अंश पर आने पर हथेली दाहिने हाथ की पुश्त पर रख दो, ठहरो, सिर और सामने मोड़ो।
5. दोनों कोहनियाँ बदन से मिला दो "ठहरो, और ठोड़ी नीचे करके सीने से मिला दो, निगाह हाथों पर हो।

नोट : उपरोक्त हरकतों में मौके के अनुसार टाइम दाहिने से बांये रखा

जाये।

शोकशास्त्र से सावधान : सावधान के आदेश पर सिर सावधान की दिशा में लाओ और कोहनियों को जिस्म से अलग करो।

नोट : शोक शस्त्र की हालत में दूसरा कोई भी आदेश देने के पूर्व सावधान का आदेश दिया जाता है।

शोक शस्त्र से उलटे शस्त्र

1.बांये हाथ से स्माल आफ दी बट पकड़ो, पुश्त बायें को रहे।

2.राइफल बांए बगल के नीचे करो और दाहिने हाथ से पीछे से आउटर बैंड पकड़ो।

साधारण गलतियाँ

पहली हरकत : कोहनी या कन्धा गिरा देना।

दूसरी हरकत : जैसे उपरोक्त बताया है।

शोक शस्त्र से सलामी शस्त्र

1. दाहिने हाथ से राइफल करीब 6 इन्च ऊपर उठाओ साथ ही बांये हाथ से उस जगह पकड़ो जहाँ सलामी शस्त्र में होना चाहिए। हाथ की पीठ पीछे और बदन की तरफ तथा अँगूठा बांये को हो।
2. दाहिने हाथ से राइफल को स्माल आफ दि बट पर पकड़ो। अँगूठा बांये, अँगुलियाँ दाहिने और पुश्त अपनी ओर हो।
3. बट बदन की तरफ रखते हुए राइफल घुमा दो और चटकी से सलामी शस्त्र की दशा में आओ। साथ ही दाहिने पैर की खाली जगह बांये पैर की एड़ी के पास ले जाओ।

सलामी शस्त्र से शोक शस्त्र

1. राइफल करीब 6 इन्च ऊपर उठाकर बांया हाथ बट प्लेट के नीचे इस प्रकार लाओ कि अँगूठा टो बट के गिर्द, अँगुलियाँ पहले टो बट के दाहिने तरफ लिपटे हों। साथ ही दाहिना पैर सावधान की दशा में लाओ।
2. इस प्रकार घुमाओ कि बट बदन के समीप से घूमे राइफल उलटी हो जाये साथ ही मजल को बांये बूट के लेस और टो के बीच टिका दो। इस हरकत के साथ बांये हाथ की पकड़ घुमाते रहें ताकि राइफल उल्टी होने पर अँगूठा और अँगुलियाँ फिर पहले की दिशा में आ जायें साथ ही सिर छाती पर झुका दो।
3. दाहिने हाथ को बांये हाथ के ऊपर रखो।

नोट : दूसरी हरकत आठ सैकिंड में और मान के साथ की जाय।

किर्च की शोक कवायद

सैल्यूट से सलामी शस्त्र के (उल्टे शस्त्र) जवानों के सलामी शस्त्र से उल्टे शस्त्र करते समय यह हरकत की जायेगी—

(1 किर्च को खड़ी पर लाओ।

(2)जब जवान राइफल की दूसरी हरकत पूरी करते हों किर्च सामने लाओ।

(3)कलाई मोड़ते हुए और बांये सामने लाते हुए किर्च दाहिनी बगल में दबा **दो हिल्ट ऊपर और दाहिने कन्धे के सामने हो, दाहिने हाथ की अँगुलियाँ मिली हुई सीधी और हैंडिल के दाहिने हो, अँगूठा बांये हो हाथ की पीठ** दाहिने और दाहिनी कोहनी बगल को हो ब्लेड को बांये हाथ से पीठ के पीछे पकड़ो कमर की लाइन में हाथ की पीठ किर्च के नीचे हो, किर्च का अगला भाग 45 डिग्री के कोण पर हो।

तेज चाल पर उल्टे शस्त्र और उसका उल्टा—धीरे चाल से तेज चाल में आने **का आदेश, जब दाहिना पैर जमीन पर आ रहा हो मिलेगा। इस आदेश के मिलने पर ज्योंही बायां पैर जमीन पर आता है बांया हाथ बगल में काट दो** और हिल्ट को गिर जाने दो ताकि किर्च समानान्तर हो जाये तथा सावधान की तरह बांये हाथ से म्यान पकड़ो।

तेज चाल से धीरे चाल का आदेश : बांये पैर पर मिलेगा। दुबारा बांये पैर को जमीन पर आते ही उल्टे शस्त्रा की दिशा में आ जाओ।

उलटे शस्त्र से बदल किर्च

1. किर्च बांये हाथों से छोड़ो और बांया हाथ बगल को काट दो, नोक को सामने को झुका लेने दो जब तक कि किर्च सामने की दशा में न आ जाये।
2. हिल्ट बांये हाथ से पकड़ते हुए और दाहिना हाथ बगल को काटते हुए किर्च को बदन के पार गुजार दो।
3. **बांये बगल में किर्च को उलटी कर दो (एज और हिल्ट ऊपर को हो) बांये हाथ से हैंडिल इस तरह पकड़ो कि चारों अंगुलियाँ और अँगूठा सामने** को हों। दाहिनी कोहनी बदन से मिली हुई हो। दाहिने हाथ से ब्लेड को बदन के पीछे से पकड़े हुए हो। अगला बाजू जमीन के समानान्तर किर्च का ब्लेड 45 डिग्री के कोण पर होगा।

उलटे शस्त्र से शोक शस्त्र : जवानों से टाइम मिलाते हुए किर्च बांये हाथ से

छोड़ते हुए बांया हाथ बगल में काट दो। दाहिने हाथ से नोक पैरों के बीच में रख दो हिल्ट बदन के बीचों-बीच एज दाहिने और हैंडिल बांये हाथ से पकड़ों सिर और आँखें दाहिने मोड़ दो और दाहिने बाजू दाहिने कन्धे की सीध में फैला दो हाथ की पीठ ऊपर और अँगुलियाँ और अँगूठा मिले हुए और फैले हुए हो। गोलाकार हरकत से बाजू को 45 डिग्री के चक्कर तक लाओ बाजू झुकाओ और दाहिना हाथ हिल्ट पर रख दो; कोहनी जितना सम्भव हो ऊँची रखो, सिर सामने को मोड़ दो बांए देखों और वही हरकत बांये बाजू से भी करो। बांया हाथ दाहिने के ऊपर रखो, सामने देखो कोहनियाँ देखो कोहनियाँ बदन से मिलती हुए ठुड्डी छाती पर गिरा दो, निगाह हाथों पर रखो।

सावधान : इस आदेश पर सिर ऊपर उठा दो, कोहनियाँ अलग कर दो।

शोक शस्त्र से उलटे शस्त्र

1. दाहिने हाथ से हैंडिल को उसी ग्रिप में पकड़ों जैसे उलटे शस्त्रा में पकड़ते हैं और बांये हाथ से म्यान पकड़ो।
2. पीठ के पीछे बायें हाथ से उलटे शस्त्र को दुरुस्त हालत में पकड़ो।

सलामी शस्त्र से शोक शस्त्र

1. किर्च को खड़ी हालत में ले आओ।
2. हिल्ट को दाहिनी तरफ घुमाते हुए किर्च की नोक को पैरों के बीच में रख दो। ऐज (धार) दाहिनी तरफ हो साथ ही दाहिनी तरफ की पकड़ को हटाओ ताकि पामेल पर ठहर जाए, कोहनी उठी रखो। यह हरकत आठ सैकिन्ड में की जाती है।
3. कोहनी उठाये हुए बांए हाथ के ऊपर रख दो।
4. कोहनी बगल को गिरा दो और ठुड्डी पर गिरा दे।

नोट : यह सब हरकतें मान से की जाती हैं। दूसरी, तीसरी और चौथी हरकत में जल्दबाजी नहीं की जाती है।

पिस्तौल के साथ शोक कवायद

नोट : एस॰ आई॰ और ऊपर के अफसरान किर्च के साथ शोक कवायद करते हैं। यदि किर्च उपलब्ध न हो तो मजबूरी की हालत मे अफसरान रिवाल्वर के साथ शोक कवायद कर सकते हैं।

'शोक शस्त्र' : इस आदेश पर सर और आँखें दाहिने मोड़ दो साथ ही दाहिना बाजू धीरे-धीरे दाहिने पूरी लम्बाई तक फैला दो। हाथ की हथेली

खुली हुई अँगुलियाँ और अँगूठा मिले हुए तथा हाथ की पीठ ऊपर को ही बिना रुके हुए दाहिना हाथ सामने का गोलाकार हरकत से बट पर लाओ साथ ही निगाह भी सामने नीचे घुमाकर लाई जाये। अँगुलियाँ सीधी रखते हुए बट पर रखो बिना रुके हुए बांया बाजू बांये तरफ उठाओ यही हरकत बांये बाजू से करो, हरकत पूरी हो जाने पर दोनों कोहनी गिर जाने दो, सर को छाती पर झुका लो। यह हरकत धीरे-धीरे बिना अटके और लगातार होनी चाहिए।

सावधान : सिर उठाओ, निगाह सामने करो और कोहनियाँ आजाद कर दो एक ठहराव दो और दोनों हाथ बगल में मिला दो।

❑❑❑

सैनिक शोक पर किया जाने वाला शोक समारोह
(FUNERALS AND LYING IN STATE)

परिभाषायें

शव वाहन—(Gun Carriage)

1. वह वाहन (गाड़ी) कहलाती है जिस पर शव रख कर ले जाया जाता है।
2. वाहक (शव वाहन Bearers) वह लोग होते हैं जो शव को शव वाहन पर रखते हैं और शव वाहन से उतार कर ले चलते हैं।
3. पाल वाहक (Pall Bearers) वह लोग होते हैं जो शव के अतिरिक्त कफन का कपड़ा या अन्य सामान मालाएँ इत्यादि लेकर चलते हैं।
4. सावधानी (Coffin): उसे कहते हैं जो लाश को ले चलने के लिए बनायी जाती है जैसे बक्स ठठरी वगैरह।

बन्दोबस्त

1. एक फायर टोली जिसमें एक सीनियर हे॰ का॰ तथा एक जूनियर हे॰ का॰ और बारह का॰ होंगे, यह फायर टोली आई॰ जी॰ पुलिस के ओहदे के नीचे के सब अफसरों और जवानों के मातम पर नियुक्त की जायेगी।
2. फायर टोली आई॰ जी॰ पुलिस और उनसे ऊँचे ओहदे के अफसरान के शोक पर नहीं रखी जायेगी इसकी जगह रक्षक में से एक अग्र टोली ले लेगी।
3. धीरे चाल से चलने में हथियार उलटे ले जाये जायेंगे। तेज चाल में उल्टा तौल से ले जाये जायेंगे।
4. चलते हुए होने पर "बदल शस्त्र" किए जा सकते हैं। अगर टोली विश्राम से नहीं चल रही है।

वाहक टोली न॰ 1

1. इसमें एक अफसर 1 हे॰ का॰ और 8 का॰ वाहक जितने पद मृतक के पद और मर्यादा पर निर्भर होंगे, नियुक्त होंगे। कमाण्डर देखेंगे कि झण्डा, शीशा–वस्त्र–बगली शस्त्र और मालाएँ उचित रूप से संवारी हुई और सावधानी से बँधी हुई है ताकि वह गिरने न पाएँ।

शोक समारोह की तैयारी

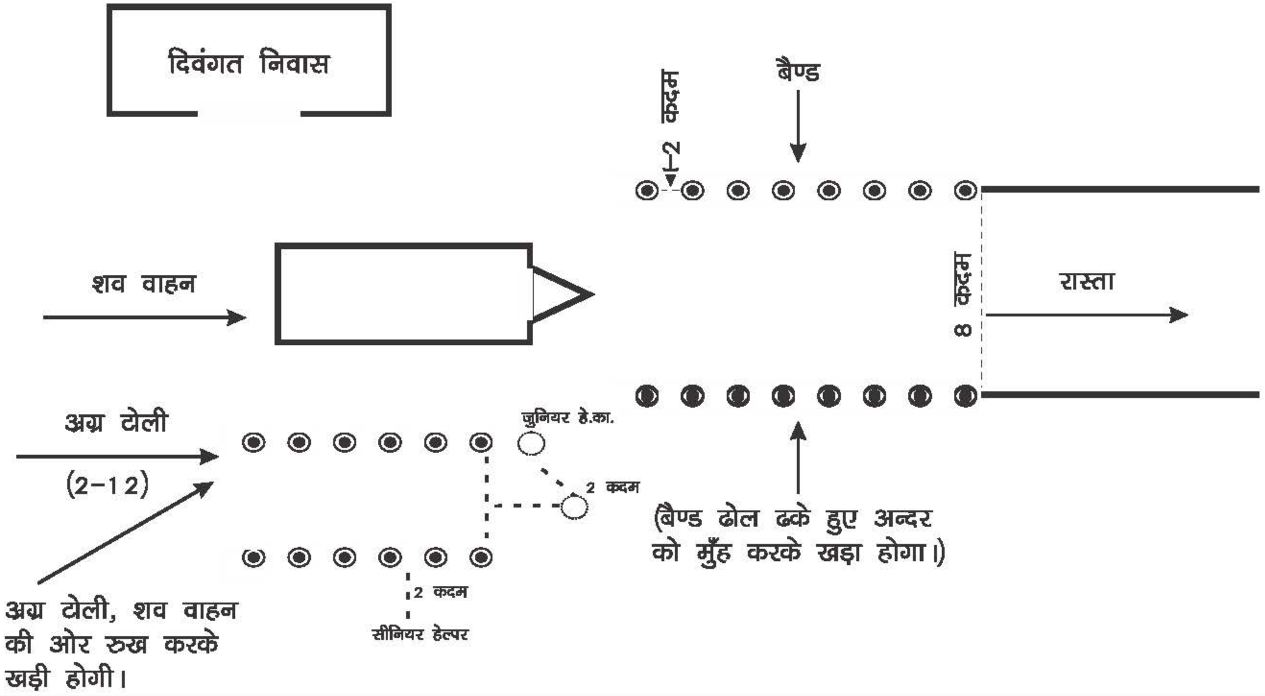
दिवंगत निवास
शव वाहन
बैण्ड
2 कदम
8 कदम
रास्ता
अग्र टोली
(2-12)
जुनियर हे.का.
2 कदम
2 कदम
सीनियर हेल्पर
(बैण्ड ढोल ढके हुए अन्दर को मुँह करके खड़ा होगा।)
अग्र टोली, शव वाहन की ओर रुख करके खड़ी होगी।

2. सीनियर अफसरों की मातम की सावधानी सीनियर अफसर या हे॰ का॰ द्वारा ले जायी जानी चाहिए।

3. मालाएँ जोकि सावधानी पर नहीं ले जाई जायेंगी और जिन्हें पैदल नहीं ले जाया जा सकता वह पिछले रक्षकों के साथ एक गाड़ी में पीछे रहेंगी।

शोक-समारोह की तैयारी : (चित्र आगे देखें) फायर टोली या अग्रिम टोली को कन्धे शस्त्र में दो लाइन में खड़ा किया जायेगा। लाइनों के बीच दो कदम का फासला होगा। लाइन में बगली फासला एक कदम का होगा। जिस इमारत में शव रखा हो उस इमारत की तरफ मुँह करके खड़ा किया जाये। जूनियर हे॰ का॰ का मुँह सामने की लाइन के उस बाजू पर रहेगा जिस तरफ जुलूस चलेगा, सीनियर हे॰ का॰ कवायद के आदेश देगा और मध्य के पीछे तीन कदम पर खड़ा होगा। जैसे ही शव वाहकों द्वारा इमारत से बाहर ले जाया जाना है फायर टोली या अग्रिम रक्षक टोली का इन्जार्च हे॰ का॰ 'सलामी शस्त्रा' का आदेश देगा।

जब शव गन कैरिज पर रख दिया जाता है और सवारी चलने के लिए तैयार हो जाती है तो वह 'उल्टे शस्त्रा' का आदेश देगा फिर दाहिने या बांए जिधर जाना हो उधर को मुड़ने का आदेश देगा। जूनियर हे॰ का॰ दोनों लाइनों के बीच दो कदम आगे जगह लेगा उसके बाद 'धीरे चल' का आदेश दिया जायेगा।

2. शोक शस्त्र बैंड और ढोल बजाने वाले ढोल ढ्के हुये मफल्ड दो लाइनों में अन्दर को मुँह किये हों। जवानों के बीच दो कदम के अन्तर और लाइनों के बीच आठ कदम की दूरी से खड़े होंगे। फायर टोली या अग्रिम टोली और जुलूस का अग्रिम का भाग लाइनों के बीच से होकर गुजरेगा।

शोक समारोह के चलने का क्रम

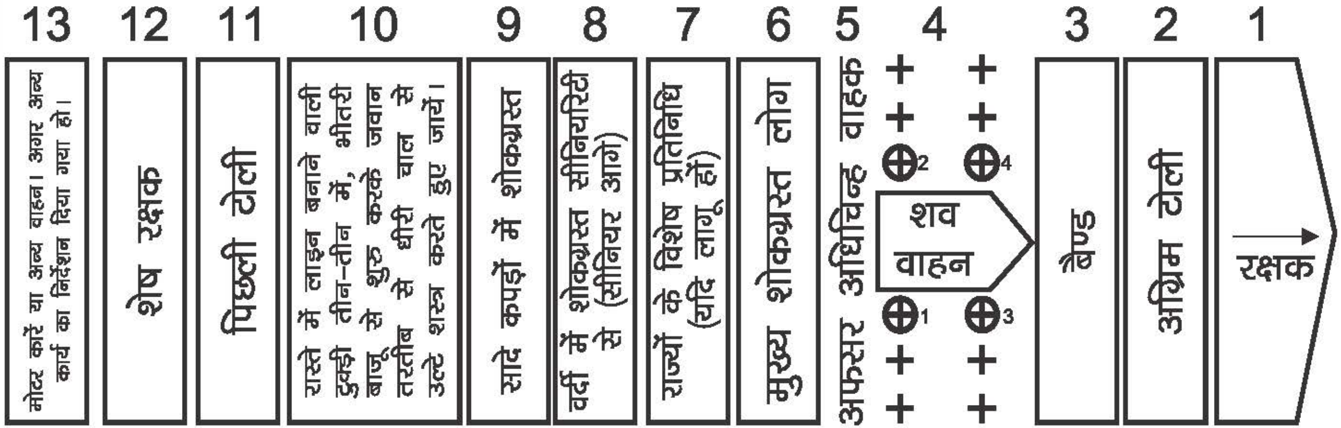

++ हे.का.रक्षक टोली ⊕ शव वाहन ज्येष्ठताक्रम में/शव फाइल जोडियों में

शोक समारोह की तरतीब :

(चित्र पर देंखे)। समारोह निम्नलिखित क्रम से बढ़ेगा।

(1)रक्षक

(2)फायर टोली या अग्रिम टोली

(3)बैंड

(4)शव गन कैरिज पर पाल वाहक/वाहक

(5)अधिचिन्ह वाहक जो दिवंगत वीर गति प्राप्त के परिवार द्वारा नामजद किया जाना चाहिये सामान्यतः पुलिस अफसर होगा।

(6) मुख्य शोकग्रस्त लोग (देखें नोट 3)

(7)राज्य के विशेष प्रतिनिधि (यदि लागू हो)

(8)वर्दी में शोक-ग्रस्त सीनियरिटी की तरतीब में सीनियर आगे।

(9)शोकग्रस्त जो वर्दी में न हो।

(10)रास्ते में लाइन बनाने वाली टुकड़ी तीन-तीन में भीतरी बाजू से शुरू करके जवान तरतीब से चाल से उल्टे शस्त्र करते हुये।

(11)पिछली टोली।

(12)घुड़सवार जो रक्षक का हिस्सा हो।

(13)मोटर कारें या अन्य वाहन अगर किसी अन्य कार्य से निर्देशन किया गया हो।

नोट :उपरोक्त सूची में जिन अफसरान या जवानों की शोक समारोह पार्टियों में नियुक्ति न की गयी हो और किसी कठिन मजबूरीवश वर्दी न हो तो बगैर वर्दी के रह सकते हैं, नहीं तो वर्दी ही पहनेंगे।

(2) वाहक गन कैरिज के दोनों तरफ और निकट चलेंगे। पाल, वाहक गन कैरिज के एक कदम निकट दोनों बगलों में चलेंगे तथा वाहक, बाहरी बाजुओं पर दो कदम के अन्तर से चलेंगे। पाल, वाहकों की जगह श्रेष्ठ तथा क्रम में सावधानी के दोनों तरफ समानान्तर रहेंगे। सीनियर पीछे दाहिने तरफ दूसरा सीनियर पीछे बांए तरफ और बाकी सब इसी प्रकार तरतीब से।

(3) अगर शोक ग्रस्त किसी कारणवश जुलूस में चलने योग्य न हो तो वह मोटर से किसी दूसरे मार्ग द्वारा जायेंगे।

बैंड : बैंड और ढोल, शमशान से लगभग जब तीन सौ गज के फासले पर रह जाते हैं वहाँ पर मातमीबाजा बजायेंगे। बाजा वहीं तक बजेगा जहाँ तक

शमशान भूमि या कब्रिस्तान में खड़े होने का तरीका

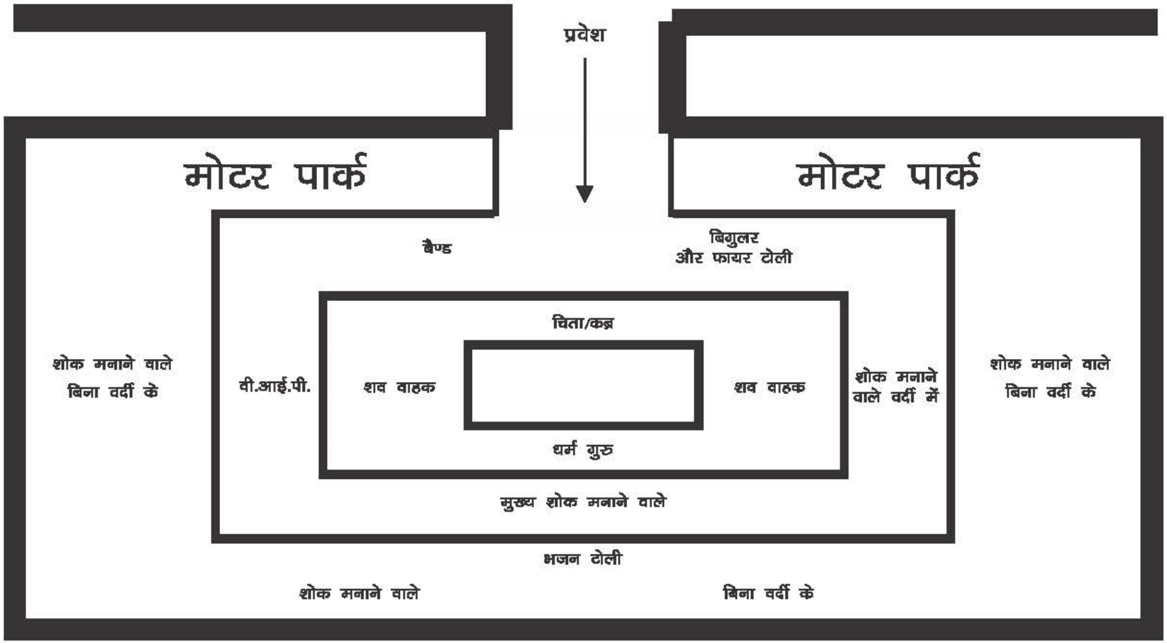

अफसर इन्चार्ज ने मुकर्रर किया हो। फायर टोली अग्रिम टोली को आदेश मिलेगा "तेज चल" तब तेज चाल में चलेगें। जब बैंड या ढोल बजाना बन्द हो जाता है तब तेज चाल में चलेंगे।

जब नजदीक फासले पर आ जाते हैं तो अफसर इन्चार्ज के आदेशानुसार फायर टोली या अग्रिम टोली का इन्चार्ज हे० का० आदेश देगा "धीरे चल" बैंड फिर बजना शुरू हो जायेगा।

शमशान पर पहुँचने पर विधि : जब जलूस का अगला हिस्सा उस जगह के निकट पहुँच जाता है जहाँ कर्मकाण्ड पुरोहित मिल जाता है उससे पहले अग्रिम टोली या फायर टोली का इन्चार्ज हे० का० "थम" का आदेश देगा। इस आदेश पर अग्रिम टोली या फायर टोली और बैंड थम जायेंगे और 6 कदम के फासले पर खुल जायेंगे। फायर टोली या अग्रिम टोली का इन्चार्ज हे० का० "अन्दर को मुड़" और "शोक शस्त्र" का आदेश देगा तब सावधानी वाहकों द्वारा गन कैरिज से नीचे उतारी जायेगी। पैर शमशान/कब्रिस्तान आगे की तरफ हों। उसे वाहकों द्वारा कब्र या चिता के पास रख देंगे। अब लाश के पैर उस ओर होंगे जिस ओर जलाते या दफनाते समय होते हैं। अब जुलूस की तरतीब इस प्रकार होगी कर्मकाण्ड पुरोहित शव पाल वाहक और वाहकों के साथ यदि रास्ता इतना तंग हो कि वह इस हालत में न रहे सकें तो पाल वाहक शव के पीछे चलें उसके बाद शोक ग्रस्त फिर बैंड और फिर फायर टोली शोकग्रस्त कब्र या चिता के चारों ओर फाइल बनेंगे। थम जायेंगे, और अन्दर को मुड़ जायेंगे, बिना आदेश के फायर टोली शोक ग्रस्त के पीछे चलेगी कब्र या चिता के निकट हे० का० इन्चार्ज के आदेश पर "थम करेगी"।

क्रिया के दौरान विधि : शव चिता या कब्र में रखने में पूर्व राष्ट्रीय ध्वज, सिर की टोपी, बगली शस्त्र माला इत्यादि हटा ली जायेगी। शव को जब चिता पर रख दिया जाता है या कब्र में उतार दिया जाता है तो वाहक कब्र या चिता के पास से हट जायेंगे और टोपी पगड़ी आदि लगा लेंगे।

जब पण्डित अथवा पादरी द्वारा क्रिया हो जाये और जब धर्म के अनुसार चिता मे आग देने की तैयारी हो जाये या कब्र में शव के बाद मिट्टी डालने की तैयारी हो और मुख्य शोकग्रस्त अपनी जगह ले लें तो निम्नलिखित कार्यवाही की जायेगी।

कार्यवाही यह होगी : यदि सल्की राउण्ड फायर करने हो तो हे० का० इन्चार्ज

निम्न आदेश देगा।

1. ''फायर पार्टी सलामी शस्त्र''

2. ''कन्धे शस्त्र''

3. ''आवाजी कारतूस भर''

4. ''पेश कर''

5. ''फायर''

6. दो बार इसी प्रकार और सल्की फायर किये जावे।

7. ''खाली कर''

8. ''बाजू शस्त्र''

9. ''संगीन लायेगा, लगा संगीन''

10. ''कन्धे शस्त्र''

यदि कोई सल्की फायर न किया जाये तो हे॰ का॰ इन्चार्ज आदेश देगा।

1. ''पार्टी सलामी शस्त्र''

2. ''कन्धे शस्त्र''

3. ''बाजू शस्त्र''

4. ''संगीन लगायेगा लगा संगीन''

5. ''कन्धे शस्त्र''

6. ''सलामी शस्त्र''

आख़िरी सलामी शस्त्र पर बिगुलर बिगुल लास्ट पोस्ट बजायेंगे। इस धुन के दौरान में अग्रिम टोली छोड़कर जो सलामी शस्त्र की दशा में होगी वह सभी सशस्त्र सैनिक तथा अफसरान सावधान खड़े हो जायेंगे। लास्ट पोस्ट के थोड़े अन्तर के बाद दो साँस लेने के बाद बिगुलर रओज रिवाली बजायेंगे। बिगुल की इस ध्वनि पर सब अफसरान एस॰ आई॰ और उसके ऊपर सैल्यूट करेंगे। रओज रिवाली खतम होते ही कमाण्डर टोली को कन्धे शस्त्र का आदेश देगा।

नोट : बिगुलर्स लास्ट पोस्ट रिवीज के बीच के वक्फे में बिगुलर नीचे नहीं लायेंगे।

विसर्जन होने की विधि : बैंड और ढोल तैयार हो जायेंगे, इन्जार्च आदेश देगा ''तीनों-तीन बन, दाहिने से तेज चल।''

बैंड और ढोल आगे को रहेंगे, उनके पीछे फायर टोली और सैनिक शोकग्रस्त जोकि बिना आदेश के चलते-चलते तीनों-तीन बन जायेंगे।

बैंड और ढोल बजाये नहीं जायेंगे। जब टोली शमशान क्षेत्र से/कब्रिस्तान के बाहर जाती है तो उसके तुरन्त बाद मौकों पर संगीन उतरवा दी जायेगी।

सामान्य आदेश

1. शोक समारोह के दौरान केवल सावधानी या अस्थि कलश को ही सैल्यूट करेंगे। इसके अलावा कोई किसी को सैल्यूट नहीं करेंगे। जब तक कि शोक समारोह के कार्य से मुक्त न हो जाएँ।
2. जिन सैनिकों को मार्ग पर लाइन बनाने के लिये लगा दिया जाता है उनको पहले जुलूस को सलामी शस्त्र करना होगा फिर शोक शस्त्र और उसके बाद उल्टे शस्त्र करना होगा।

   सामान्यतः सलामी शस्त्र उस वक्त करेंगे जब मातमी जुलूस का अग्रिम भाग उनके पास आता है और जैसे फायर टोली उसके पास आती है शोक शस्त्र करेंगे और जब मातमी जुलूस के साथ चलना हो उसके पहले उल्टे शस्त्र करेंगे।
3. हर शोक समारोह का बन्दोबस्त S.P. या C.O. की देख–रेख में होगा जो इस काम के लिये किसी एक राजपत्रित अधिकारी को नियुक्त कर सकते हैं।
4. अगर रक्षकों के किन्हीं भागों के मार्ग पर लाइन बनाने के लिये बॉट दिये जाने के बाद भी एक बड़ा भाग रह जाता है तब कम्पनीवार तीनों–तीन में फायर टोली या अग्रिम टोली के पीछे और बैंड के सामने चलेंगे।
5. बैरक, निवास स्थान वापस आने के बाद शोक बन्द उतार दिये जायेंगे।
6. जब वीर गति प्राप्त के शव पर राष्ट्रीय ध्वज उढ़ाना हो तो राष्ट्रीय ध्वज की दशा इस प्रकार होगी कि केसरिया रंग सर की तरफ और हरा रंग पैर की तरफ हो।

सलकी फायर करने की विधि : फायर टोली द्वारा राइफल से सलकी वाली फायर करने की विधि इस प्रकार होगी।

1. "आवाजी (सलकी) कारतूस भर"—भरने की हालात बना लो तब भरो। रायफल की मजल ऊपर की तरफ आड़े रखो। जिससे सामने के लोगों के सिरों से ऊपर हों।
2. "पेशकर"— राइफलें फायर की हालत में 135 अंश के कोण पर ले जायी जाये। सिर स्थिर रखे जायें, निशाना लेने की कोई भी कोशिश

नहीं की जाये।

3. ''फायर''—इस आदेश पर जवान तुरन्त ट्रिगर दबा देगा और जब तक फिर भर या खाली कर, का आदेश नहीं दिया जायेगा 'पेशकर, की हालत में रहेंगे।
4. ''खाली कर'' — राइफल को भरने की हालत में लाओ तथा खाली करने की हरकत पूरी करने तक 145 अंश पर रखो।
5. 'बाजू शस्त्र' — बाजू शस्त्र करो।
6. 'उठा खोखा'—खोखा उठाओ।

सावधानी से चलने की विधि

1. वाहक अफसर या हे॰ का॰ इन्चार्ज वाहक टोली के आदेश पर काम करेंगे। आदेश शब्दों में धीमी व नीची आवाज में दिये जायेंगे। जैसे ''उठाने को तैयार, उठा।''

   ''धीरे चल''—''उतारने को तैयार, उतार'' जो हरकतें इशारे से नहीं की जा सकती हैं उनके लिये आदेश दिया जाना चाहिए।
2. जब सावधानी उठायी जायेगी तो वाहक चार एक तरफ और चार दूसरी तरफ होंगे। फासला और सीधाई बराबर होगी।
3. वाहकों की टोली आदि एक हे॰ का॰ या टपर के द्वारा ले जायी जायेगी जिसे विशेषतया नियुक्त किया जायेगा, वाहक ऊपर के पैर से चलना शुरू करेंगे ताकि सावधानी की स्थिति में अधिक परिवर्तन न आये।।
4. वाहक टोली का इन्चार्ज हे॰ का॰ वाहक टोली के पीछे की ओर मध्य से चलेगा।

❑❑❑